वो चिंता करता है।
क्या आप चिंता करते है?

धन्यवाद भाई। आइए अब प्रार्थना के लिए बस कुछ क्षण के लिए खड़े रहे। अब हमारे सिर झुके हुए हैं, क्या कोई बोली गयी विनंती हैं, या केवल अपने हाथ उठाने के द्वारा ज्ञात करवाये, यदि अभी आप अपने बस हाथ को उठाये, केवल अपने विनंती को थामे रखें।

2 हमारे स्वर्गीय पिता, हम आपके पास फिर से आते रहे हैं, इन विनंतीयों के लिए... उन्होंने अपने हाथ को हवा में उठाया हैं। और उनकी आज सुबह बहुत से ज़रूरते है, प्रभु। आप जानते हैं कि वे अपने ह्रदय में क्या सोच रहे हैं, क्योंकि आप वचन हैं, और वचन विचारों और ह्रदय के इरादो को जांचने वाला है। मैं आपसे प्रार्थना करता हूं, सबसे अनुग्रहकारी परमेश्वर, कि आप उनमें से हर एक को उनकी जरूरतों के अनुसार उत्तर देंगे, यह जानते हुए, कि आप इसे उनके विश्वास के अनुसार करेंगे। हमें विश्वास दें जैसे हम आपके वचन को बोलते हैं तब, प्रभु, यह उन के लिए विश्वास को ला सके। मुझे आपके वचन को बोलने में सहायता करें, क्योंकि आपका वचन सत्य है, कि यह इन विनंतीयों का उत्तर देने के लिए विश्वास को ला सकता है। और फिर यहां कुछ लोग हो सकते हैं, प्रभु, जो उस सकेत मार्ग से भटक चुके हैं, जो उस सत्य के मार्ग में नहीं चल रहे हैं। हम प्रार्थना करते हैं, पिता, आज कुछ तो किया जायेगा, और उन्हें ज्ञात हो जाएगा जिससे वे फिर से मसीह के साथ तुरंत ही संगति के उस मार्ग पर वापस आ जायेंगे। दिन निकलते जा रहे हैं, हर तरफ बुराई है, एक बड़ी गिरावट हो रही है। और हम प्रार्थना करते हैं, पिता, कि आज आप अपने आप को हमें ज्ञात करवायेंगे, हमारे मध्य में बीमारों को चंगा करने के द्वारा अद्भुत कार्य करते हुए। ऐसा नहीं है कि आपको इसे करना है, प्रभु, हमें यह बताने के लिए कि आप परमेश्वर हैं, लेकिन क्योंकि आपने ऐसा करने की प्रतिज्ञा की है। और हम जानते हैं कि आप हमें अपनी प्रतिज्ञाओ को प्रदान करेंगे, यदि हम केवल उन पर विश्वास करें और जान ले कि वे सत्य हैं। हम यीशु मसीह के नाम में इन सहायताओ के लिए मांगते हैं। आमीन। (आप बैठ सकते हैं।)

3 मैं यहां रखी हुई कुछ विनंतीयों को पढ़ने के लिए, बस कुछ समय को ले रहा है, जो दो या तीन हैं, उनमें से एक प्रार्थना की विनंती है। यहां कई रूमाल जरुर रखे हुए हैं, जिन पर प्रार्थना करने के लिए—लिए प्रसन्नता होगी, हम थोड़ी देर में, जब हम महसूस करते है कि पवित्र आत्मा की उपस्थिति इसके शिखर पर है। यही वह समय होता है, जब मैं इस पर प्रार्थना करने की कोशिश करता हूं, जब सारे सभा के लोग, सभी उसकी उपस्थिति से अभिषेकित होते है।

4 हम सोचकर बहुत खेदित है, इतने सारे लोग खड़े हैं, और उनके बैठने के लिए स्थान नहीं है। और—और गर्म मौसम का दिन है, जो उसके अधिक तापमान पर है, हमारे पास लगभग सौ प्रतिशत नमी होती है और जो लगभग सौ डिग्री होती है, सो यह बहुत ही चिपचिपा और गर्म मौसम है।

5 और मैंने आज सुबह को चंगाई सभा के लिए रखा है, या नहीं... मेरा इस "चंगाई" की सभा का कारण है, कि मैं उस पर विश्वास रखता हूं, जो भी प्रतिज्ञा की है। देखा? अब, मैं यह नहीं कह सकता कि वह ऐसा करेगा, लेकिन मेरा विश्वास है उसके वचन को सुनने के बाद और हमारे विश्वास के आधार के ऊपर उसने जो प्रतिज्ञा की है, उसके बाद हमारे पास उसके प्रतिज्ञाओ की चंगाई को दावा करने का अधिकार है, जैसे हम उसने उद्धार के प्रतिज्ञा के लिए करते हैं।

6 ये कुछ विनंतीयां हैं। मैं नहीं जानता कि वे रिकॉर्डर अभी भी इसके लिए चालू रखा हैं या नहीं। ये अच्छा होगा। तो, मुझे लगता है कि यह बाहर वालो के लिए अच्छा होगा, कि सामान्य जन सुने, यह एक विनंती है।

क्या आपने भविष्यवाणी की थी कि वहां पर लाखों नीग्रो मारे जायेंगे... या आपने बस ऐसे ही घोषणा की थी कि वहां—वहां होने जा रहा है?

7 अब, देखो, मैंने हमेशा आपको सचेत रहने के लिए कहा है कि आप क्या सुन रहे होते हैं। देखा? इसमें बहुत कुछ होता है जो कि केवल मनुष्य की ओर से होता है। लेकिन हमेशा ही यदि कुछ तो आगे होने वाला होता है, तो यह कहेगा, "ये यहोवा यों कहता है," वाला वचन होगा, यहां तक कि दर्शन या जो कुछ भी हो। इस मंच के दर्शन, सभा के बीच में, आप ऐसा अपने आप से कर रहे हैं; यह परमेश्वर नहीं है, यह आप हो। समझे? परमेश्वर उस दर्शन को उत्पन्न नहीं करता है, आप इसे अपने आप से करते है, एक दैविक दान में अपने विश्वास के द्वारा करते हैं।

8 जैसे उस स्त्री ने उसके वस्त्र को छुआ, वह नहीं जानता था कि वह कौन थी या उसके साथ क्या गलत था, लेकिन उस स्त्री ने खुद से ऐसा किया। देखा? अब, यह यहोवा यों कहता है नहीं था। ये यहोवा यों कहता है, था जब यीशु ने वापस मुड़कर बोला और उसे बताया कि उसके विश्वास ने उसे बचा लिया है। लेकिन, देखो, आपको ध्यान देना है।

9 नहीं, मैं तो केवल इस महान मार्टिन लूथर किंग के बारे में बात कर रहा था, इसकी विपत्ति पर जो उन लोगों के साथ दक्षिण में हैं, उन अश्वेत लोगो के साथ। मैंने कहा, "यदि वे लोग गुलाम थे, तो मैं अपनी कलीसिया को लेकर और दक्षिण में जाऊंगा, ताकि उन लोगों को गुलामी से निकालने के लिए सहायता करूं।" मैं निश्चय ही करता, क्योंकि मनुष्य गुलाम बनाता है, परमेश्वर नहीं। हम सब एक ही लहू हैं। हम सभी एक ही पेड़ से आये हैं, और वो आदम से था। परमेश्वर ने एक लहू के द्वारा, सारे राष्ट्रों को बनाया है। और चाहे हम, हमारा रंग भूरा हो, या काला हो, या पीला हो, या लाल हो, या जो कुछ भी हो, हम सब सर्वशक्तिमान की सृष्टियां हैं, देखो, और हमारे बीच कोई अंतर नहीं होना चाहिये।

10 वहां सवाल आता है, "अलगाव का स्कूल।" अब, पहली बार विद्रोह हुआ मैं वहां पर था, और मैंने इसे सुना, और मैं—मैं जानता हूं कि मैं किस बारे में बोल रहा था। अश्वेत लोगों के पास अच्छे स्कूल हैं, कभी–कभी अन्य स्कूलों की तुलना में वे बेहतर होते हैं। और, उदाहरण के लिए, शेवरेपोर्ट में जो श्वेत लोगो स्कूल है उसकी तुलना में उनके पास बहुत ही बेहतर स्कूल है। लेकिन यह किसी के विचार थे जिसने उन्हें प्रोत्साहित किया उन्हें आगे बढ़कर जाकर और खुद को एक साथ मिलाना चाहिये। जो, मैं सोचता हूं कि यह ठीक रहेगा, लेकिन जब तक वे दक्षिणी लोग इसका विरोध कर रहे हैं, तब यह किसी भी तरह से क्या फर्क पड़ता है?

11 और मैं सोचता हूँ कि मार्टिन लूथर किंग कम्युनिस्ट प्रेरित हुए, जो लगभग दस लाख लोगों को पूरी तरह से मृत्यु जाल की ओर नेतृत्व करने जा रहा है। देखा? मैं नहीं कहता कि प्रभु ने मुझे बताया था। "मैं" विश्वास करता हूँ, देखो। और मैं विश्वास करता हूं कि ऐसा नहीं किया जाना चाहिये। मैं सोचता हूं कि लोगों को मसीही होना चाहिये और भाइयों के रूप में एक दूसरे को पहचानना चाहिये। और, लेकिन मैं बस इसलिए सोचता हूं...

12 यह संयुक्त राज्य, अब यह सरकार मुझे बताती है कि मैं एक चेक पर हस्ताक्षर भी नहीं कर सकता हूं जो—जो... मुझे व्यक्तिगत रूप से दिया जाता है। देखा? यह मेरे द्वारा लिया गया, व्यवस्था के अनुसार अधिकार है, लेकिन मैं इसके विषय में क्या कर सकता हूं? बस आगे बढ़ना है, ऐसा ही है। देखा? और इससे पहले कि मैं संयुक्त राज्य के नागरिक की नाई एक चेक को नकद कर सकूं, इसे किसी अन्य नियमो से होकर जाना है, इसे इस कलीसिया के माध्यम से आना है, मैं इसे चेक को नकद नहीं कर सकता। देखा? और यह सही नहीं है। यह व्यवस्था के अनुसार नहीं है। लेकिन मैं इसके विषय में क्या—क्या कर सकता हूं? कुछ भी नहीं। यहां पर यह टैक्स को लेने वाले ने मुझे बताया कि मैं ऐसा नहीं कर सकता, इसलिए, तो, ऐसा ही है। यदि ऐसा है, तो इसका क्या हो। तो बस इसे होने दो।

13 मैं सोचता हूं कि यह वही बात होनी चाहिये, कि... कि मेरे अश्वेत भाई और बहन जो को दक्षिण में है अपने भाइयों के विरोध में हथियार नहीं उठाना चाहिये और इस प्रकार की छोटी बातों पर जैसे यह है। ओह, इससे क्या फर्क पड़ता है यदि आप स्कूल जाते हैं, *कहाँ* या *क्या*? मैंने उस सुबह एक भली अश्वेत महिला को देखा जब वे... वे शेवरेवपोर्ट में विद्रोह कर रहे थे, और ये एक बुढा अश्वेत सेवक नागरिक सेना (मिलिशिया) को बार–बार बता रहा था, उसने कहा, "मुझे उनसे बात करने दो।" और सो वह एक बुजुर्ग धार्मिक मनुष्य था, और वह वहां पर खड़ा हो गया, और उसने कहा, "मैं कभी भी अपने रंग से शर्मिंदा नहीं हुआ हूं।" उसने कहा, "मेरे बनानेवाले ने मुझे बनाया है, जो मैं हूं, और मैं इससे कभी शर्मिंदा नहीं हूं, लेकिन आज सुबह तक।" लेकिन कहा, "जब मैं आपको देखता हूं, मेरे लोग, इस तरह से बर्ताव करते हैं," तो कहा, "तब मुझे अश्वेत मनुष्य होने से शर्म आती है।" नागरिक सेना (मिलिशिया) ने उसे बुलाकर, उसकी तेज आवाज़ को दबा दिया।

14 सो कोई तो भली, शिक्षित, सभ्य दिखने वाली, अश्वेत महिला खडी हो गई, एक बुद्धिमता से, ओह, सर्वोच्च। महिला ने कहा, "पहली बात, मैं नहीं चाहती कि मेरे बच्चों को एक श्वेत महिला के द्वारा पढ़ाया जाए।"

कहा, "क्यों?"

15 कहा, "क्योंकि वो मेरे बच्चों को दिलचस्पी नहीं लेगी जितनी हमारी... एक अश्वेत शिक्षका दिलचस्पी लेगी।" और कहा, "यहां पर हमारे स्कूलों को

देखें। आप किस विषय में चिल्ला रहे हैं? " कहा, "हमारे स्कूलों में स्विमिंग पूल और सबकुछ है, और वहां पर उनके पास नहीं है।" कहा, "अब, आप लोग किस विषय में चिल्ला रहे हैं? " और देखो, उन्होंने उस महिला की तेज आवाज़ को दबा दिया।

16 ये गलत बात से प्रेरित है, आप देखे, वे, वे लोग। और यही वो कारण है कि मैं यह कहता हूं कि, इसके विषय में कोई भी भविष्यवाणी नहीं है। इस पर मेरे पास प्रभु की ओर से कुछ भी नहीं है। और अब आप निश्चित हो जाये, यदि प्रभु से मैं ऐसा कुछ भी कहता हूं, आपको बताने के लिए, यह हमेशा जो... यह मैं अब बोल रहा होता हूं। लेकिन जब वो बोलता है, तो मैं कहता हूं, "यह मैं नहीं हूं, यह यहोवा यों कहता है, वाला वचन है।" और जब तक वह मुझे नहीं बताता, तब तक मैं इसे नहीं कह सकता हूँ। मैं अपने विचार से मार्टिन लूथर किंग के विषय में कुल मिलाकर गलत हो सकता हूं। मैं नहीं जानता, मैं नहीं कह सकता हूँ। यह तो बस मेरी राय है। कुछ भी जो परेशानी ऊपर आती है, यही है वो जो अंतिम दिनों में होना चाहिये। और यह सब कुछ शैतान से प्रेरित है, हमारे प्रजातंत्र को तोड़ना और हमारे पास जो कुछ भी है, इस तरह से कुछ भी ऊपर आता है। तो मैं वहां उन लोगों के लिए हूं, आप कभी भी नहीं सोचना कि मैं नहीं हूं। मैं—मैं स्वतंत्रता के लिए और हर चीज के लिए हूं, लेकिन लोग उस स्थिति में अभी नहीं है। लेकिन यह क्या करेगा, मैं सोचता हूं कि यदि कोई इसे नहीं रोकता है तो यह एक और विद्रोह को आरंभ करेगा। देखो, यह कम्युनिस्ट है जो उन लोगों के बीच काम कर रहे हैं।

17 मैं अफ्रीका में था जब उन्होंने उसी काम को किया था। देखा? और मैं जानता हूँ कि कम्युनिस्ट वहां आकर उन अश्वेत लोगों को बताते थे, "ओह, तुम *यह* हैं, *वह* हो, या *इत्यादि* हो। तुम *यह* हो, *वह* हो, या *इत्यादि* हो।" और पहली बात जो आप जानते हैं, कि इसी कारण से वे हजारों लोग मार डाले गये। और वे कहाँ पर पहुँचे? कहीं नहीं, देखो, कहीं नहीं।

18 और मैं—मैं मानव जीवन से प्रेम करता हूँ। आइये परमेश्वर की सेवा करे। हमारा राज्य ऊपर से है; यहाँ इस चीज़ के बारे में कुछ लेना देना नहीं। जब तक हम खाते हैं, पीते हैं, और कर सकते हैं, जो कुछ आप करना चाहते हैं? देखा? तो मैं जानता हूं कि यह क्या होगा। मैं—मैं समझता हूं कि यह बस परेशानी का कारण बनता है।

अब, यहाँ एक और सवाल है।

यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला, जब वो यीशु से मिलता है, देखो, उसने क्यों कहा, "हमें इसी रीति से सब धामिर्कता को पूरा करना उचित है"? इसका क्या मतलब था?

19 तो, मुझे याद है कि डॉ. रॉय डेविस, मेरे एक—एक—एक जिगरी दोस्त हैं, जिन्होंने मुझे एक समय बपतिस्मा दिया है जो मेरा कभी बपतिस्मा हुआ है। और उसने कहा कि यूहन्ना का अर्थ था, मुझे यह याद है, उनके स्कूल में, उसने कहा था, "यूहन्ना जानता था कि उसने कभी बपतिस्मा नहीं लिया था, खुद का, वह... यीशु। यूहन्ना यीशु को उसे बपतिस्मा करने से रुका।" तो, यह, मैं—मैं उस महान डॉक्टर से भिन्न हूं।

20 विवाद करने के लिए नहीं, लेकिन सत्य के कारण मैं इसे कह सकता हूं। नहीं, वहां दो मनुष्य थे, उस घडी के दो अगुवा करने वाले, मसीहा और उसका नबी पानी में मिले थे। अब याद रखना, यूहन्ना पापों की क्षमा के लिए बपतिस्मा नहीं दे रहा था, लेकिन पश्चाताप का बपतिस्मा था। ना ही पापों की क्षमा के लिए, 'क्योंकि बलिदान अभी तक नहीं चढ़ाया नहीं गया था, देखो, वहां कोई बलिदान नहीं था। और बलिदान उसके पास पानी में आता है। अब ध्यान दें। यूहन्ना ने यीशु को देखा, उसने कहा, "मुझे तुझसे बपतिस्मा लेने की आवश्यकता है। और तू मेरे पास क्यों आता है? "

21 यीशु ने कहा, "ऐसा होने दो," जो यह था। "अब तो ऐसा ही होने दे, क्योंकि हमें इसी रीति से सब धामिर्कता को पूरा करना उचित है।" तब यूहन्ना, एक भविष्यद्वक्ता होने के नाते कि जिसके पास प्रभु का वचन आया, जो केवल भविष्यद्वक्ता के पास आता है। यूहन्ना, एक भविष्यद्वक्ता होने के नाते, वो समझ गया कि वो बलिदान था। और नियम के अनुसार, बलिदान को चढाने से पहले धोया जाना था, और यही वो कारण है कि उसने उसे बपतिस्मा दिया। देखा? उसने कहा, "हमें इसी रीति से सब धामिर्कता को पूरा करना उचित है।" बलिदान, जो कि वो था, बलिदान को चढाने से पहले नहलाकर धोया जाना अवश्य है। और यीशु बलिदान था; और यूहन्ना इसे जानता था, और वो जानता था कि उसे चढाने से पहले धोया जाना अवश्य है। और फिर तुरंत बाद, उसे लोगो के लिए परीक्षा और बलिदान के लिए चढ़ाया गया था जो सारे मानव जीवन के लिए था। प्रभु आपको आशीष दे।

22 अब हमारे पास एक छोटा सा संदेश होगा, और भरोसा करता हूँ कि प्रभु हमें उसकी आशीष को हमारे लिए प्रदान करेगा। अब, हो सकता है, यदि मैं वापस आकर... मैं अगले हफ्ते मैं बच्चो को लेकर पहाड़ियों में छोटी सी छुट्टी पर जा रहा हूं। और फिर यदि मैं—मैं समय पर वापस आ जाता हूं, तो हम अगले रविवार की सुबह बोलना चाहते हैं, यदि ये यहाँ परमेश्वर और पास्टर की स्वीकृति है तो। हम इसे आने वाले हफ्ते में आपको पहले बता देंगे, जो शहर से बाहर रहते है, आपको पत्र के जरिये से बता देंगे। मैं बिल्कुल इसी विषय पर बात करना चाहता हूं कि हम उन चीजों पर विश्वास क्यों करते हैं, जिन्हें हम मसीह के बारे में विश्वास करते हैं, ऐसा क्यों होना चाहिये और ये कोई दूसरा तरीका नहीं हो सकता है। देखा? और इसे वचनों के द्वारा साबित करना है। अब, यदि परमेश्वर की इच्छा हैं। यदि मैं नहीं करता हूँ, तो मैं आपको इस ठंड में या अगले गर्मियों में एक बार मिलने की कोशिश करूंगा, जब हम वापस आ जाये, परमेश्वर देर करता है तो। हम अब वापस घर जा रहे हैं एरिजोना की ओर, इसलिए कि हम बच्चों को स्कूल में भेज सकते हैं।

23 अब, आज सुबह बीमारों के लिए प्रार्थना से बस पहले, हम कुछ परमेश्वर के वचन को पढ़ने जा रहे हैं। जो, हम जानते हैं कि यह असंभव है इस वचन के बिना कुछ भी नहीं किया जा सकता है। और केवल वचन ही इन आशीषो को उत्पन्न कर सकता हैं जिसे हम बीमारो और जरुरतमंदों के लिए मांग रहे हैं। और मैं पहले कुछ वचनों को पढ़ना चाहता हूं, पहला पतरस, पांचवे अध्याय से, पहले पद से आरंभ करते हुए। और उसके बाद इब्रानियों की किताब से, मैं इब्रानियों 2:2–4 पढ़ना चाहता हूं।

> *तुम में जो प्राचीन हैं, मैं उन की नाईं प्राचीन और मसीह के दुखों का गवाह और प्रगट होने वाली महिमा में सहभागी होकर उन्हें यह समझाता हूं।*
>
> *कि परमेश्वर के उस झुंड की, जो तुम्हारे बीच में हैं रखवाली करो; और यह दबाव से नहीं, परन्तु परमेश्वर की इच्छा के अनुसार आनन्द से, और नीच–कमाई के लिये नहीं, पर मन लगा कर:*
>
> *और जो लोग तुम्हें सौंपे गए हैं, उन पर अधिकार न जताओ, वरन झुंड के लिये आदर्श बनो।*

और जब प्रधान रखवाला प्रगट होगा, तो तुम्हें महिमा का मुकुट दिया जाएगा, जो मुरझाने का नहीं।

हे नवयुवकों, तुम भी प्राचीनों के आधीन रहो, वरन तुम सब के सब एक दूसरे की सेवा के लिये दीनता से कमर बान्धे रहो, क्योंकि परमेश्वर अभिमानियों का साम्हना करता है, परन्तु दीनों पर अनुग्रह करता है।

इसलिये परमेश्वर के बलवन्त हाथ के नीचे दीनता से रहो, जिस से वह तुम्हें उचित समय पर बढ़ाए।

और अपनी सारी चिन्ता उसी पर डाल दो, क्योंकि उस को तुम्हारा ध्यान है।

24 और इब्रानियों में, दूसरे अध्याय से हम इन वचनों को पढ़ते हैं। अब मैं एक विषय को देने के लिए निकाल रहा हूं, "अपनी चिंता को छोड़ दो।" मैं... मेरा विषय है: *वो चिंता करता है। क्या आप चिंता करते हो?* अब इस भाग को पढ़ना चाहता हूं, जब आप इब्रानियों 2 को निकाल रहे हैं, ताकि आप इन वचनों का वास्तविक अर्थ देख सकें, कि वे क्या हैं, इस विषय का क्या अर्थ है।

इस कारण चाहिये, कि हम उन बातों पर जो हम ने सुनी हैं और भी मन लगाएं, ऐसा न हो कि बहक कर उन से दूर चले जाएं।

क्योंकि जो वचन स्वर्गदूतों के द्वारा कहा गया था जब वह स्थिर रहा और हर एक अपराध और आज्ञा न मानने का ठीक ठीक बदला मिला;

तो हम लोग ऐसे बड़े उद्धार से निश्चिन्त रह कर क्योंकर बच सकते हैं? जिस की चर्चा पहिले पहिल प्रभु के द्वारा हुई, और सुनने वालों के द्वारा हमें निश्चय हुआ;

और साथ ही परमेश्वर भी... अपनी इच्छा के अनुसार चिन्हों, और अद्भुत कामों, और... नाना प्रकार के सामर्थ के कामों, और पवित्र आत्मा के वरदानों के बांटने के द्वारा इस की गवाही देता रहा?

25 मैं इस विषय का उपयोग करना चाहता हूं, "वह चिंता रखता है।" और, "क्या आप करते है?" जब वो यहाँ धरती पर था, तो उसने लोगों

का चिंता की। मेरे मन में ये विचार उठने लगा, प्रचार करने या बिमारो के लिए प्रार्थना करने से ठीक पहले, यह नहीं जानते हुए कि प्रार्थना की पंक्ति किस प्रकार की होगी, जो हमारे पास होगी।

26 मैं, मैं... पहले, और इस दृष्टिकोण के लिए, सभा के लोगो को विश्वास से अभिषेकित होना अवश्य है। आप—आप, यदि आपके पास विश्वास नहीं है, तो वहां प्रार्थना करने के लिए आने की आवश्यकता भी नहीं है, क्योंकि ये आपके विश्वास को और मेरे विश्वास को एक साथ लेगा; मेरा विश्वास उस पर भरोसा करने के लिए, आपका विश्वास उस पर भरोसा करने के लिए। इसलिए हम इसे ना भूले जब मैं आगे जाता हूं। हमारे पास कुछ तो स्पष्ट रूप से होना है, प्रमाण के साथ। हमें कुछ स्पष्ट रूप से प्राप्त करना होगा, मेरा मतलब है, कि हम जो भी करने की कोशिश कर रहे हैं उस पर हम अपने विश्वास की बुनियाद को रख सकते हैं। क्योंकि यदि कोई भी मनुष्य पर्याप्त विश्वास के बिना कुछ भी करने के लिए चाहता है, तो वह विफलता के लिए बाध्य होगा। लेकिन यदि वो पर्याप्त विश्वास के साथ पहुँच सकता है, तो वह सफल होने के लिए बाध्य है यदि वह परमेश्वर की इच्छा के अनुसार है और इसे करने के लिए उद्देश्य है।

27 अब, मैं उसकी ओर ध्यान देने करने के बारे में सोच रहा था। कल शाम को, लेकिन, अनूठे तरह से, मैं पवित्र आत्मा की अगुवाई में था। जब मैं कुछ लोगो के लिए रुका हुआ था कि वे आकर भाई वुड की सहायता करे ताकि एक—एक खीचने वाली गाड़ी को इसमें डाले जिसे उसने अपने ट्रक पीछे के लिए बनाया था। मैं नहीं जान पाया था कि मैं अपने अच्छे मित्र भाई इवांस को क्यों खोजने की कोशिश कर रहा था, और मैं निकल पड़ा, महामार्ग की ओर जाना आरंभ किया। मेरी पत्नी और परिवार जो यहां पीछे बैठे हैं, वे जानते है कि यह सच है। और परन्तु, अनूठे तरह से, मैं पीछे मुड गया और, एक स्थान पर वापस चला गया, जो एक होटल था।

28 और, ओह, यह मेरे हदय को कितना रोमांचित कर देता है यह देखकर कि मेरे बहुत सारे मित्र वहां लगभग दो मिनट में वहां इकट्ठा हो गए, इतना तक कि इससे रास्ता जाम हो गया, कारें अब और वहां से नहीं गुजर सकतीं, बस सच्चे मित्र, जो सैकड़ों मील की दूरी से गाड़ी चलाकर आये थे, जॉर्जिया और टेनेंसी और अलबामा से, और हर कही से, बस एक सभा को सुनने के—के लिए। तब मेरे मन में एक बात आ गयी, "तो मुझे उन

लोगों से क्या प्रचार करना चाहिये, यह जानते हुए कि न्याय के दिन मैं जो उन्हें जो कुछ बताता हूं, उसके लिए मुझे जवाब देना होगा? " और मैं भी इस महान जीवन का प्रेमी हूं जो आने वाला है, और मैं—मैं वहां होना चाहता हूं।

29 और फिर अनूठे तरीके से मैं एक ऐसे स्थान पर चला गया जहां मैंने एक अजीब से मोड़ को लिया। वहां मुडने के बजाय, मैं एक मोड़ लेने के लिए चला गया। वहां पर कुछ प्यारे से जोड़ों पर प्रकाश चमका, दो भली युवा महिलाये, जिन्हें मैंने दो भले युवा सेवको से विवाह करवाया था। और शैतान, जब उसने सेवक को देखा, उनमें से एक ने अपनी सेवकाई को स्थापित किया है और उसने यहाँ इस वेदी पर एक जीवन को साथी बनाया। वे अपने हनीमून पर खुशी–ख़ुशी से गए थे, और—और शत्रु ने इस जवान पुरुष को पकड़ लिया। और मैं इसे व्यक्त करने के लिए कह रहा हूं, जो मैं कह रहा हूं, "क्या वह चिंता करता है? " कुछ भी हो, विश्वास के साथ यह "नहीं" को नही लेगा, वे मुड़कर और वापस यहाँ लौट आए, जानते हुए वे वहां बहुत ही दूर थे (पूर्व दिशा में) यहीं कही पर वे उनके हनीमून पर थे, वे वापस लौट आये और बैठे हुए इंतजार कर रहे थे। और मैं चलकर गया, वो भला सुन्दर नौजवान पुरुष; उसकी पत्नी बाहर बैठकर रो रही थी, वो, और उनके छोटे साथी वहां पर बैठे हैं। और एक और व्यक्ति और दूसरा वो दूसरा भाई वहां दौड़ कर आ रहे थे, जो इस नौजवान पुरुष का मित्र था, कहने लगा, "ओह, भाई ब्रन्हम, *ऐसा* और *ऐसा* घटित हुआ है।"

30 वहां पर गया और वहां देखा इस सुन्दर नौजवान पुरुष को वहां बैठा हुआ देखा, बस वो अपने जीवन के शिखर पर था, नौजवान पुरुषों का एक अगुवा, वहां बैठा हुआ, और शैतान ने उसे बांध दिया था। उसने कुछ भी ध्यान नहीं दिया, लेकिन मैंने अपने (बाएं) हाथ से उसके (दाएं), को हिलाया, यह देखने के लिए कि क्या वो किसी बीमारी से पीड़ित था। लेकिन वहां कंपन का कोई चिन्ह नहीं था। कमरे से सीधे बाहर निकलकर प्रार्थना और उपवास के लिए चला गया, और प्रभु पर रुका हुआ था, पवित्र आत्मा का अभिषेक वहां पर था, और यही कारण है कि इसने हमें नेतृत्व किया, देखो। और तब उसके ऊपर अंधकार की छाया दिख रही थी। मैंने कभी भी नहीं बताया कि मैं क्या कर रहा था। लेकिन कुछ ही क्षणों के समय के अन्दर ही यह सब चला गया था, उसके हाथों का ठंडापन चला गया था, कुछ ही मिनटों में अपने आप को ऐसा देखकर, वह चिल्ला रहा था और

परमेश्वर की स्तुति कर रहा था। और वे ठीक यहां आज सुबह सभा में लोगो के बीच बैठे हुए हैं। देखो, कैसे शैतान उस नौजवान पुरुष को परेशान करने की कोशिश कर रहा था, उसे कुछ जटिल बातों को बता रहा था ताकि उसे वापस विकसित करे, जिसे पवित्र आत्मा जानता था, और मैंने इसे प्रभु के दर्शन के द्वारा देखा। लेकिन परमेश्वर ने उस मनुष्य की चिंता की। परमेश्वर ने उस जवान लड़के की चिंता की।

31 बस कुछ ही समय पहले वो एक—एक महिला आ रही थी, मैं उसे यहां गलियारे में बैठा हुआ देखता हूं, बिना... उसे बस किसी तरह एक सीट मिल गई, और वो वहां बैठ गयी। उसने कहा, "नौ वर्ष से, भाई ब्रन्हम, मैंने आपको पाने की कोशिश की है।" और उसने कहा, "मैं बहुत ही व्याकुल हूँ! मैं यहां देर से आयी थी, और प्रार्थना पंक्ति में होने के लिए एक प्रार्थना कार्ड भी नहीं मिला।"

32 बिली, ज़ाहिर है, उसे यह देखने का आदेश है कि मैं चिंता नहीं करता हूं, वो मुझे अंदर और बाहर ले जाता है। बिली के लिए बुरा अनुभूति न करें, उसे यह ट्रस्टी बोर्ड के द्वारा ऐसा करने का आदेश दिया गया है। और यदि वह नहीं करता, तो मैं प्रार्थना पंक्ति तक नहीं पहुंच सकता हूं, यहां नहीं आ सकता हूं। आप इसे समझते हैं। देखें, जो भी हम कर रहे हैं, उसके लिए एक व्यवस्था होनी है। हमारे—हमारे पास ये होना चाहिये, देखो। लेकिन वह कहता है, "आओ, पिताजी, जल्दी करो," ऐसे।

33 वो महिला वापस चली गई। और उसने कहा, "भाई ब्रन्हम, मुझे आपसे कुछ बात करना है।" वो वहां खडी थी, इस भली दिखने वाली युवा महिला के लिए एक दर्शन सामने आ गया, और देखा कि उसके ह्रदय में बोझ था। और वह एक जीवित रहने के लिए काम को करने की कोशिश कर रही थी। और एक—एक महान बात पहले घटित हुई, बहुत पहले उस महिला के माता–पिता के समय में, जिसने इस महान बात को उसके लिए होने का कारण बना दिया, और प्रभु यीशु ने इसे प्रगट किया और दिखाया कि यह क्या था। और वहां कुछ पल के समय में, इसे महिला से ले लिया था। वह आनंद करती हुई चली गई। और अब वो हमारे साथ सभा के बीच बैठी हुई है, आनंद के आंसुओं के साथ, जब वो उसके आंसुओ को पोंछ रही है, यह जानते हुए कि उस चीज़ की सच्चाई ज्ञात हो गई है। और वह, वह बेचारी छोटी महिला (नसों की बीमारी) न्यूरोटिक से पीड़ित, जो बहुत ही

परेशान थी, वो नहीं जानती थी कि वह खुद से क्या कर सकती है, और सोच रही है कि वह जा चुकी थी, और कोई भी पवित्र आत्मा नहीं था, और यह उसका आखिरी दिन है। और उसने नौ वर्ष तक कोशिश की थी और वह निराशा के अंत पर थी, परमेश्वर ने उस छोटी महिला की चिंता की जिसके लिए किसी एक ने चिंता नहीं की। देखा? क्या ही समय है! वो चिंता करता है।

34 जब वह यहाँ धरती पर था, जैसा कि मैंने कहा, उसने लोगों की बहुत अधिक चिंता की इतना तक कि उसने उसके बीमारों को चंगा किया, उनके ह्रदय को सांत्वना दी, उन्हें एक स्थान के बारे में बताया जहां वह जाकर और उनके लिए तैयार करेगा, और फिर से वापस आकर उन्हें अपने निमित लेकर जायेगा। उसने उनकी चिंता की। और ध्यान दें, इतना तक, वह जानता था कि उसे जाना ही है, हमारे पास इस महान चीज को लाने के लिए, तो उसने कहा, "मैं तुम्हें अनाथ न छोड़ूंगा, लेकिन मैं पवित्र आत्मा को भेजूंगा, और वह मेरी चिता को निरंतर तुम्हारे लिए करेगा।" जब तक वह वापस नहीं आ जाता। यीशु की तरह कोई भी चिंता नहीं करता है, यह जानते हुए कि एक महायाजक के रूप में उसका शरीर, वह एक बिचवाई काम में है, जिसे वो अब कर रहा है, एक बिचवाई के लिए उसका शरीर हर समय परमेश्वर की उपस्थिति में होना ही है, कि परमेश्वर पापियों के पाप को नहीं देख सकता है; वह केवल अपने ही पुत्र का लहू देखता है। और यह जानते हुए, उसने पवित्र आत्मा को वापस अपने लोगों को सांत्वना देने के लिए भेजा। क्या वह चिंता करता है? निश्चय ही, वह चिंता करता है। अब, उसे लोगों के लिए, निरंतर चिंता करना था, उसके लोगो की जो यहाँ धरती पर थे, उसी तरह से जैसे उसने चिंता की थी जब वो यहां था। क्योंकि उसने संत यूहन्ना, 15 वें अध्याय में कहा था, यदि आप चाहते हैं... मैंने यहाँ इन वचनों के साथ लिख कर रखा हैं, जहां मैं इसका जिक्र कर रहा हूं, संत यूहन्ना 15:26 और 27।

35 मैं देखता हूं कि आप में से बहुत से लोग वचनों को लिख रहे है। इसलिए मैं इसका हवाला दे सकता हूँ, यदि आप इस वचन को नहीं जानते हैं, बहुत सी बार ऐसा होता है। मैं वचन को लिख कर रखता हूं, तब मुझे पता होता है कि मैं यहां से क्या बोल रहा हूं, क्योंकि यह हमेशा ही प्रभु के वचन में होता है। देखा?

36 उसने कहा, जब पवित्र आत्मा आता है, जिसे पिता उसके नाम से भेजता है, वह उसकी गवाही देगा। दूसरे शब्दों में, वो उन्ही कामो को करेगा जो उसने किया था। पवित्र आत्मा एक भवन में से होते हुए काम को करता है, जिसे उसने पवित्र किया था, उन्ही कामो को करेगा जो उसने किया था। अब उसे हमारे लिए क्या करना चाहिये! तब हम जान जाते हैं कि आज ठीक हमारे बीच में, हमारे पास पवित्र आत्मा के रूप में वही सांत्वना देने वाला प्रभु यीशु है, एक दुसरे कार्य स्थल से, परमेश्वर स्वयं काम कर रहा है।

37 वह इस्राएल के लिए एक सहायक था, जब वे ऊपर देखते और आग के स्तंभ देख सकते थे, और यहाँ भविष्यवक्ता के उन शब्दों को बोलते हुए सुनते थे जो सत्य थे, और परमेश्वर ने इसे प्रमाणित किया था। वह उनका सहायक था।

38 जब वह धरती पर मनुष्य के रूप में था, तब वो एक सहायक था, परमेश्वर देहधारी हुआ। परमेश्वर स्वयं का प्रतिबिंब कर रहा हैं, और स्वयं को एक—एक मनुष्य के जरिये व्यक्त कर रहा था, मसीह यीशु, जिसने प्रतिज्ञा की थी, "जो काम मैं करता हूं, तुम भी करोगे। और मैं पिता के पास जाता हूं, और वापस पवित्र आत्मा को भेजने जा रहा हूं, जो कि मैं आत्मा के रूप में होऊंगा। और मैं तुम्हारे साथ रहूंगा, और तुम्हारे अन्दर रहूंगा। और वही काम जो मैंने यहां किया है, पवित्र आत्मा फिर से मेरे नाम में करेगा, जब वह आता है।" देखा? यही कारण है कि उसने कहा, "इसके विरोध में बोलना" प्रायश्चिता पहले से की जाने के बाद, अब यह न क्षमा करने वाला पाप है, "पवित्र आत्मा की निंदा करना।"

39 और वो इसे उसी तरह से करेगा, ताकि हम जान जाये चाहे यह किसी सांसारिक दृष्टिकोण से सहायक था, चाहे हम जानते हों कि ये सहायक था कि कोई बुजुर्ग व्यक्ति जो हम पर अपनी बाहों को डाल सकता हो और हमें थोड़ा गले लगा सकता हो, और हमें अच्छा महसूस करने को लगा सकता हो, या—या एक संप्रदाय के कुछ धार्मिक सिद्धांत के तंत्र जो कहते है, "अब तुम हमसे संबंधित हो, और ये हमारे पास है; और उनमें के बाकी और लोगो से संबंध मत रखना, क्योंकि उनके पास ये नहीं हैं।"

40 उसने इसे निश्चित ही सीधे–सीधे किया, देखो, "वो मेरे नाम में बोलेगा। जो काम मैं करता हूं, वह भी करेगा, जब वो तुम पर होगा।" देखो,

वह उसी तरह से सहायक देगा, हमारे सारे पापों को क्षमा करने के द्वारा, हमारी सारी बीमारियों को चंगा करके, और हमसे एक राज्य के सहायक के लिए बात करते हुए जो आने वाला है। देखो, खुद को हमारे बीच साबित कर रहा है, जैसे परमेश्वर ने खुद को यीशु मसीह के द्वारा हमारे बीच साबित किया था। और दूसरा तीमुथियुस में—में... पहला तीमुथियुस 3:16, यह इस तरह लिखा गया है, परमेश्वर के बारे में जानना, "और इस में सन्देह नहीं, कि भक्ति का भेद गम्भीर है; अर्थात वह जो शरीर में प्रगट हुआ।" हमने परमेश्वर को देह में देखा। जो परमेश्वर का सहायक था, यह जानकर कि वह इतना नजदीक आ गया था (उसने हमारी चिंता की) इतना तक कि वह हम में से एक बन गया। परमेश्वर देह में प्रकट हुआ। ना ही एक दूसरा व्यक्ति, बल्कि खुद परमेश्वर!

41 और अब इसे एक और कदम नजदीक बनाने के लिए, वह पवित्र आत्मा को हमारे सहायक होने की चिंता करने के लिए भेजता है, और वह हम *में* बना रहता है। ओह, वह चिंता करता है!

42 अब हमें यहां वचन के दूसरे भाग पर जाना होगा, या इसे आधार देने के लिए एक और विचार को लेना होगा। इससे पहले मैं जाऊं, मैं यह कह सकता हूं: हर किसी के पास यह सहायक नहीं है। उनके, उनके पास नहीं है, उनके पास यह नहीं है। सो उनके पास यह नहीं होने जो कारण है, क्योंकि वे इसे स्वीकार नहीं करते हैं। ये उनके लिए है, लेकिन वे इसे स्वीकार नहीं करते हैं। अब, मैं आशा करता हूं कि आप आध्यात्मिक रूप से इतनी समझ रखते है कि मैं क्या कह रहा हूँ। देखा? मैं उन झुण्ड के लोगों से बोल रहा हूं जिनके लिए कुछ मिनटों में प्रार्थना की जानी है। और हमारे पास पवित्र आत्मा में यह सहायक है, जिसे सहायक होने के लिए भेजा गया है, लेकिन सभी लोग इसे प्राप्त नहीं करेंगे। वे इसमें विश्वास नहीं करते हैं। समझे? वे, ऐसा करने के लिए, फिर वे उनके सहायक के लिए कुछ अन्य साधनों को जुटाते है, कुछ अन्य जरियों से अपना सहायक होने के लिए एकत्र करते हैं। यदि वे परमेश्वर के ठहराये हुए सहायक को स्वीकार नहीं करते हैं, तो उन्हें कोई और सहायक को लेना है, देखा, क्योंकि आप इसके बिना नहीं जी सकते है, कोई तो जीने के लिए होना है।

43 और मैं आशा करता हूं कि आप में से प्रत्येक को वो मिल जाये, विशेष रूप से आप लोग, जिन लोगों के लिए प्रार्थना की जानी है, जो आज सुबह

बहुत तकलीफ में है, शायद ऐसी परेशानियों के साथ है, जिसे डॉक्टर छु भी नहीं सकते हैं।

44 हम विश्वास करते हैं कि डॉक्टर, लोगों की सहायता करते हैं। मेरा मानना है कि परमेश्वर दवा के द्वारा चंगा करता है। परमेश्वर शल्यचिकित्सा के द्वारा चंगा करता है। परमेश्वर समझने के द्वारा चंगा करता है। परमेश्वर प्रेम के द्वारा चंगा करता है। बस जरा सा प्रेम एक लंबा रास्ता तय करता है। किसी को सारी परेशानी होने दें, और बस आप उन्हें दिखाये कि आप उनकी चिंता करते हैं। समझे? परमेश्वर प्रेम के द्वारा चंगा करता है। परमेश्वर प्रार्थना के द्वारा चंगा करता है। परमेश्वर अद्भुत कार्यो के द्वारा चंगा करता है। परमेश्वर अपने वचन के द्वारा चंगा करता है। परमेश्वर चंगा करता है! जो भी स्रोत है, परमेश्वर इसके द्वारा चंगा करता है। यह परमेश्वर है जो चंगा करता है, क्योंकि उसने कहा, "मैं प्रभु हूं, जो तेरे सारे रोगों को चंगा करता हूं।" तो यह सब एक साथ काम करना चाहिये, और मनुष्य जो भिन्न–भिन्न सेवकाई में है इसके लिए एक साथ काम करना चाहिये। देखा? अब, लेकिन वे ऐसा नहीं करते हैं, क्योंकि वे कभी–कभी वे परमेश्वर के वचन की कुछ बातों पर खड़े होने के लिए मना कर देते है, क्योंकि उनके कुछ संप्रदायों ने उन्हें ऐसा करने की अनुमति नहीं दी है। लेकिन यह सत्य को नहीं रोकता है, यह उसी तरह से है, परमेश्वर ठीक उसी तरह से चंगा करता रहता है।

45 इसलिए वे किसी अन्य संसाधन से सहायक को खीचने की कोशिश करते हैं। आइये पहले प्राण के लिए बोले।

46 हम पाते हैं कि बहुत से लोग पीने के द्वारा सहायक को पाने की कोशिश करते हैं। आप जानते हैं, हमारे पास कुछ ऐसी कहावते है जो आज हमारे बीच बहुत अच्छी तरह से जानी जाती है, कि कई सेवक लोग पुलपीट पर जाने से कुछ समय पहले पीते हैं, नशे के लिए एक—एक—एक अच्छा शराब का जाम लेते हैं। ऐसा मंच पर सेवको को देखकर जाना जाता रहा है, यहाँ तक वे शराब के प्रभाव में डगमगाने भी लगते है। और ऐसा—ऐसा नहीं होना चाहिये। यह नहीं होना चाहिये। ऐसा इसलिए है क्योंकि कई बार हम उस व्यक्ति को दोष दे सकते हैं जबकि हमें ऐसा नहीं करना चाहिये, हमें पहले यह देखना चाहिये कि समस्या क्या है। उनमें से कई जन शराब पीने से परिवर्तित हो गए थे। और हम देखते हैं, यदि वे उस परिस्थिति

में हैं, तो यह एक अपमानजनक और निंदनीय है। लेकिन ये झूठ बोलना, चोरी करना या महिलाओं के प्रति व्यभिचार करना, या कुछ अन्य चीज की तुलना में अधिक निंदनीय नहीं होगा। देखा? और हो सकता है कि एक मनुष्य उच्च उत्साहित में जन्मा हो, और वह इन आधुनिक अधनंगे वस्त्रो को डाले हुए देखता है, और वो—वो लगातार परेशानी में रहता है। देखा? वो, वो मनुष्य उसी तरह से जन्मा है। अब, उसे क्या करना चाहिये, वो सेवक जो शराब पीता है।

47 या—या वो महिला जो धूम्रपान करती है, या, जो अनैतिक रूप से वस्त्र को पहनती है, वो पूरी तरह से खुद को सहायक देने की कोशिश करती है, जिससे वह चाहती है कि इस कारण पुरुष उसकी ओर देखे। इसके आलावा कोई और कारण नहीं है। वह आंशिक रूप से पागल है। देखा? कोई भी समझदार महिला जानती होगी कि पुरुष के सामने खुद को निवस्त्र नहीं करना चाहिये, जिसके पास उसका सही दिमाग है। देखा? इसके लिए कोई कारण है ही नहीं। और वो महिला, लेकिन वह करने की कोशिश कर रही है, ये युवा लड़कियां आज सड़क पर बाहर निकलती हैं, वे वास्तव में... तो, आप हाव भाव के लिए से बहाना करते है। याद रखें, यह टेप न केवल यहाँ इन लोगों के लिए है, यह संसार भर में जाता है। देखा?

48 और एक—एक स्त्री जो उसके खुद वस्त्रो को निकालती है, क्योंकि वह जानती है कि ये गर्मी है। वहां बाहर सूरज की गर्मी में निकलती है, नग्न, और फिर कुछ ही कपड़े पहन कर बाहर निकलती है, और जो सबसे ठंडे होते है? वे इंडियन लोग वहां पपेगोस और नवजोस में; विशेष रूप से पपेगोस में, और वहां रोक होने के कारण, वे महिलाएं उनके चारों ओर बड़े सूत के कंबल को लपेटे बाहर निकलती हैं, और ठंडा रखने के लिए सूरज की गर्मी में बाहर बैठती हैं। क्यों? उनका पसीना बहने लगता हैं, और जो हवा उड़ती है वो वातानुकूल को तैयार करती है, आप देखे। और इन महिलाओं के पास कोई और कारण नहीं है लेकिन बस... वे यह नहीं जानती हैं, उन्हें इसका एहसास नहीं है। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि वे करती हैं। उनमें से बहुत सी भली महिलाये हैं, और मैं यह असभ्य होने के लिए नहीं कह रहा हूं। मैं इसे उन्हें जगाने की—की कोशिश करने के—के लिए कह रहा हूं। देखा?

49 यह तो केवल शैतान ही है, देखो। आप दूसरे यौन वर्ग को अनुभूति करवाती हैं, पुरुष वर्ग इस तरह से देखे, उन पर इतना प्रभाव हो, यहाँ तक कि वे अपने टायर चूं चूं आवाज़ न करने लगे और भेड़ियो की सीटी न बजाने लगे। और—और—और वे इसके लिए क्या करती हैं? वे महिलाये ऐसा करती है जिससे ये पुरुष ऐसा करे। तुम दिन के गर्मी में और दोपहर के चार बजे क्यों बाहर निकलती हो, घास को काटने के लिए, जब लोग अपने काम से वापस आते हैं और इसी तरह से इत्यादि चीजें? यह दिखाता है कि ये पागलपन की आत्मा है। और मैं जानता हूं कि हो सकता है उनमें से कई लोगों का बुद्धि का स्तर मेरी तुलना में कुछ लाख मील अधिक हो, लेकिन मैं आपके बुद्धि के स्तर को वचन के साथ परीक्षण करता हूं और देखुंगा कि यह कहां तक आता है। देखा? यह आधुनिक बुद्धिमानी का स्तर है, लेकिन वही प्रमाण और जीवन के फल साबित करते हैं। तो वे इस बात के साथ सहायक को ढूंढने की कोशिश करते है।

50 उनमें से बहुत से कहते हैं, "देखो, मैं ऐसा नहीं करता हूं।" लेकिन आपके ऐसे कपडे पहनने से अपने आप में ऐसे लुभाते है, इतना तक कि वो और अधिक आधुनिक बनने की कोशिश न कर ले, कलीसिया में पास बैठी हुई इस महिला की तुलना में अगली सुबह, एक और अच्छी टोपी को पहनती है या कुछ और बेहतर कपड़े, क्योंकि आप इसे करने के लिए खर्चा कर सकते हैं। देखा? देखो, पाप नीचे तक चला गया है। और वे ऐसा करके सहायक को ढूंढने की कोशिश करते हैं। और उनके पास...

51 ये एक ऐसी चीज बन गई है इतना तक इसने पूरी तरह से समुचे राष्ट्र को प्रभावित किया है, न केवल राष्ट्र को बल्कि समुचे दुनिया को प्रभावित किया है। बहुत सी चीजों को मैं यहां बोल सकता हूं, लेकिन समय बचाने के लिए, चंगाई की सभा होने वाली है, मैं—मैं इस पर बहुत विस्तार पूर्वक बोल सकता हूं, लेकिन मैं नहीं करूंगा। मुझे पक्का है कि आप समझेंगे कि मेरा क्या मतलब है। इसने, राजनीतिक संसार, राजनीतिक जीवन, सामाजिक जीवन, राष्ट्र का नैतिक जीवन, संसार भर के लोगों को प्रभावित किया है। ये एक जगह तक पहुंच गया है इतना तक कि एक व्यक्ति राजनेता बनना चाहता है सिर्फ नाम का राजनेता होने के लिए। बहुत सारा पैसा मिलता है, वोट को खींच सकता है और एसा करने के लिए (वोट की) मशीनों को किराए पर लेता है, और—और इत्यादि, सिर्फ नाम के लिए, और लाखों और लाखों डॉलर के मालिक बने, देखें, बस कुछ नाम के बडे राजनेता

होने पर। उस पर इतना कहना काफी है, आप जानते हैं कि मैं किस बारे में बात कर रहा हूं।

52 और सामाजिक जीवन! लोग इस पागलपन के सामाजिक जीवन में एक साथ होने की कोशिश करते हैं। मुझे मत बताना कि संसार पागल नहीं है, और जिस तरह से करने के लिए ये कर रहा है। यह निश्चय ही पागल है। निश्चित रूप से। यह एक पागलपन का संसार है। और परमेश्वर के अनुग्रह से ही हम इससे बचेंगे। ध्यान दें, इस सामाजिक जीवन में, लोग एक ऐसे स्थान पर आ चुके हैं, कि वे—वे छोटे–छोटे कुलों–जातियो को सामाजिक बनाते हैं, और वे वहां आते हैं और सोचते हैं, "हम उस अगले झुण्ड से बेहतर हैं।" समझे? और ये, इसे बस तरह से किया गया है। और यह नैतिकताये है, यह लोगों की नैतिकता को ठेस पहुंचाती है, इतना तक कि ईमानदार, मित्रो को, मैं यहाँ तक ये विश्वास भी नहीं करता हूं कि (संसार) इस "नैतिकता" शब्द इस देश के नब्बे प्रतिशत लोगों के बीच पहचाना गया है। वे यहाँ तक जानते भी नहीं कि (संसार) "नैतिकता" शब्द का क्या अर्थ है। यह—यह उनसे से बाहर आ चूका है। और इसने—इसने इसे बहुत ही चालाकी से किया है।

53 शैतान बहुत ही कपटी है, देखिए, और वो इसे इतनी आसानी से करता है, बहुत—बहुत ही कपटी है, बस थोड़ा बहुत जरा सा *यहां* और थोड़ा सा *वहां* करता है, और इसे छोड़ देता है। उसके पास बहुत समय है, इसलिए वह थोड़ा सा *यहाँ* और थोड़ा सा *यहां* काम करता है और, सबसे पहली बात आप जानते हैं, लोग बस धीरे–धीरे इसके अन्दर आ गए हैं। एक महिला के साथ क्या हुआ होगा, जब मैं सोलह वर्ष का लड़का था, यदि वे ऐसे सड़क पर चली जाती जैसे वो आधे वस्त्र के रूप में आज निकलती है? क्यों, वे उसे जेल में ले डाल देते थे। जो भी हो, यदि यह गलत था, तो अब भी ये गलत है। समझे? लेकिन, आप देखे, शैतान ने बस स्कर्ट को और छोटा करना आरंभ कर दिया है, और उन्हें नीचे से कम करता जा रहा है, और—और ऐसा होगा कि कोई तो व्यक्ति नहाने के वस्त्र (मिकीनी या बिकनी) को थोडा और अधिक कम करेगा, या आप जो भी उन चीजो को कहकर बुलाये, एक अंजीर के पत्ते की ओर जायेंगे। आपको याद होगा! यह सही बात है, यह ठीक सीधा पीछे चले जायेंगे। और यही है, ये अब वास्तव में प्रकट रूप से कार्य में है।

54 और अब हम देखते हैं, ये सारी चीजें इसलिए हैं क्योंकि लोग सहायक को ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं। वे कुछ तो ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं... और याद रखें, आपका सहायक आपका धर्म है, और आप उन चीजों को अपना धर्म बनाते हैं। देखा? इसे समझते हुए क्या ही दया आती है कि मृत्यु ठीक आपके सामने है। समझे? जब तक ऐसा घटित नहीं होता है, जब तक ऐसा नहीं दिखाई देता कि वहां राष्ट्र में कोई एक—एक ठोस बुनियाद नहीं बची हो, जिस पर कुछ भी बनाया जाये।

55 अब मैं आपसे कुछ पूछूंगा। आप कुछ भी नहीं विश्वास नहीं कर सकते, मुश्किल से, बाइबल को छोड़कर। हमारे पास अभी भी मसीह है; परमेश्वर का धन्यवाद हो। देखा? आप—आप किसी चीज पर भी विश्वास नहीं कर सकते है। आप चालू करते हैं... उदाहरण के लिए, जब आप अपने टेलीविज़न को चालू करते हैं (आपके पास ऐसा होता है), और जब आप अपने टेलीविज़न को चालू करते हैं और व्यवसायिक विज्ञापनों को देखते हैं, तो, यदि एक व्यक्ति उन एक सौ व्यवसायिक विज्ञापनों के द्वारा जीने की कोशिश करता है, आप तो एक सप्ताह में ही मर जायेंगे, देखो, आप इसे नहीं कर सकते। और बिल्कुल वही चीज कोई कंपनी लेकर आएगी, जैसे कोई एक उत्पादन को और कहती है, "यहां *यह* बात है, और यहां पर उसके पास *यह* एक चीज नहीं है," और वही कंपनी उसी उत्पादन को बेचती है। उसके बाद एक और व्यवसायिक विज्ञापन आ जायेगा, *इसे* इस तरह ले लो, न कि *उसे*, और ये वही कंपनी है। अमेरिकी लोग इस तरह के बातों के लिए फंस जाते हैं, जब तक कि सारी चीज एक सडावट नहीं बन जाती, जब तक कि कोई आशा ही नही रहती। कोई भी नहीं जानता कि क्या विश्वास करना चाहिये। लेकिन मैं थोड़ी देर बाद आपको बताने जा रहा हूं कि क्या विश्वास करना है, यदि आप सहायक को चाहते हैं, यदि परमेश्वर की इच्छा हैं तो।

56 लोग, वे झूठ बोलते हैं, धोखा देते हैं, चोरी करते हैं, इतना तक कि आपको लगभग किसी से पांच डॉलर उधार लेने के लिए भी ऋण पत्र को बनाना पड़ता है। यह एक... आप जानते हैं, बाइबिल यह कहता है कि अंतिम दिनों में, चुने हुए लोगों के बीच के अलावा कही भी प्रेम नहीं होगा। ये सही बात है। वचन उस बारे में बताता है, कि पति, पत्नी के विरोध में होगा, और पत्नी, पति के विरोध में, बच्चे माता–पिता के विरोध में होंगे। केवल परमेश्वर के चुने हुए लोगों में, वहां किसी तरह से प्रेम बचा होगा।

57 कलीसिया को सामाजिक जीवन के अन्दर वही चीज मिलती है। उन्होंने इसे कलीसिया में लेकर आये है, उनका सामाजिक जीवन और उनकी राजनीति और उनकी अन्य चीजों को लाया है, इतना तक कि उनके पास कलीसिया में इतनी गड़बड़ है कि ये नहीं जानते कि क्या करना चाहिये। उन्होंने राजनीति को कलीसिया के अन्दर लाया है। उन्होंने सामाजिक जीवन को भी लाया है, कलीसिया में उनका सामाजिक जीवन, उनकी सामाजिक गतिविधियों को, बिंगो या बंको (नृत्य), या जो भी वे इसे कहकर बुलाते है, और ये भोज को करना और नृत्य, और इत्यादि, प्रभु के भवन में लेकर आते है। क्यों, यह एक दयनीय बात है।

वे कहते हैं, "तो, अब, ऐसा नहीं है, यह हड़प करने पर होता है।"

58 याद रखो, ये भी हड़प करना था जिन व्यवसाय करने वालो को यीशु ने उनके व्यापार के साथ मार भगाया और कहा, "ऐसा लिखा है, 'मेरे पिता के घर को प्रार्थना का घर बनाना,' और तुमने इसे डाकुओ की खोह बना दिया है।" देखा? यह गलत है, मैं परवाह नहीं करता कि यह कहां पर है। जब तक कलीसिया... कलीसिया कोई बड़ी ईमारत नहीं है, यह तो इमारत में लोग हैं। और यदि वे लोग इस में ऐसी सोच को रखते हैं, तो, यह गलत है। और उन्होंने उस वयवसाय को लाया है।

59 अब हम देखते हैं कि कलीसिया भी हमेशा कुछ प्रतिज्ञा को करती हैं, जैसे, टेलीविजन, और इत्यादि, जो उन्हें कभी भी नहीं मिलती है, जो वे प्रतिज्ञा करते हैं। जैसा कि मैं हमेशा कहता हूं, एक पुराना हवाला, "मनुष्य हमेशा ही परमेश्वर की स्तुती करता है जो कुछ परमेश्वर ने किया उस बात के लिए, परमेश्वर की स्तुती करता है, परमेश्वर जो करेगा (आगे की ओर देखते है कि वह क्या करेगा) और उसके बाद वह जो कर रहा है उसे अनदेखा करता है।" देखो, वे—वे—वे चुक जाते हैं। और इसी तरह से कुछ समय के बाद वे इतिहास बन जाते हैं, इतने दूषित बन जाते हैं, देखो, क्योंकि वे अब पहचानने में चुक गए हैं! आप एक बार सहायक मसीह के बारे में बात कर सकते हैं, और कह सकते हैं कि वह आने वाले युग में एक सहायक को देगा, लेकिन वे उनके लिए दिए गए सहायक से इनकार करते है जो अब यहाँ उसके लिए है। देखा? यह उसी आधार पर है जिसे हम देखते हैं। तो, यह एक महान चीज बनती है। अब पता लगाते है कि वे—आकर...

60 ऐसा ही पेंटीकोस्ट कलीसियाओ में भी बन गया है। ये पेंटीकोस्टल क्षेत्रों में बन गया है, कि वे हमेशा ऐसे ही कुछ तो प्रतिज्ञा करते हैं जो उन्हें ये कभी भी नहीं मिलता हैं। ये हमेशा ही होता है कि हर एक व्यक्ति के पास एक अलग ही सनसनी की अनुभूति होती है, और—और यह बना देती है कि यह वचन के अनुसार है या नहीं, और वे ऐसा कुछ करने का प्रतिज्ञा को कर रहे हैं, जिसे वे पाने के लिए कुछ भी नहीं करते हैं, जब तक ऐसा नहीं दिखाई देता है, जैसे ये कोई एक स्थान पर पहुँच गया हो, उतना तक कि ऐसा नहीं दिखाई देता है कि कोई कण भर भी इसमें सच्चाई है। लोग सच्चाई के उस सच्चे तत्व पर नहीं उतरते हैं। इसने खो... अंग्रेजी के उसी शब्द (sincerity) *सच्चाई* ने लोगों के लिए उसके—उसके मूल्य को खो दिया है। या, लोगों के जीने के तरीके के द्वारा, इसने उनके लिए इसकी सच्चाई को खो दिया है। अब वे इसे समझते हुए नहीं दिखाई देते है।

61 यहां तक कि हमारा अंगीकार करना! अब, मैं चाहता हूं कि आप लोग जो आ रहे हैं, या यहां आते हैं... या टेप पर, मैं चाहता हूं कि आप इस हवाले को एक पल के लिए अब ध्यान से सुनें। ये—ये...

62 जब तक आप गंभीर रूप से सच्चाई नहीं होते हैं! और आप तब तक सच्चे नहीं हो सकते हैं, जब तक आपकी सकारात्मक समझ नही होती हैं। यदि आप अनुमान लगा रहे हैं, या अंदाजा लगा रहे हैं, या ऐसी आशा कर रहे हैं, इसलिए, तब यह की सच्चाई की गहराई नहीं हो सकती है, जिसकी परमेश्वर मांग करता है। यह, विश्वास ऐसा नहीं है, "आशा करता हूं" या "यह सही हो सकता है।" यह पूरी तरह से "आमीन!" होना चाहिये। यह आपका सर्वश्रेष्ठ है। यह—यह—यह आपका परम सत्य है। यह वो चीज है जिससे आप जुड़ गए हैं। देखा? आप अपने अंतिम पर आ गए हैं, "यह वो सच्चाई है और वहां... यह सच्चाई के अलावा कुछ भी नहीं है, और यह इसी प्रकार से होना ही है!" और फिर जब आप इसे अपने मन में महसूस करने लगते हैं, तब, आप उस तक पहुँचने के लिए आप अपने पूरे जीवन, प्राण, शरीर में जुट जाते है, जो कुछ भी आपमें है, बस इसके लिए वो सब कुछ पूरी तरह से बेच देते है। जैसा कि यीशु ने बहुत ही शालीनतापूर्वक हमें सिखाया, उस मोती खरीदने वाले मनुष्य में, और उसने एक बडे मूल्यवान वस्तु को देखा और उसने इसे पाने के लिए उसका सब कुछ बेच दिया। पूरी सच्चाई से और सब कुछ जो उसके पास था, भले ही वे अच्छे मोती थे, वह... यह एक उसके लिए एक महत्त्व रखता था। और जब आप परमेश्वर

का सर्वश्रेष्ठ पाते हैं, उसका वचन, एक निश्चित चीज के लिए प्रतिज्ञा, आपको पहले जानना ही होगा कि यह परमेश्वर का वचन है, कि वो चीज जिसे आप पूरा होते देख रहे हैं वह परमेश्वर है। वहां—वहां पर ऐसा कुछ नहीं है ना ही, "शायद ऐसा हो सकता है, ऐसा हो सकता है, ये ऐसा दिखाई देता है, ये हो सकता है।" "यह परमेश्वर है!" फिर जब आप उस स्थान पर पहुँचते हैं, तब वो बहुत मूल्यवन मोती, आप उस किसी भी चीज़ से दूर होने लगते है, जो कोई भी और, आपको इसके विपरीत बताता है। आपको यह देखना ही नहीं चाहिये कि मनुष्य क्या हासील कर चूका है। आपको परमेश्वर को ही देखना चाहिये कि परमेश्वर ने कहा है, और उसने क्या प्रतिज्ञा की है, और उसे यह करते हुए देखते हैं, तो तब यह ठीक वहां पर आपका सर्वश्रेष्ठ होता है। और फिर वो सब कुछ जो आप है, वह सब कुछ जो आप थे, जो कुछ भी आप होने की आशा करते हैं, उसे बस इस पर रखा जाना ही है, बिल्कुल वैसे ही जैसे हालाँकि उस समय पर आप के लिए मृत्यु और जीवन था।

63 मैं सोचता हूं कि एक चीज जो हमारे लोगों को चंगा होने से रोकती है, वो अंगीकार करने की कमी है, वो सच्चाई से अंगीकार करने की कमी है। अब, उदाहरण के लिए, यह थोड़ा सा बुरा लग सकता है, लेकिन मेरा मतलब इस तरह से नहीं है। लेकिन, मेरी पत्नी को यहां बैठे हुए देख रहा हूं। यदि मैं आज यहां से बाहर जाकर और अपनी बाहों को किसी और महिला के चारों ओर रखता हूं और उससे प्रेम करता हूं, और मैं तब जान जाता हूं, मेरे इस तरह से करने के बाद, कि मैं गलत था, बिल्कुल गलत था। अब, ज़ाहिर है, मेरा सहायक मुझे ऐसा करने से रोक देगा। देखा? समझे? लेकिन मेरा मतलब है यदि मैंने—यदि मैंने ऐसा किया, और मैं... ऐसा हुआ कि मैंने ऐसा किया या कुछ भी इसके जैसा किया। और उसके बाद मैं जानता हूं कि पहली बात जो मुझे करना है कि मैं अपनी पत्नी से कहूं, इससे पहले कि मैं परमेश्वर से कहूं, "मुझे क्षमा कर दो," क्योंकि मैंने पत्नी के विरुद्ध पाप किया है। यदि आप वेदी पर आते हैं और याद रखे कि आपको पहले जाकर इसे सही करना चाहिये इससे पहले कि आप भेंट को चढ़ाये। इसलिए मुझे पत्नी के पास जाना होगा। मैं विश्वास.करता हूं कि अंगीकार करने में भी सही करना होता है। ये सच्चा अंगीकार नहीं है जब तक इसे नहीं करते है।

64 क्या हो यदि मैं अभी कहूं, "मैं इसे अंगीकार करूंगा कि मैंने गलत किया

है, मैं कहता हूं, 'भले प्रभु, मेरे मित्र, आप जानते हैं कि मैं आपको अच्छी तरह से जानता हूं। परमेश्वर की स्तुती हो! हाल्लेलुय्या! मैं—मैं—मैं—सोचता हूं कि आप एक भले बुजुर्ग मनुष्य हैं। मुझे क्षमा करे। आप जानते हैं, प्राचीन, बुजुर्ग मित्र, मेरा—मेरा उद्धेश्य उस तरह से नहीं था' "? समझे?

65 अब, आप कहते हैं, "यह तोड़ना–मरोडना है।" ऐसा ही है। इस तरह एक अंगीकार करना, ऐसा ही है।

66 लेकिन यदि मैं कहूं, "प्रभु, मेरा—मेरा ऐसा करने का उद्धेश्य नहीं था, और आप मेरी सहायता करे और मैं इसे फिर से नहीं करूंगा"? वह मेरे बलिदान को अस्वीकार कर देगा, जब तक मैं पहले जाकर और अपनी पत्नी के साथ सही नहीं करता हूं तो।

67 तब क्या हो यदि मैं उसके पास उसी एक अनादर के साथ आता हूं, और कहूं, "कहो, पूर्व प्रेमिका, मेरी पुरानी मित्र, मेरे बच्चों की बूढी मां, और पहली प्रिया, तुम जानती हो कि हम लंबे समय से पुराने साथी रहे हैं। कहो, क्या हो यदि मैं अपनी बाहों को दूसरी स्त्री के ऊपर रखूं? और तुम इसके बारे में क्या कहते हो, छोटे बच्चो, क्या तुम मुझे क्षमा करोगे? "

68 मैं कल्पना करता हूँ कि वह कैसी देखती होगी। वह सोचती होगी, "मेरे पति को क्या हुआ? " समझे? अब, पहली बात, वो नहीं जानती कि क्या मैं मजाक कर रहा था या मैं नहीं कर रहा था।

69 और आप इस तरह से अपने साथी या परमेश्वर से अंगीकार करने के लिए नहीं जाते हैं। आप ईमानदारी की गहराई के साथ जाते है, अपने पाप के लिए ईश्वरीय दुख के साथ। सबसे पहले, आपको खेद होना चाहिये। मुझे उसे बताना ही होगा, "प्रिय, यहाँ आओ, हमारी बचे हुए विवाहित जीवन के लिए यह बुरा हो सकता है। वो महिला जिसके साथ मैं रहता हूं, वही मेरी प्रियतम है, और मैंने इन सारे वर्षों में तुम्हे कितना प्रेम किया है। लेकिन अब तुम इसके बाद से मुझे छोड़ सकती हो, तुम मेरे साथ नहीं रह सकती हो, तुम मुझे स्वीकार नहीं कर सकती हो। और मैं यह जान रहा हूं। लेकिन फिर भी, इसे सही करने के लिए, मुझे सही करना होगा।" मुझे उसे अपने ह्रदय की गहराई से बताना होगा।

70 उसके बाद मुझे परमेश्वर से उसी तरह कहना होगा। और परमेश्वर और पत्नी दोनों को सच्चाई से कहुंगा, कि मैं परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा दुबारा नहीं करुंगा। समझे? वास्तव में मत करना... अब, मैं इस बात को उसके

ऊपर डाल सकता हूं, और वो (देखा?) नहीं देखेगी। हो सकता है उसके लिए मेरे शब्द उसे मना लेंगे, लेकिन मेरे शब्द परमेश्वर को नहीं मनायेंगे। वह मेरे ह्रदय की ओर देखता है और वह जानता है। और आखिरकार, उसके साथ कुछ और वर्ष रहूंगा, यदि परमेश्वर अनुमति देता है तो, और हम इस संसार से उठा लिए जायेंगे। लेकिन परमेश्वर के साथ, यह अनंत काल है, इसलिए मुझे परमेश्वर के प्रति गहराई से ईमानदार होना ही चाहिये। और फिर यदि मैं सच्चा हूं, तो वह मेरी सुनेगा। लेकिन यदि मैं सच्चा नहीं हूं, तो मुझे परमेश्वर के समय को बर्बाद करने की कोई आवश्यकता नहीं है कि वो मेरी सुने।

71 और यही है वो जहां आज लोगों के बीच आया है, वहां ईमानदारी की गहराई नहीं दिखाई देती है जो—जो कि उनके पास होनी चाहिये।

72 और मैं विश्वास करता हूं कि एक पुरुष या महिला प्रार्थना के लिए आ रहे होंगे, पहले जो कुछ भी उन्होंने किया है उसे स्वीकार कर लेना चाहिये, और हर एक चीज को सही करना चाहिये। क्योंकि, आप देखते हैं, आपने ध्यान दिया होगा मंच पर बहुत सी बार देखते हैं कि वो यहोवा यो कहता है, वाला वचन कितना दूर होता है। देखा? समझे? वे लोग, वो दर्शन का प्रकट होना, निश्चित रूप से, उनके विश्वास के साथ, परमेश्वर ने एक दान के द्वारा प्रतिज्ञा की थी। लेकिन चंगाई कुछ तो अलग है, देखो; परमेश्वर तब इसकी पहचान देता हैं, देखो।

73 अब, हम देखते हैं ऐसा है, जो लोग अपना अंगीकार करते हैं, उन्हें ईमानदारी की गहराई से आना होता है। मेरे पास है, यह यहाँ पर लिखा है, मेरे पास इसे पढ़ने का समय है, लेकिन मैं सोचता हूं, यह बिंगहमटन, न्यूयॉर्क में है, या, मैंने यह गलत पढ़ा है? जी हाँ, बिंगहमटन, मैं सोचता हूं कि यह सही है। वो स्थान जहां एंडिकॉट जूते की कंपनी है। बिंगहमटन, मैं सोचता हूं कि इसे बिंगहमटन, बिंगहमटन कहा जाता है, यह सही है, न्यूयॉर्क। हम एंडिकॉट जॉनसन जूते की कंपनी के स्थान पर थे, जो एक बड़ा सभागार था, और हमारी वहां पर एक सभा हो रही थी। और एक सुबह, बिली पॉल मेरे पास वाले कमरे में था, बहुत ही ठंडी, हवाये उड़ रही थी। और मैंने देखा कि लोगों के बीच, ईमानदारी की कमी थी, ऐसा दिखाई दिया। और मैं—मैं सोचने लगा क्यों। यहां पर एक मनुष्य था जो उस रात चंगा हुआ था, कोई उद्देश्य, या एक व्यक्ति के लिये विशेष रूप से

मैं बात कर रहा हूं। वो मनुष्य को एक बड़ी बीमारी थी, और वह वहां उस रात हो खडा हुआ था। और हमारे वहां से जाने से, पांच दिन पहले, वो बीमारी फिर से उसके पास वापस आ गयी। देखा? क्योंकि, पवित्र आत्मा की उपस्थिति में, इसने उसमें से बिमारी को निकाल दिया। बिल्कुल वैसे ही जैसे उसने उस नौजवान महिला के लिए थोड़ी देर पहले बाहर यार्ड में किया, कल रात नौजवान पुरुष के लिए किया, देखें। लेकिन वहां एक गहरी ईमानदारी होनी चाहिये यह जानने के लिए कि ये परमेश्वर है जो अब आपमें से इसे निकाल सकता है, आप पर उसी अभिषेक के साथ, इसे आप से दूर रख सकता है। समझे? और फिर पवित्र आत्मा ने मुझे एक सुबह, लगभग दिन के उजाला था, उसने बात की और कहा, "मंच पर या कहीं तो खड़े हो जाओ, और इन लोगों को वहां आगे लेकर आओ और उन्हें अंगीकार करने को लगाओ, उन्होंने जो कुछ भी किया है, इससे पहले तुम उनके लिए प्रार्थना करो।" देखा? ईमानदारी की गहराई!

74 जब तक संसार पश्चाताप नहीं करता है, तो उसे नष्ट होना है। देखा? और अंगीकार करना ही आज संसार की आवश्यकता है, ईमानदारी से अंगीकार करना है।

75 ये बीमारी के लिए दवा की तरह है। हम सभी बोतल पर पढ़ सकते हैं कि यह किस प्रकार की दवा है और यह—यह किस बीमारी के इलाज के लिए है। लेकिन, आप जानते हैं, निर्देशों को पढ़ना, मैं इसे रखने जा रहा हूं ये बाइबिल की तरह है, हमारे विद्यालय और धर्म विद्यालय सारे वचन को पढ़ सकते हैं। लेकिन, आप जानते हैं, बस निर्देशों को पढ़ना और इसे कैसे लेना है, इससे—इससे बीमारी ठीक नहीं होती है। देखा? इसे—इसे दवा चाहिये, इसलिए इसे लेना होगा! तो एक मनुष्य कह सकता है, "मैं एक धर्मज्ञानी हूं। अब, मुझसे इसके और उसके बारे में बात मत करो, मैं—मैं—मैं... मैं वचनो को जानता हूं। मैं जानता हूं कि बाइबल ऐसे–ऐसे बताती है, *यह*।"

76 "वो जो मेरे वचन को सुनता है," उदाहरण के लिए, संत यूहन्ना 5:24। "वो जो मेरे वचन को सुनता है, और उस पर विश्वास करता है, जिसने मुझे भेजा है, उसके पास अनन्त जीवन है।" या, किंग्स जेम्स (की बाइबल में) इसे "अनन्तकालीन" कहता है, जो सही रूप में "अनंत" है। "उसके पास अनन्त जीवन है क्योंकि वो विश्वास करता है।" बहुत से लोग कहते

हैं कि वे विश्वास करते हैं। अब, यह सच है। वो—वो—वो वचन सही है। मैं—मैं दवाई के निर्देश को पढ़ रहा हूं, मैं पढ़ रहा हूं कि वो—वो—वो दवाई के निर्देश क्या है, और मेरे पाप के लिए पाप नाशक है, लेकिन क्या मैं इसे ले सकता हूं? क्या मैं विश्वास कर सकता हूं? मैं हो सकता है कहूं, "मैं विश्वास करता हूं," यही वो अगली बात है। केवल इसे पढ़ना और निर्देशों को जानना, ये बीमारी का इलाज नहीं करता है। परेशानी यह है कि (हमारे मामले में) हमें जो उपचार करने के लिए कहता है हम नही करते है। हमारे पास उपचार है, लेकिन हम इसे नहीं लेते है। हम कहते हैं कि हम करते हैं, क्योंकि हम इसे पढ़ सकते हैं; लेकिन वास्तव में इसे लेने के लिए, हम ऐसा नहीं करते हैं। देखो, इस मामले में, सुसमाचार उसी तरह से है, एक दवा है। यदि मरीज... और मरीज का इलाज करने के लिए इस उपचार को साबित किया गया है, और मरीज इस दवा की खोज के बारे में सब कुछ पढ़ता है, और वे उस दवा के अन्दर की हर एक माप को जानते हैं, वे उन—उन सारे वैज्ञानिक के नाम को जानते हैं जिसने इस निश्चित दवा को ढूंढा है, जैसे साल्क टीका और इत्यादि। यदि हम—यदि हम इसके बारे में सारे वचन को जानते हैं, लेकिन इसे लेने से मना करते हैं, तो यह हमारी सहायता नहीं करेगा। देखो, ये—ये हमारी सहायता नहीं करेगा।

77 लेकिन, और फिर हम कैसे कहते हैं, "लेकिन हमने इसे लिया!" और यदि आप कहते हैं कि आपने इसे लिया है, और मरीज कोई परिणाम को नहीं दिखाता है, तो उसने इसे नहीं लिया है। ऐसा ही है। कैसे, यदि दीवार पर वो लगी हुई घड़ी इस तरह से बाधा नहीं डालती थी, तो देखो। मैं इस पर बने चाहता हूं और हमारे—हमारे लोगों के लिए मजबूत करूंगा, क्योंकि सुसमाचार इन बातों को साबित कर चुका है, और वे दावा करते हैं कि वे इसे लेते हैं, और वे दिखाते हैं कि वे इसे नहीं लेते हैं! कैसे एक मनुष्य उस छोटी सी चीज पर वचनों को पढ़ सकता है, जिसके बारे में मैं बोलता हूं, महिलाये जो अपने कटे बालों के साथ होती है और छोटे कपडे पहनती है, और इसी तरह से इत्यादि, वे खुद को मसीह कह सकते हैं जब कि वही दवाई अपने आप में कुछ अलग ही कहती है! समझे? कैसे? आप कहते हैं, "लेकिन मैं आत्मा में नाचा, मैंने अन्य भाषा में बात की।" इस बात का कोई मतलब नहीं होता है। आपका खुद का जीवन साबित करता है कि आपने इसे नहीं लिया! समझे? आपने कहा आपने—आपने इसे लिया, लेकिन

आपने इसे नहीं लिया! क्योंकि, आप अभी भी उन सारे लक्षणों को दिखा रहे हैं जिसका दवाई से इलाज होना चाहिये। और वो दवाई, सुसमाचार की श्रेणी में, एक गारंटीकृत इलाज है! इसे होना ही है। अब, आप देखना, आपको परिणाम को दिखाना है।

78 आप एक व्यक्ति को ले, जो कहता हैं कि वो, "मैं हूं। मैं एक विश्वासी हूं। मैं विश्वास करता हूं।" सुसमाचार की ज्योति उन पर पड़ने दो, भाई, वे इसे ठीक अभी ले लेंगे! और वे परिणाम को दिखायेंगे। निश्चय ही। आप उस व्यक्ति को किसी और खेल (जुआ) के कमरे में नहीं देखेंगे, आप उसे यहां अपने हाथ में सिगरेट लिए हुए नहीं देखेंगे, आप उसे शराब पीते नहीं देखेंगे। ओह, नहीं। आप उसे किसी और महिलाओं के साथ छेड़छाड़ नहीं देखेगे। नही, नहीं, नहीं। मैं परवाह नहीं करता कि वे उनके स्त्री के देह को उसके सामने कितना भी प्रदर्शन करे, वह अपने सिर को आसमान की ओर उठाकर और मसीह की ओर देखेगा। ये क्या है? यह दिखाता है कि उपचार का असर हुआ है। और यदि इसका असर नहीं होता है, आप कहते हैं, "तो, मैं जानता हूं, मैंने इसे लिया है," ठीक है, तो फिर आज आप कहां पर हैं? आप मर रहे हो। आप दिखाते है! मैं आपके मामले को बाइबल के द्वारा—द्वारा रोग का निरक्षण करते हुए देख रहा हूं, कि आप अभी भी पाप में हैं। और पाप की मजदूरी मृत्यु है। ऐसा मत सोचना कि इससे कुछ सामान्य हो जायेगा। देखो, आपके खुद के कार्य साबित जरते हैं, आपके खुद के कार्य साबित करते हैं कि आपने इसे नहीं लिया है। आपने *सोचा* कि आपने लिया था। आमीन। आप—आप सब ऐसा करने में ईमानदार हो सकते हैं, लेकिन आपने ऐसा नहीं किया है! क्योंकि, यदि आपने लिया, तो परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की कि इसका आपके ऊपर असर पड़ेगा। और वो पुराना पाप अभी भी वहां पर है, वो पुराना आदम का स्वभाव अभी भी वहां टिका हुआ है, वो पुराना अविश्वास। फिर भी आप अपने आप को बनाने की कोशिश करते हैं, अपने संगी लोगो के सामने, कहते है, "ठीक है, मैं एक विश्वासी हूं। ओह, परमेश्वर की महिमा हो! जी हाँ, मैं एक विश्वासी हूँ।" लेकिन, आप देखे, इससे आपको कोई सहायता नहीं मिली।

79 हो सकता है मरीज अपने आप में, यहाँ तक दवा के लिए भी पहले से ठहराया नहीं गया था। यदि ऐसा होता है, तो यह कभी भी असर नहीं करेगा। ये सही बात है। आप समझे?

80 लेकिन उस छोटी अनैतिक महिला की ओर देखो, जब उजियाला उस पर चमकता है, तो उसकी परिस्थिति का ध्यान रखने के लिए वहां पर कुछ तो रखा हुआ था। देखा? यदि हम विश्वास करे और ईमानदारी से अंगीकार करे, तो परमेश्वर के जरिये का यह उपचार असर करता है। परमेश्वर ने इन बातों के लिए एक जरिया ठहराया है।

81 अब, देखो, मनुष्य जाकर, कहेगा, "तो ठीक है, मैं कलीसिया से जुड़ गया हूं। इससे मेरे साथ मामला सुलझ जाता है।" यह परमेश्वर का ठहराया हुआ जरिया नहीं है।

82 परमेश्वर का ठहराया हुआ जरिया पश्चाताप है, अंगीकार करना, और एक परिणाम को दिखाता है, जो पश्चाताप होने पर आगे फलो को लाता है, ईमानदारी को दिखाता है। क्या आप लोग केवल आज सुबह ऐसा करेंगे, तो इसके लिए प्रार्थना की जाएगी! और आप लोग जो इस टेप को सारे संसार में सुनते हैं, और इस टेप को बाद में चलाया जाता है और सेवकगण या वो व्यक्ति जो सभा के झुण्ड में इसे चलाते है, जंगलों में या जहां कहीं भी हो, वो इसे चला रहे है, तो पहले आपके अंगीकार को साफ करना होगा, और उसके बाद अपने ह्रदय में कुछ भी रखकर नहीं आना है, केवल विश्वास के साथ आना हैं, और प्रार्थना को किया जाना है, वहां पर वो दवाई काम करेगी।

83 यीशु ने कहा, "तुम में से हर एक जन पश्चाताप करे!" मेरा मतलब पतरस ने पेंटीकोस्ट के दिन कहा था, "पश्चाताप करो, और पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा लें, और तुम पवित्र आत्मा का दान पाओगे।" जब आप पूरी तरह से पश्चाताप करते हैं और प्रभु पर विश्वास करते हैं, और यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा लेते हैं, यदि आपको पवित्र आत्मा नहीं मिलता हैं, तो आप परमेश्वर को झूठा बनाते हैं। यदि... यीशु ने यह कहा, उसके कलीसिया की अंतिम आज्ञा, "ये चिन्ह उन लोगों के पीछे जायेंगे, उनके लिए जो विश्वास करते हैं। यदि वे बीमारों पर अपना हाथ रखे, तो वे चंगे हो जायेंगे।" और आप उन विश्वासीयो के पीछे उन चिन्हों को देखते हैं, और आप आते हैं और वो विश्वासी आप पर हाथ को रखता है, और कुछ नहीं होता है, तो आपके विश्वास के साथ कुछ तो गड़बड़ है। समझे? "वो विश्वासी!" परमेश्वर ने एक ठहराये हुए जरिये की प्रतिज्ञा की है।

84 हम ये कहकर सहायक को पाने की कोशिश करते हैं, "मुझे नहीं सुनना है।" नहीं, यह सही बात है, आपको सुनने की आवश्यकता नहीं है।

85 लेकिन यदि आप अनंत जीवन के लिए पहले से ठहराए गए हैं, तो आप इसे सुनेंगे और आप इससे आनंदित होंगे। ये ही आपका सहायक है। ये वो चीज है जिसके लिए आप अपने सारे जीवन भर इच्छुक रहे है। ये—ये ही वो मोती है, जिसके लिए, आप सबकुछ छोड़ने को तैयार हैं। देखा? आप इसे चाहते हैं क्योंकि आप जानते हैं कि ये आपके लिए परमेश्वर की प्रेम से भरी चिंता है। यह कुछ तो है जो पाप के सवाल का समाधान करे, ताकि अविश्वास को समाधान करे, ताकि हर एक चीज का समाधान करे, आपके लिए, यदि आप चाहते हैं तो। यह वह है जो सचमुच बीमार है और जानता है कि वो बीमार है, जो एक चिकित्सक को ढूंढता है। समझे? यीशु ने कहा कि वह जो बीमार नहीं है, उसे उस एक की आवश्यकता नहीं है। लेकिन यह उनके लिए है जो बीमार हैं। यदि आप अपनी परिस्थिति को समझ सकते हैं, तो आपको वैसा ही करना होगा, जैसा उसने करने को कहा था। तब इसे होना है, या परमेश्वर ने बताया कि कुछ तो गलत था। देखा?

86 बहुत से लोग, कभी–कभी चंगाई की सभा, आप इसे सच्चाई से आरंभ नहीं करते हैं। आपको जीवन को साफ करने की आवश्यकता है, आपको उस स्थिति में आना होगा, आपको वास्तव में कहना होगा, "हाँ, मैं विश्वास करता हूं," और यह आपके ह्रदय से होना चाहिये। तब आप, ना ही कोई भी आपके पास आकर बच्चो के जैसे आकर, कहे, "अब, ओह, प्रिय भाई, प्रिय बहन, आपको *इसे* करना चाहिये, आपको *वैसा* करना चाहिये।" आप एक विश्वासी हैं, वहां कोई भी आपमें से इसे नहीं ले सकता है। मैं परवाह नहीं करता कि कोई और क्या कहता है, कोई भी सांत्वना, कोई भी दिलासा देने वाला, कोई भी डॉक्टर, कोई भी अस्पताल, कोई भी बीमारी का निरक्षण करने वाला इसके बारे में कुछ भी कहे, आप फिर भी विश्वास नहीं करते है, आप इसे जानते है! अब, यही वो वास्तविक चीज है।

87 हमारे पास इन सारी चीजो में बहुत अधिक नक़ल करने वाले है। इसे इसी तरह से होना है। इसके बारे में दुख प्रकट मत करना। ऐसा वहां होना ही है। यह हमेशा ही होता रहा है और ऐसा होता रहेगा। लेकिन मैं आपको आज सुबह बता रहा हूं कि सत्य और वास्तविकता क्या है। हम अंत समय

में हैं। हमें इस चीज को सत्य पर रखना होगा, देखो, और इसे जानना है कि सत्य क्या है।

88 अब हम देखते हैं कि लोग इसके बारे में परमेश्वर के जरिये को नहीं लेते है। वे चाहते हैं, वे... परमेश्वर ने आपके सहायक के लिए एक जरिये को ठहराया है। परमेश्वर के पास इन सभी चीजों के लिए ठहराया हुआ एक जरिया है। लेकिन लोग इसे नहीं चाहते हैं, लोग अन्य जरियों के पीछे जाते हैं। और हर बार जब वे इस परमेश्वर के जरिये को छोड़ कोई और जरिये से करते हैं, तो वे हर बार इसे करने पर परमेश्वर के क्रोध को उन पर लाते हैं। तो ठीक है।

89 और ये सारी चीजे, जिसे मैंने बताया है, यह हमें इस सांसारिक बातों की ओर लाती है, ये सारी चीजे ये सारी अन्य वैज्ञानिक उपलब्धियों के पीछे जा रही हैं, कलीसिया की उपलब्धियों के पीछे जा रही हैं, विभिन्न चीजों के पीछे जा रही हैं जो हमें संसार के अंत की ओर ला चुकी है। हम अंत पर हैं। एक भी आशा नहीं बची है। हम एक जीने की आशा के बिना हैं। हमें यहाँ तक एक जीने का एक भी मौका नहीं है। अब मैं बस कुछ मिनटों के लिए इसे खुलासा करके बताऊंगा, और बस इसे साबित करूंगा।

90 और आप में से हर एक जन, इसे जानते है, यदि आप नहीं जानते हैं, तो आपको चिकित्सक संबधी अख़बार लेना चाहिये, आपको रीडर डाइजेस्ट (पत्रिका) लेना चाहिये, और इत्यादि, जहां आप इन उपलब्धियों को पढ़ते हैं। अब ऐसा करने के लिए...

91 यहां एक मंत्री संसार भर में इस संदेश को भेज रहा था। इस प्रकार के बयान देने के लिए, कि हम बिना आशा के हैं, कि हम छुटकारे से परे हैं, कि हम छुटकारे और न्याय के बीच की रेखा से पार हो चुके है, अब मुझे सभा के लोगो को कुछ आधार को देना ही होगा ताकि इस बयान पर बुनियाद रखूं। वहां ऐसा कुछ तो कारण होना अवश्य है कि एक मनुष्य, यदि वो अपने सही मनोस्थिति में है, जैसा मैं सोचता हूं कि मैं हूं, तो वो इस तरह का बयान देगा, कि वह अपने राष्ट्र को बताये, कि वे अपने सभा को बताये, कि लोगों को बताये जहाँ वो जाएगा संसार भर के तीस या चालीस विभिन्न राष्ट्रों में, हो सकता है, पुरे संसार भर में, और लोगों में और भाषाओं में, कि, "हम अंत समय पर हैं," ये बयान देना ये हमारे लाभ के लिए है,

या—या—या इसे थोड़ा सा समझाना, जब तक हम अपने सुबह के मुख्य पाठ तक नहीं पहुंच जाते।

92 देखो, अब आइये देखते हैं कि विज्ञान और शिक्षा ने हमारे लिए क्या लाया है, और यही वो चीज है जिसे मनुष्य ने परमेश्वर के वचन के स्थान पर स्वीकार किया है, उस एक वैज्ञानिक समर्थन को। और विज्ञान हमेशा ही जो कुछ कहता है उसे वापस लेना पड़ता है। मैं यहां कुछ समय पहले पढ़ रहा था जहां एक फ्रांस के वैज्ञानिक ने लगभग दो सौ या तीन सौ वर्ष पहले कहा था, "पृथ्वी के चारों ओर एक गेंद का घूमना," और कहा, "यदि यह गेंद, इस गति पर... क्या संसार ने कभी किसी तरह का आविष्कार किया, जो कुछ ऐसा है कि उन्हें सारे संसार भर की यात्रा को कम से कम तीस मील प्रति घंटे की रफ़्तार से तय करवाता हो, ऐसा ही कुछ," वह वैज्ञानिक रूप से साबित करेगा, "कि यह उसके वजन पर पृथ्वी से चुम्बकीय शक्ति के द्वारा उठाया जाएगा।" देखा? अब, आप सोचे कि क्या विज्ञान कभी उस व्यक्ति का फिर से हवाला देगा? निश्चय ही नहीं। यह बात उनके लिए बीत चूकी है।

93 अब, आइये केवल सोचें, हम सभी कहना चाहते हैं, "मैं इसे वैज्ञानिक रूप से साबित करना चाहता हूं।" यही है जो आज बहुत से संप्रदाय के धार्मिक लोगों का कहना हैं। वे एक वैज्ञानिक प्रमाण को चाहते हैं। तो, मैं तभी वापस मुड़कर और कह सकता हूं, "परमेश्वर वैज्ञानिक रूप से मुझे साबित करें, आपके सभा के लोगो में। मुझे कुछ भी, वैज्ञानिक रूप से साबित करें, कि यह वास्तविक है। साबित करे... "

94 वास्तविक क्या है? वो जीवन। मैं चाहता हूं कि आप मुझे इसके लिए एक चौथाई कीमत चुकाये, या—या जो कुछ मेरे पास है, उसे बेच देता हूं, उस जीवन के भाग को पाने के लिए। और वो जीवन वास्तविक है? यदि यह नहीं है, तो हम सब यहाँ पर क्यों हैं?

95 जीवन, विश्वास, प्रेम, आनंद, शांति, धीरज, सज्जनता, नम्रता, संयम, विज्ञान इसे छू नहीं सकता है। और यही केवल वास्तविक, चिरस्थायी चीज है, जो वहां है। सम्पूर्ण मसीही हथियारबंदी उस अदृश्य के लिए देख रहे है। लेकिन वे चेतनाये उन चीज़ों की घोषित नहीं करती हैं, लेकिन वे वहां पर हैं। यही कारण है कि इसे भरोसा करने के लिये ये विश्वास को लेता है, और यह आपके अन्दर उत्पन्न होता है जिसे विश्वास वहां पर घोषित कर

चूका है। ये इसे आपके लिए लेकर आता है, दैविक चंगाई और इत्यादि। वे साबित नहीं कर सकते जो दैविक रूप से चंगा करता है, लेकिन वे जानते हैं कि एक दैविक चंगाई है। मैं... वे साबित नहीं कर सकते जो पाप से बचाता है, लेकिन वे जानते हैं कि लोग पाप से बचाये जाते हैं। सो इसे वैज्ञानिक रूप से साबित नहीं किया जा सकता है, लेकिन इसे वैज्ञानिक रूप से परमेश्वर के देखने का तरीका है।

96 अब, विज्ञान ने हमें किस बात पर लाया है? अब, आप कुछ समय के लिए चौंक सकते है। विज्ञान ने हमारे लिए रोगों, मृत्यु और बीमारियों को लाया है। अब, आपको केवल तस्वीर का एक पहलू ही सिखाया गया है। लेकिन इसके दो पहलू हैं। आप कहते हैं, "विज्ञान ने *इसका* आविष्कार किया है, *उसका*, और *इत्यादि*।" तो ठीक है, हम आपको यह सौभाग्य प्रदान करने जा रहे हैं। लेकिन आइये दूसरे पहलू की ओर देखते हैं। अब विज्ञान ने हमारे लिए बीमारियों को लाया है। विज्ञान ने हमारे लिए बीमारियां, मृत्यु को लाया है।

97 देखो! विज्ञान की मिलावट ने पीढ़ी के लिए खाद्य पदार्थों और चीजों से मृत्यु को लाया है। इसने लोगों को इतना नाजुक बना दिया है और इस तरह से, इतना तक कि पुरुष और महिलाये मिट्टी के ढेर से बाहर आए है, और वहां इसमें कोई रूप–रेखा नहीं है। यह एक नाजुक बिना हड्डी की मछली का ढेर बन गये है। वे बिना वातानुकूल यन्त्र (air conditioner) के नहीं रह सकते है, वे नष्ट हो जाते है। वे बेसबॉल के खेल को नहीं खेल सकते है, यदि कोई कहीं तो फंस जाता है, ये उसे मार देता है, बॉक्सिंग के मैदान में या जो कुछ भी और है। और ये इतना नाजुक बन गए है, इतना तक कि पुरुष और महिलाये, ये उन्हें दूषित कर रहा है।

98 और वे इस मिलावट (संकरण) को जानवरों को में डाल रहे हैं जिससे अब वे मानव जाति में वापस आ चुके हैं, स्वयं विज्ञान के अनुसार, और उनमें से उलट–फेर बना रहे हैं। क्योंकि, जब एक—एक गाय संकरित होती है, या कोई भी भोजन संकरित होता है, तो वह भोजन रक्त कोशिका को बनाता है, और रक्त कोशिका आपका जीवन है। देखें कि इसने क्या किया है? और फिर, मांस में, वे यहां मांस में इंजेक्शन को लगाते हैं, और अब यह साबित हो गया है कि ये इंजेक्शन मानव जाति पर प्रभाव डालते हैं। वैज्ञानिक!

99 वे खेतो में इस डी डी टी से छिडकाव करते है, मैंने एक दिन देखा, और अब हमारे इस समुदाय में अंडे खाने से आठ सौ लोग बीमार हो गए हैं। क्या आपको वर्षो पहले याद आया है जब मैं पहली बार, जब हमारे पास यहाँ छोटी संरचना थी, और मैं भविष्यवाणी कर रहा था, और कहा, "ये अंतिम दिनों में होगा, घाटी में मत रहना, और अंडो को मत खाना," मैंने इसे मेरी किताब पर डाला है। मैंने सोचा कि इसके बारे में कुछ तो था, और मैंने जाकर और इसे देखा। "अंडो को मत खाना।" यह बहुत पहले 1933 में बताया था। अंडो के अन्दर अब उनमें कुछ तो है, और मैं देखता हूं कि विज्ञान कहता है कि पचास वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्ति को कभी भी अंडे नहीं खाना चाहिये, क्योंकि यह ह्रदय के लिए बहुत ही ठोस चीज है जिसे खाया जा सकता हो। बीमारियां!

100 दूध, ये अक्सर हमारा सबसे संतुलित आहार होता था। डॉक्टर आपसे कहेगा, "इससे दूर रहो।" यह साइनसाइटिस और इत्यादि अन्य हो रहा है। ये वही मनुष्य है जो इसे हमेशा पीकर और वर्षों तक जीता था और कभी साइनसाइटिस को नहीं जानता था, लेकिन संकरण और इत्यादि ने मनुष्य जाति की संरचना को तोड़–मरोड़ दिया है इतना तक कि ये कुछ भी नहीं एक मिट्टी का ढेर है, बीमारी की एक गेंद—एक गेंद। इसे किसने किया? विज्ञान!

101 देखो! यह पुरुष और महिला के बीच वंशाणु के कमजोरी का कारण है, मनुष्य जाति की शारीरिक कमजोरी, वंशाणु के जरिये से, और मंदबुद्धि बच्चों की वृद्धि लगभग तीस प्रतिशत ज्यादा हो गयी है। मंगोलियाई सबसे ऊपर है। और यह कमजोरी खाद्य पदार्थ संकरण जो हम जीने के लिए खा रहे हैं, जो शरीर को कमजोर बना रहा है, जिसके कारण कैंसर, मानसिक परेशानी, और सब प्रकार की बीमारियों मनुष्य शरीर पर आती जा रही है इसलिये इसकी कमजोरी है। वैज्ञानिक, खुद को नष्ट कर रहा है, परमेश्वर की योजना से दूर जा रहे है।

उसने कहा, "हर एक बीज अपनी जाति के अनुसार लाने दो।" हूं–हूंम।

102 देखो हम कहां पर हैं? मैं इस पर आगे और आगे जा सकता हूं; हमारा समय निकलता का रहा है। लेकिन, ध्यान दें, यह क्या है जो इसे कर रहा है? विज्ञान ने मृत्यु, बीमारी, और विनाश को लाया है।

103 और मैंने एक दिन देखा, मैं अपने अच्छे दोस्त से बात कर रहा था, डॉक्टर वेयल यहां पर बैठे हुए है, जहां पर एक लेख है कि लोग पेनिसिलिन (दवा) के द्वारा मारे जा रहे हैं। यह असल में पेनिसिलिन (दवा) नहीं है, यह तो गंदगी है जिसे वे पेनिसिलिन का तैयार करते समय इसमें मिलाने देते हैं। यह एक पैसा बनाने के लिए लालच की योजना है। डॉक्टर इसे कभी तो देते हैं, जो एस्पिरिन (गोली) की विधी को जानते भी नहीं हैं, और उनके पिता उन्हें किसी और एक—एक विशेषज्ञ के पास भेजते हैं, और यह जानते भी नहीं कि कैसे एक बच्चे के लिए पेट के दर्द का ईलाज किया जाए। लेकिन हमें क्या मिला है? लालच, कुछ तो खींचने के लिए, या थोड़ा सा कुछ। उनके देश के पास पुराने शैली के डॉक्टर शायद ही अब नहीं होंगे, जो वहां जाया करते थे और आपसे बात करते और आपको सांत्वना देते और सब कुछ करते थे। वे परमेश्वर को तस्वीर से बाहर रखते हैं, क्योंकि वे उनके खुद के तरीके से चले जाते है। वे परमेश्वर को तस्वीर से बाहर करने के लिए, उन्होंने उसकी व्याख्या करके उसे बाहर निकाल दिया है। हम वहां है।

104 यही है जिसे हमने संकरण करने के द्वारा किया है। आप देखते हैं, शरीर... एक स्वस्थ पौधा कैसे बनता है, एक किटाणु शायद ही इसके अन्दर जा सकता है। ये जो क्यारी के पौधे हैं, इन संकरित पौधों को हमेशा ही आपको छिड़काव करना पड़ता है। और आप में से बहुत लोगो ने मेरा सन्देश *संकरित धर्म* (हाइब्रिड रिलिजन) पढ़ा है, इसे छिड़काव करते रहे, और बच्चो के जैसे और—और इत्यादि। ध्यान दें, लेकिन उस सच्चे वास्तविक पौधे को छिड़काव करने की आवश्यकता नहीं होती है, वो मूल होते है।

105 वो क्या है मनुष्य देह में बीमारी को लाती है? क्या देह... जैसा कि मैंने अपने एक बहुमूल्य डॉक्टर मित्र को बताया, जिसका मैं ठीक अभी नाम नहीं लुंगा, लेकिन वह एक बहुत अच्छा भाई है, हाल ही में मैं एक दवाई की पत्रिका में से मेरे लिए पढ़ रहा था, एक किताब जो उसके कार्यालय में जहां वो इन सारी अच्छी किताबो और दवाई की नवीनतम सामग्री को रखता है। यह कमजोरी है। आप ध्यान दे, जो कुछ भी वास्तविक हैं... आप कहते हैं कि आपका शरीर काम करना बंद कर रहा है, आप तुरंत ही कुछ ठंडा लेते हैं। यह क्या है? यह आपके शरीर की कमजोरी है जो आपके ग्रंथियों से एक कफादि मल तैयार करता है। और, उसमें, सर्दी के किटाणु अपने

आप ही आने बैठने लगते है, और आपको सर्दी हो जाती है। लेकिन यदि वो शरीर मजबूत होता था, तो वो उस सर्दी के किटाणु को दूर फेंक देगा, यह इसे छू नहीं सकता था।

106 सो, आप देखते हैं, जब परमेश्वर ने पहली बार एक मनुष्य का निर्माण किया, तो वह किसी भी बीमारी से मुक्त था। देखा? लेकिन अविश्वास और विज्ञान, विज्ञान और शिक्षा वो पहली चीज थी जिसने एक मनुष्य को परमेश्वर से दूर कर दिया, और यह अभी भी उसे दूर ले जा रहा है।

107 केवल देखे, सिगरेट और शराब पीना, और ये निवस्त्र होना और इत्यादि ने इस पीढ़ी को बिगाड़ने के लिए क्या किया है। मैं सोचता हूं कि आप हमेशा आश्चर्य करते होंगे... मैं यहां एक बयान को देने जा रहा हूं। मैं ऐसा करने वाला नहीं था, लेकिन मैं सोचता हूं कि मैं करूंगा।

108 देखो, वे कभी कभी सोचते हैं, वे हमेशा ही मुझे कहते हैं, "भाई ब्रन्हम, आप हमेशा इस तरह की चीज़ों को क्यों—क्यों उठाते हैं? आप इसे नहीं सुनते... कहते है कि आप एक मनुष्य की कलीसिया में जाते हैं, क्योंकि, मैं अपने महिलाओ के झुण्ड को ले सकता हूं और यहाँ तक वे आराम से बैठ भी नहीं सकती जब आप बोल रहे होते हैं। आप हमेशा उन पर चिल्लाते रहते है, तो, उनके छोटे बालो के बारे में, और पुरुषो से संबंधित कपडो के पहनने के बारे में, और इस प्रकार की सारी चीजों पर। कहते है, आप ऐसा क्यों करते हो? " अब मैं—मैं—मैं...

109 यह अगले गर्मियों तक मेरा आखिरी संदेश हो सकता है, आप जानते है, लेकिन मैं आपको बताना चाहता हूं। यहाँ पर है ये। यह अंतिम दिनों के लिए परखने का आत्मा है, जो जानता है कि यह परमेश्वर के सामने यह एक श्रापित चीज है। मैं बस कभी सोचता हूं कि कोई सेवक के पास क्या अंतिम दिनों की कोई परख है? वही परमेश्वर जो मंच पर बताता है कि आप की परिस्थितियां और आपने क्या किया है, और—और आप क्या होने जा रहे थे, और—आपकी क्या परेशानियां है, वही आत्मा आपके अन्दर देखती है और समय के चिन्ह को परख सकती है, और इससे आप चिल्ला उठने से नहीं रुक सकते है। ये परखने का आत्मा है, क्योंकि पवित्र आत्मा स्वयं कहता है कि यह चीज़ पाप है, और जो कोई भी इसका भागीदार बनता है, वह नाश हो जाएगा। और तब भला मैं परमेश्वर की दृष्टि में कैसे उचित हो सकता हूं, और जब अपने बहनों और भाइयों को इस तरह की परिस्थिति

में देख रहा हूं, यदि मैं इसके विरोध में नहीं बताता हूं? यहाँ तक भले ही वे मुझसे नाराज भी हों जाये, फिर भी मुझे इसके विरोध में बताना ही होगा। यह परखना है। कभी–कभी उनका वचन में मत–भेद होता है और इत्यादि, और यह परख की कमी है। आकर वचन के द्वारा इसका सामना करना। देखा? देखो, हम—हम जानते हैं कि यह सही है। तो ठीक है, ये, ये जानते है कि यह सत्य है। यह अंतिम दिनों की परख है।

110 अब हम विज्ञान के बारे में देखते हैं, मैं—मैं अब इस पर आगे नहीं जाना चाहता हूं, मेरा समय बस बहुत तेजी से निकलता जा रहा है। अब आइये कुछ क्षण शिक्षा पर लेते हैं और देखते है कि इसने क्या किया है। देखा? अब हमारे पास दो बड़ी संख्या में कलीसिया हैं।

111 अब, हम समझते हैं कि ऐसा था, कि यह वो कारण था, कि आम तर्क–वितर्क ने पहली बार पाप की गेंद को लुढकाना आरंभ किया था। ये तर्क–वितर्क क्या था? परमेश्वर के वचन के विरोध में तर्क–वितर्क। जब परमेश्वर ने आदम और हव्वा को बताया, "जिस दिन तुम उसे खाओगे, उस दिन तुम मर जाओगे।" बात खतम हो जाती है, ये ऐसा ही है। और उसने उन्हें शत्रु के विरोध में उसके वचन के पीछे किलाबंदी की। लेकिन जब हव्वा ने, शैतान के तर्क–वितर्क को सुनती है, देखो, संस्कृति, समझ, शिक्षा, प्रगति, देखो, उसने उसके पीछे से निकलकर वहां पर कदम रखा और शैतान के तर्क–वितर्क को सुना, और उन चींजो को किया, जिसे परमेश्वर ने कहा, "मत करना।" और यदि एक तर्क–वितर्क है, उस एक तर्क–वितर्क को सुनना जो वचन के विरोध में है, जो इस सारी गड़बड़ी का कारण है, एक तर्क–वितर्क जो वचन के विरोध में है, फिर से आपको उसी स्थान पर वापस नहीं ले जाता है, यह परमेश्वर के लिए कितनी मूर्खपूर्वक बात होगी, कि मनुष्य को उसी आधार पर वापस लाये, जहाँ से उसने उसे बाहर कर दिया था। देखा? समझे? आपको मसीह के बहाये हुए लहू के पास आना होगा। आपके संप्रदाय काम नहीं करेंगे, और आपके तर्क–वितर्क काम नहीं करेंगे। ये तो लहू और जन्म है, और यह आपके अन्दर एक नयी सृष्टि को उत्पन्न करता है, जो मसीह है, और आप मसीह के आचरण के अनुरूप जीते है, क्योंकि जो विष आप लेते हैं यह दिखाता है कि यह अविश्वास के पाप को खत्म कर देता है, परमेश्वर के वचन को छोड़ किसी के भी विरोध में।

112 शिक्षा हमें देती है... वहां... हमारे पास हमारे सामने आज सुबह दो कलीसिया है। उनमें से एक पेंटीकोस्ट की कलीसिया है जिसे पवित्र आत्मा के द्वारा पेंटीकोस्ट पर स्थापित किया गया था; दूसरी है रोमन कैथोलिक की कलीसिया जिसे रोम के निसीया में स्थापित किया गया था। उनमें से एक आत्मिक जन्म है; दूसरा एक बौद्धिक सदस्यता है। उस कलीसिया से सारे प्रोटेस्टेंट आये हैं, सारे संप्रदाय आते हैं। वो पहला संप्रदाय था। सारे संप्रदाय उसी एक में से आते हैं और उसी से संबंधित हैं, प्रकाशितवाक्य 17 ऐसा कहता है, "वह एक वेश्या थी और वह वेश्याओं की माता थी।" यह सही बात है। सो वहां कोई नहीं... मटका पतीले को चिकना नहीं कह सकता है, क्योंकि यह—यह सही है, यह बस एक ही है। यह संस्थापक है, यह खत्म हो गया है, यह रोम में है। मुझे परवाह नहीं है कि यह क्या है, यह खत्म हो गया है! बाइबिल, हम बस अभी–अभी उन कलीसिया युगों से होकर आये हैं, इसे साबित करने के लिए। एक आत्मिक समझ पर आधारित है; दूसरा शिक्षा और बौद्धिक विचारधारा पर आधारित है।

113 अब, यह हमें फिर से उसी अदन के बगीचे में वापस रखता है, ठीक वापस उसी स्थान पर। ये वो स्त्री (कलीसिया) ही थी जिसने नहीं सुना, ना ही आदम, वो स्त्री थी! अब वे आगे जाकर माता कलीसिया बनना चाहते हैं! ये बिल्कुल सही बात है। कुछ भी समय से बाहर नहीं है। देखो, वे अपना खुद का अंगीकार बनाते है। देखो, ठीक उसी चीज की ओर वापस, परमेश्वर के वचन का अविश्वास करते हुए! रोम के निसीया में, जब पानी के बपतिस्मा के बारे में सवाल ऊपर आया, इसी तरह की अन्य चीजों के बारे में, और पवित्र आत्मा के बपतिस्मा के बारे में, वे—वे बिशप पूरी तरह से संगठित हो गए जिसे रोमन कैथोलिक कलीसिया कहा जाता था, जो एक "शाही" रोमन कहा जाता था। मैं बस कल इतिहास को लेते हुए इसमें से होकर जा रहा था, और इसे सुन रहा था, इसे फिर से देख रहा था। और यह केवल रोम के लिए ही होना था, रोम में शाही कलीसिया थी। अन्य केवल छोटी साथी कलीसिया थी, जिन्हें बस कैथोलिक कहा जाता था।

114 हमारी कलीसिया भी कैथोलिक, विश्वव्यापी कलीसिया है, जो सारे विश्वासियों का विश्वव्यापी विश्वास है। उनमें से एक परमेश्वर के आत्मा से जन्मे हुए है, और इसमें पवित्र आत्मा है, और इसे अपने जीवन, सिद्धांत, और क्रिया के द्वारा साबित करती है, कि पवित्र आत्मा वहां उसमें है,

क्योंकि यह वो सहायक है जिसकी मसीह—मसीह ने प्रतिज्ञा की थी, उसकी कलीसिया में कार्य करते हुए, उसी कार्य को करते है जो उसने आरंभ में किया था। जो इसी तरह से मसीह के उद्धार का विष है, जिसने आरंभ में काम किया, इसी तरह से यह आज काम करता है, उसी बात को आगे लाता है।

115 वो दूसरा एक संप्रदाय की मानसिक विचारधारा है जिसे मनुष्य के एक झुण्ड के द्वारा बनाया गया है, जिसमें "भक्ति का भेष धरते है," जैसा कि भविष्यवक्ता ने हमें बताया, "और इस सत्य की सामर्थ का इंकार करते है।" अब, यह उतना ही साफ है जितना मैं जानता हूं कि ये किस तरह से बनता है।

116 अब, दो कलीसिया हैं। उनमें से एक का जन्म निसीया में हुआ था; और दूसरे एक का जन्म पेंटीकोस्ट पर हुआ था। और—और वे हमेशा एक दूसरे के विरुद्ध रहे है। हम इसे साबित करने के लिए कलीसिया के युगो में से होते हुए आए हैं, एक दूसरे के विरुद्ध रहे है। उनमें से एक अच्छी, उच्च दर्जे के, अच्छे विद्वानों के साथ एक बौद्धिक कलीसिया और इत्यादि है; दूसरी ऐसे दर्जे की है जैसे "पवित्र चिल्लाने वालो का झुण्ड।" ये आरंभ में, "नशा करने वाले, अनपढ़ मछुआरे," थे, और आज भी यही बात है, यह अभी भी उसी दर्जे की श्रेणी में है। उनमें से एक वैज्ञानिक है; दूसरा आत्मिक है। एक वैज्ञानिक व्यवस्था है; दूसरा वचन की आत्मिक समझ है। एक वैज्ञानिक रूप से व्यवस्थित है, जिसे उन बौद्धिक बिशप मनुष्य का झुण्ड कहते हैं। दूसरा एक पूरी तरह से परमेश्वर की आत्मा से जन्मा हुआ है, और परमेश्वर की आत्मा के द्वारा जीता है, और यह क्रियावंत होता है और ये वचनों को पूरा करने को लगाता है जिसकी परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की थी। दिखाता है कि आप कौन सा विष ले रहे हैं। क्या आपने शिक्षा के विष को लिया है? क्या आपने पवित्र आत्मा का विष लिया है? देखा? तो ठीक है।

117 ओह, यह शैतान का कपटीपन है! वो किस तरह से तस्वीर को बना सकता है, बौद्धिक रूप से ऐसे व्यक्ति को तैयार कर सकता है जो परमेश्वर के आत्मा से नहीं जन्मा होता है बस घूमाता रहता है और घूमाता रहता है! और बौद्धिक रूप से, कोई जरिया नहीं है, कि उनके साथ आगे जाये। कोई जरिया नहीं है।

118 यह एक विश्वास के द्वारा परख है, देखो, एक परख। वचन क्या कहता है, हम इसे देखते है, हम इसे विश्वास करते हैं।

119 "तब, भाई ब्रन्हम, वे कहते हैं कि उनके पास परख है।" फिर पवित्र आत्मा को वही उत्पन्न करने दो, जो उसने उत्पन्न करने की प्रतिज्ञा की थी, उसके बाद हम इसे विश्वास करेंगे। देखा? यहां इसका प्रमाण हैं।

120 विष ने किस तरह कार्य किया जब ये उस व्यक्ति को प्रभावित करता है? "ये चिन्ह उन लोगों का पीछे जायेंगे जो विश्वास करते हैं," उसने कहा। यदि विष प्रभावित करता है, तो यह ठीक बात है। देखा? सो उन्होंने हमारे लिए लाया...

121 हमारे लिए इसे लेकर आता है, यह हम अगले कुछ मिनटों में बंद करते हुए, सो यह हमारे लिये हाबिल और कैन से लाता है, नुह के समय के न्याय के लिए, उसी आगे आने वाले नूह के समय के दिनों से। अब, आगे हमारे पास प्रार्थना की पंक्ति है, अब ध्यान से सुनना जब मैं यहां एक छोटे—एक छोटे से विषय के लिए कुछ वचनों को यहां–वहां से ले रहा हूं।

122 हम देखते हैं कि संसार वचन के प्रति उसके बौद्धिक विचारधारा को लेने के बाद, वह मनुष्य महान मनुष्य बन गया, प्रसिद्ध मनुष्य। बाइबल उत्पत्ति 6:4 में ऐसा कहती है। वो प्रसिद्ध मनुष्य बहुत सुंदर महिलाओं और चीजों के पीछे भागने लगता है, जैसे कि हमारा सारा संसार था। बस वे इसमें से होकर चलते गए *लाल चमकता हुये प्रकाश* पर, हमने एक रात को बताया था कि किस तरह से अंतिम दिनों में महिलाओं को सुंदर होना था, कैसे मनुष्य, प्रसिद्ध पुरुष, जैसे इंग्लैंड और संयुक्त राज्य अमेरिका के घोटालो में थे। और इसकी अब भी इन दिनों में से एक की खोज की जाएगी। देखो, आप नहीं जानते कि ये सारी वेश्या और बाकी सब कुछ क्या है। देखा? क्या आप जानते है कि हाईस्कूल या कॉलेज लडकियों की तुलना में तीन में एक मधु बालाये है? हाईस्कूल या कॉलेज की लडकियों की तुलना में तीन में एक मधु बालाये है। क्या आप एक निश्चित प्रतिशत को जानते हैं, मैं इसे अभी नहीं बता सकता क्योंकि यह मेरे सामने नहीं है, मैंने इसे कभी लिखकर नहीं रखा, लेकिन सारे देश भए में लगभग हाई स्कूल के बच्चों में से तीसरा बच्चा या तो अनैतिक साबित हुआ है या मां बनने के लिए घर जाना पड़ा? क्या आप जानते हैं कि पेनिसिलिन को लेना आपको वापस कामुकता के लिए विवश करता है जो लोगो के बीच में

व्यभिचार को तैयार कर चूका है, जो, वह चीज मरी नहीं है? लेकिन फिर भी, देखो, परमेश्वर ने कहा था कि ये चौथी पीढ़ी को आक्रमण करेगा। इस कारण से मंगोलियाई और इत्यादि सब है, और वे बच्चे... ओह, कितना पाप, यह कितना धूर्त है! कैसे वे लोग, सेवक खड़े होकर और उनके विरोध में प्रचार नहीं करते, जो सड़क पर निवस्त्र होती है, और उन्हें कलीसिया के गायक झुण्ड में गाना गाने देते है, और इसी तरह से सब कुछ करते हैं, और देखो कि यही वो चीज है जिसने हमारे राष्ट्र को नरक में भेज दिया है, हमारी पीढ़ी को नरक में भेजा है। ये सही है। तो अब हम देखते हैं कि परमेश्वर के सामने इसके लिए इतना ही काफी है, जैसा कि मेरा विश्वास है कि उसके पास आज...

123 अब मैं अपने विषय में आ रहा हूं। मेरे पास लाने का एक विचित्र तरीका है... मैं बहुत सारी बातों को आधार देकर और उसके बाद मेरे विषय पर आना पसंद करता हूं। अब, हम नूह के दिनों में देखते हैं, जब परमेश्वर संसार का न्याय करने जा रहा था, जब ये आया बिल्कुल जैसे अब है, 'क्योंकि यीशु ने इसे कहा था, क्या उसने चिंता की थी? क्यों उसने चिंता की? उसने, निश्चय ही उसने चिंता की। उसने किसके लिए चिंता की? अब, जब वो पहले से ही जानता था कि न्याय आने वाला था, उसके बाद, और न्याय को स्पष्ट रूप से बताया था, उसने उन लोगों की चिंता की थी उनके लिए जिन्होंने चिंता की थी। और बिल्कुल आज भी वैसा ही है। उसने उन लोगों की चिंता की जो चिंता करने के इच्छुक थे। और हम देखते हैं कि उसने उनके लिए एक भविष्यवक्ता को भेजा ताकि उन्हें निर्देशित करे, ताकि उसके चुने हुए लोगो को बच निकलने के लिए उसके ठहराये हुए जरिये की ओर निर्देशित करे। वो कल, आज और युगानुयुग एक सा है। देखा? हम देखते हैं कि परमेश्वर ने उसके लोगों की चिंता की। [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]

124 हम अंत में हैं, और हम देखते हैं कि हम अंत में हैं! वहां उस भ्रष्टाता के ऊपर निर्माण करने का ना ही कोई जरिया है। हम सदोम और गमोरा के खाक हुए खंडहरों के ऊपर एक शहर भला कैसे बना सकते हैं? हम भला इसे कैसे कर सकते हैं? केवल एक ही अचंभा बाकी है, और वो है प्रभु यीशु आ रहा है; ओह, प्रभु, महासंकट के समय की अवधि में से होते हुए एक शुद्धिकरण, ताकि संसार को फिर से वापस लौटाए, कुछ

ऐसे लोगों के लिए जो परमेश्वर की दृष्टि में धर्मी हैं, और उनके वचन के द्वारा जीते हैं।

125 ध्यान दें, उसने उन लोगों की चिंता की जो नूह के दिनों में बच निकलने की चिंता करते थे, और उसने उनके लिए एक भविष्यद्वक्ता को भेजा। और इस भविष्यवक्ता ने उन्हें परमेश्वर के ठहराये हुए जरिये की ओर निर्देशित किया। अब, यह चीजों को करने का परमेश्वर का यही जरिया है। देखा? परमेश्वर ने नूह से बात की, जो वचन था (तब ये लिखित वचन नहीं था), और नूह को लोगों के बचने के लिए एक जहाज को तैयार करने के लिए कहा, और सारे लोगों को चेतावनी दी जो उनके पास थी कि "उद्धार के लिए एक जरिया" है। और यह मनुष्य एक प्रमाणित भविष्यद्वक्ता था जिसने उन्हें बच निकलने के जरिये को साबित किया। ध्यान देना, नम्र और ईमानदार लोगो ने इस मनुष्य को सुना और उसका विश्वास किया, और वे बच निकले। वे किस से बच निकले? पाप के संसार की मृत्यु से जिसे उस दिन पर नष्ट कर दिया गया था, वे मौत के मार्ग से बच निकले जो सारे संसार के ऊपर रखा हुआ था। परमेश्वर ने बहुत ही चिंता की! (हे परमेश्वर, प्रार्थना की पंक्ति से पहले, अब इसे ह्रदय की गहराई में जाने के लिए सहायता करें।) परमेश्वर ने चिंता की!

126 वह अब आज संसार को देखता है, और वो बुलाता है और वो बुलाता है, और उन्होंने ठुकरा दिया, और उससे मुड गए हैं। आरंभ में पश्चाताप करने का मौका था। जब परमेश्वर ने यशायाह से कहा कि आगे जाये और इसे बताये... हिजकिय्याह को बताओ कि वह मरने जा रहा है, हिजकिय्याह ने पश्चाताप किया और वहाँ दया हुई थी। जब परमेश्वर ने योना को निनवे जाने को कहा और चिल्ला कर बोलने को कहा, क्योंकि चालीस दिनों में वो शहर को नष्ट कर देगा, वे दया के लिए रोये और पश्चाताप किया। लेकिन जब उन्होंने इसे अस्वीकार कर दिया, तो न्याय के आलावा कुछ भी नहीं बचा! और राष्ट्र मसीह को ठुकरा चूका है। वे उस पुकार को ध्यान देने से चुक गए हैं, इसलिए कुछ भी नहीं बचता है सिवाय हमारे न्याय का सामना करने के।

127 अब, क्या परमेश्वर उन लोगों की चिंता करता है जिन्होंने पश्चाताप किया है? क्या उसने उनके लिए जरिये को तैयार किया है? अब हम देखेंगे कि उसने बीते समय में क्या किया था।

128 नूह का समय, उसने चिंता की! उसने भविष्यव्यक्ता को भेजा, और उसने—उसने जरिये को लाया और उसने उन्हें मार्ग दिखाया, और उसने उनके निकलने का मार्ग बनाया और वे न्याय से बच निकले। उसने उनकी भी चिंता की। हम देखते हैं कि वह उन्हें ऐसे स्थान पर लेकर आता है जहां वो, अंतिम दिनों में जहाँ (सबके लिए) वो बडे न्याय के आने से पहले, उसने उनकी इतनी अधिक चिंता की इतना तक कि उसने एक मार्ग को तैयार किया जिससे वे अंदर आ सकें और सारे न्याय से मुक्त हो जाये, जो आने वाला था।

129 अब, उसने चुने हुए लोगो के लिए ऐसा किया। अब, हम यह जानते हैं। उसने चुने हुओ के लिए ऐसा किया, अब केवल चुने हुओ के लिए! वे वही थे जिन्होंने जीवन के इस जीवाणु को स्वीकार किया था। वे ही थे जो इसे देखने के लिए पहले से ठहराये हुए थे। वे ही एक थे। हम सब, यदि हम बाइबल पर विश्वास करते हैं, तो हमें पहले से ठहराये पर विश्वास करना होगा। समझे? ये सही बात है। ना ही परमेश्वर चाहता हैं कि कोई भी कष्ट से जाना चाहिये, लेकिन वो जानता था कि इसे कौन करेगा करेगा और कौन नहीं करेगा।

130 उसने मिस्र के विनाश होने के दिनों में उसके चुने हुए लोगों की भी चिंता की। वे वहां मिस्र में थे और गुलाम बन गए थे। मूसा के दिनों में, उसने लोगों की चिंता की। उसने उनके लिए क्या भेजा? एक भविष्यवक्ता को, फिर से। क्या ये सही है? और उसने उसके लोगों को अविश्वास करने वाले संसार से अलग किया दिया, उस दिन के आने वाले न्याय से। क्या उसने ऐसा किया? उसने चिंता की जब मिस्र ने अपने पापों का ढेर लगाकर बहुत ही ऊंचा कर दिया इतना तक कि परमेश्वर को न्याय को भेजना पड़ा था, क्योंकि उसने पहले ही अब्राहम को बताया था, "और मैं उस राष्ट्र से निपटूंगा।" तो उन सब पर अपने क्रोध को डालने की बजाय, उसने उनकी चिंता की, उसने उनके लिए उसकी चिंता को भेजा। उसने उनके लिए उसके सहायक को भेजा। उसने अपना वचन उनके पास भेजा। और वो हमेशा ही अपने वचन को अपने भविष्यव्यक्ता के द्वारा भेजता है, जैसा उसने नूह के समय में किया था। उसने नूह के दिनों में भी यही काम किया। एली के दिनों में... मूसा के दिनों में, हम देखते हैं कि उसने उसी बात को किया। उसने उनके लिए अपने भविष्यव्यक्ता को भेजा, और उन्होंने खुद को अविश्वास से अलग किया। अब, बाहर निकालने लिए यही वो तरीका

है। इसे विश्वास करने का यही वो तरीका है। उन्होंने मूसा पर विश्वास किया, कि वो एक... फिरौन की आंखों में, वह एक कट्टरपंथी था, वो एक जादूगर था, वह एक पाखंडी था, वो कुछ तो भयानक था। लेकिन लोगों के लिए जो चुने हुए थे, जो परमेश्वर के वचन के अनुसार बाहर आये थे ("मैं उन्हें बाहर लेकर आऊंगा"), वह उनके लिए एक भविष्यद्वक्ता था। वह परमेश्वर का ठहराया हुआ जरिया था। और वो... ध्यान दें, उन्होंने उस पर विश्वास किया और वे उस दिन के न्याय से बच निकले थे। उन्होंने मूसा पर विश्वास किया।

131 और उसने कहा उसने उनको बाहर लाने के लिए उनकी भी चिंता की, और उसने उन्हें बाहर निकलने के बाद उनकी यात्रा में उनकी चिंता की। आमीन। जैसे शारीरिक में था, यह आत्मिक क्षेत्र में है। उसने चिंता की! क्यों? उसने हर एक चीज का प्रयोजन किया जो उनकी आवश्यकता थी जब वे उनकी यात्रा में थे। क्या उसने किया? उसने उन्हें चंगाई दी, जब वे बीमार थे। उसने चंगाई का प्रयोजन किया, उसने उनकी बीमारी के लिए एक जरिये का प्रयोजन किया। उसने एक—एक पीतल के सर्प का प्रयोजन किया, जिससे कि वे उस पीतल के सर्प की ओर देख सके, जो पाप का प्रतीक था और चंगे हो जाये। जब वे मार्ग में थे, तब उसने उन्हें खिलाया, जहां कोई रोटी नहीं थी, उसने आसमान से रोटी को बरसाया। उसने उन्हें खिलाया। इतना ही नहीं, लेकिन उसने उन्हें कपडे पहनाये, ये दिखाता है कि वह उन लोगों की चिंता करता है, जो चिंता करते हैं।

132 यदि वे अंगीकार करने और पश्चाताप करने और विश्वास करने और स्वीकार करने के लिए तैयार हैं, तो परमेश्वर चिंता करता है! लेकिन आपको पहले चिंता करना होगा, आपको उसे स्वीकार करना होगा, जिसे उसने आपके लिए भेजा था। उसने उन लोगों की इतनी चिंता की कि वे इतने निश्चित हो गए होंगे कि कुछ भी गलत नहीं होगा, उसने अग्नि के स्तंभ के चिन्ह के द्वारा, उसके भविष्यव्यक्ता को प्रमाणित किया ताकि लोग देखे कि यह ऐसे ही साथ-साथ कोई यहाँ मनुष्य नहीं चल रहा था, ये तो वो परमेश्वर था जो ठीक उसके ऊपर था, ये वही था जो मार्ग में नेतृत्व कर रहा था। परमेश्वर उन लोगों की चिंता करता है, जो चिंता करते हैं। परमेश्वर उन लोगों की चिंता करता है, जो उसके लिए चिंता करते हैं। इसलिए उसने इस व्यक्ति को प्रमाणित किया और साबित किया कि वो परमेश्वर का दास था, उनके लिए अग्नि के एक स्तंभ को भेजने के द्वारा

ताकि उन्हें उसी देश की ओर अगुवाई करे। और वे जानते थे जब तक ये अग्नि का चिन्ह और बादल का स्तंभ और आग का वे नेतृत्व कर रहे थे... उसने कहा, कि वो "अग्नि और अग्नि के बादल के स्तंभ को नहीं उठाया।" वो वर्षों और वर्षों और वर्षों तक जंगल में उनके साथ था, चालीस वर्ष। क्या यह सही है? उस अग्नि के स्तंभ ने उनका नेतृत्व किया! हम अपने तैंतीसवे वर्ष को छोड़ रहे है, इसके सात वर्ष दूर यह उसी का नमूना होगा। तो ठीक है, एक अग्नि के स्तंभ ने उनका नेतृत्व किया। उसने उनकी चिंता की। और उसने उनकी इतनी चिंता की, इतना तक कि उसने उन्हें केवल ये ही नहीं बताया कि ये कोई वैज्ञानिक चीज नहीं थी, यह ऐसे ही कोई भूल से नहीं हुआ था, लेकिन उसने संदेश को प्रमाणित किया, इसे साबित करते हुए।

133 उसने यहाँ तक एक महिला के लिए भी बहुत चिंता की, जो एक बाहरी महिला थी, एक इस्राएली नही थी। वो उस झुण्ड से संबंधित नहीं थी, लेकिन वो एक बाहरी महिला थी, प्रेस्बिटेरियन, मेथोडिस्ट, या ऐसे ही कुछ, वह किसी और पक्ष की थी। लेकिन जब उसने सुना! उसका नाम रहाब था, वह रह रही थी... वह एक वेश्या थी। लेकिन जब उसने सुना कि कैसे परमेश्वर उस अग्नि के स्तंभ में था और उनका नेतृत्व कर रहा था, तो उसने कहा आओ... परमेश्वर के लिए पुकारे, और उसने उन भेदियो पर दया दिखायी, जो उस देश को देखने के लिए आए थे। और क्योंकि रहाब ने उसकी और उसके लोगों की चिंता की, परमेश्वर ने उसकी चिंता की। इतना तक की ये वेश्या, जो उसके जीवन को मसीह के लिए दे देती है, क्योंकि उसने एक अलौकिक परमेश्वर के चिन्ह को देख लिया था, और उसने उसके संप्रदाय के ठीक सामने उसके देवताओं की सेवा की थी। लेकिन जब उसने इस महान अलौकिक चिन्ह को देखा, तो वो रो पड़ी और दया के लिए मांगने लगी, और अपने परिवार के दया के लिए मांगा, और परमेश्वर ने उसके लिए इतनी चिंता की कि पूरा शहर एक दूसरे के ऊपर ढेर हो गया, लेकिन उसके घर की एक चट्टान भी नहीं हिली। वो चिंता करता हैं! भले ही वह बाहरी महिला थी, वो उस समय उस झुण्ड में नहीं थी, लेकिन उसने चिंता की। वह हमेशा चिंता करता है।

उसने एलिय्याह की चिंता की जब वो, और केवल वो अकेला, परमेश्वर की चिंता की।

134 हाल्लेलुय्या! यही है वो जहां यह लेकर आता है। "अपनी चिंताओ को उस पर डाल दो, क्योंकि वो तुम्हारी चिंता करता है।" पतरस, चुने हुए प्राचीनो से बात कर रहा है, प्राचीन और कलीसिया में, उसने कहा, "अपनी चिंताओ को उस पर रखो, क्योंकि वह तुम्हारी चिंता करता है। सबकुछ वहां रख दो, क्योंकि तुम परमेश्वर के सामने साफ हो। तुम—तुम परमेश्वर के सेवको की नाई चलते हो।"

135 परमेश्वर ने एलिय्याह की चिंता की क्योंकि एलिय्याह ने परमेश्वर की चिंता की थी। दुसरे सारे प्रचारकों ने उस दिन के दर्शन की दृष्टि खो दिया था, परमेश्वर की इच्छा और उसके वचन के प्रति प्रेम को खो दिया था, और ये सब आधुनिक हो गये थे। लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि ईज़ेबेल उनके लिए कितनी आधुनिक थी, उस देश की पहली महिला, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे कितने दुसरे प्रचारक उन महिलाओं को कैसे भी व्यवहार और कार्य करने की अनुमति देते थे। एलिय्याह प्रभु के नाम में, इसका विरोध करने के लिए बुलाया गया। उसने, परमेश्वर ने जो कहा उसकी चिंता की, और तब परमेश्वर, जो एलिय्याह ने कहा, उसकी चिंता की, क्योंकि उसने प्रभु के वचन को कहा। परमेश्वर चिंता करता है जब आप चिंता करते हैं, लेकिन पहले आपको चिंता करना होता है। जी हाँ।

136 ध्यान दें, उसने चिंता की जब उसने एलिय्याह को उसके वचन के द्वारा बुलाया, संप्रदायों के बीच में से बाहर बुलाया। ऐसा दिखाई दिया कि उसे भूखो मरना होगा, क्योंकि वहां कोई दशवांश और प्रेम दान नहीं आते होंगे। लेकिन उसने एलिय्याह की इतनी चिंता की, उसने उस समय के दौरान उसे भूखा नहीं रखा, वो परमेश्वर के वचन का पालन कर रहा था। उसने कौवो को उसे खिलाने का आदेश दिया। उसने एलिय्याह की चिंता की क्योंकि एलिय्याह ने उसकी चिंता की थी, और वो वचन है।

137 उसने दानिय्येल की चिंता की जब दानिय्येल ने परमेश्वर के वचन की पर्याप्त चिंता की कि वो सच्चाई से प्रार्थना करता। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि राजा ने क्या कहा, "मैं ऐसा और नहीं करना चाहता हूं," एलिय्याह ने तब किवाड़ो को खोल दिया और यरूशलेम की तरफ देखा और प्रार्थना की। एलिय्याह ने परमेश्वर की चिंता की, और—और परमेश्वर ने एलिय्याह की चिंता की। दानिय्येल ने परमेश्वर के वचन की चिंता की, और परमेश्वर ने

एलिय्याह की चिंता की। उसने एक अग्नि के स्तंभ को भेजा, जिससे वो शेर डरकर उससे दूर रहा और सारी रात भर वो वहां पर रहा। परमेश्वर ने चिंता की क्योंकि दानियेल ने चिंता की थी। जी हां, श्रीमान। उसने सच्चाई से प्रार्थना की, यह जानते हुए कि इससे बुरा होगा, उसे शेर के गुफा में फेंका जायेगा यदि उसने सांप्रदाय के आदेशों का उल्लंघन किया। लेकिन उसने खिड़की के पास घुटने टेके, मनुष्य ने जो कहा ना ही उससे डरते हुए। उसने खिड़कियों को खुला रखा, क्योंकि यह परमेश्वर की आज्ञा थी, और उसने अपने परमेश्वर से हर दिन सच्चाई और ईमानदारी से प्रार्थना की। उसने परमेश्वर और उसके आज्ञाओ की चिंता की, और परमेश्वर ने पीछे मुडकर और दानिय्येल की चिंता की और उसके आदेश, उसके दृढ बने रहने की। दानिय्येल ने परमेश्वर और उसके वचन की चिंता की, और परमेश्वर ने दानिय्येल और वचन के प्रति उसके दृढ बने रहने की चिंता की। वह इसे हर समय करेगा। आमीन।

138 उसने इब्रानी बच्चों की चिंता की, जब उन्होंने सच्चाई से आदर किया और उन विश्वास की चिंता की जिसे उन्हें एक बार उन्हें सौपा गया था, परमेश्वर का वचन। उसने उनकी चिंता की इतना तक जब उन्होंने तुरही को फूंका... उनके पास परमेश्वर से एक आज्ञा थी, "किसी भी पराये देवता, किसी भी मूर्तियों के सामने मत झुकाना। ना ही झुकना और ना ही उनकी आराधना करना।" यह वो आज्ञा थी। और जब उन्होंने तुरही को फूंका और कहा, "हम उन्हें भट्ठी के अन्दर फेंक देंगे जो नहीं झुकते हैं," उन्होंने इतनी चिंता की इतना तक कि उन्होंने अपनी पीठ को मूर्ति की ओर घुमा लिया। ये सही बात है। परमेश्वर ने उनकी इतनी चिंता की, कि जब गर्मी बढ़ने लगी, तो उसने चौथे व्यक्ति को अग्नि भट्टी में नीचे भेज दिया और उन्हें ठंडा रखा। उसने चिंता की क्योंकि उन्होंने चिंता की।

139 यदि आप किसी संप्रदाय को पकडे रहना चाहते हैं, तो परमेश्वर चिंता नहीं करता है कि आप क्या करते हैं। यदि आप ऐसा करना चाहते हैं, तो वो आपकी कभी भी चिंता नहीं करेगा, क्योंकि आप वो कर रहे हैं जो मनुष्य ने कहा। लेकिन यदि आप परमेश्वर के वचन को पकड़ेंगे, आप सच्चाई से अंगीकार करते है और विश्वास करते है कि परमेश्वर एक चंगाकर्ता है, वो कल, आज, और युगानुयग एक सा है, वो आपकी चिंता करेगा।

140 तब उसने चिंता की, उसने इब्रानी बच्चों की चिंता की, और उसने उनके लिए चौथे व्यक्ति को भेजा, जो मसीह था। हम यह जानते हैं।

141 जब वो कोढ़ी चिल्लाने लगा, "हे प्रभु!" दस कोढ़ी वहां आकर और सच्चाई से चिल्लाने लगे, "प्रभु, हम पर दया करो।" उन्होंने अपने लिए बहुत अधिक चिंता की जो उनके खुद के लिए चाहते थे, उसके पास उनके लिए चिंता करने की सामर्थ थी। उसने कोढ़ी की चिंता की क्योंकि कोढ़ी ने अपना अंगीकार करके चिंता की, उसे "प्रभु!" कहकर बुलाया।

142 उसने चिंता की, जब सेनापति ने अपने बारे में इतनी अधिक चिंता की यीशु से मदद मांगने के लिए कहला भेजा। जब सेनापति ने... उसके विश्वास के द्वारा दिखाया, उसके रोम की मूर्तियों की निंदा की, और इतनी अधिक चिंता की (लोगो के गवाही के द्वारा) उसके लिए सन्देश भेजता है कि आकर उसके पुत्र को चंगा करे, यीशु ने उसे चंगा करने की बहुत अधिक चिंता की। वो चिंता करता है जब आप चिंता करते हैं। हालांकि, आपको पहले चिंता करना है। उसने चिंता की।

143 उसने चिंता की जब याईर ने यीशु के बारे में बहुत अधिक चिंता की। वह एक गुप्त विश्वासी था। उसने विश्वास किया था कि वह सही था, लेकिन उसके अपने सांप्रदायिक में बने रहने के कारण वह बाहर आकर और इसे अंगीकार नहीं कर सकता था, लेकिन जब उसकी छोटी बेटी बीमार हो गई और उसकी मृत्यु हो गई, तो याईर जानता था, अपनी बेटी की मौत को देखते हुए, या उसके व्यक्त करने की चिंता की, उसने उसके आस–पास के अविश्वासीयो की निंदा करने की इतनी अधिक चिंता की, और अपनी छोटी सी मंत्रिपद की टोपी को नीचे रखा, और निकल गया और यीशु को ढूंढा। जब याईर ने दिखाया कि उसने चिंता की, तो यीशु ने दिखाया कि उसने इतनी अधिक चिंता की कि उसने आकर और उसे मृतकों में से जीवित किया। अपनी चिंताओ को उस पर डाल दो, क्योंकि वो चिंता करता है! कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह क्या है, वो चिंता करता है!

144 उसने इतनी अधिक चिंता की जब वहां कोई एक ऐसी आज्ञा भी नहीं थी, ऐसा कुछ भी नहीं कहा गया था, उसने इसका कभी भी जिक्र नहीं किया था, लेकिन उसने चिंता की क्योंकि वो छोटी स्त्री प्रार्थना की पंक्ति में नहीं जा सकी थी, और उसने कहा, "यदि मैं उसके वस्त्र के छोड़ को छू सकूं तो, मैं उस पर विश्वास करती हूं।" उसने उस पर, उसके विश्वास

करने की चिंता की, यहाँ तक की वो मुड़ा और उसे श्रोतागण में से बुलाया, और उसे बताया कि उसके विश्वास ने उसे चंगा कर दिया है। उसने चिंता की क्योंकि स्त्री ने चिंता की थी।

145 उसने चिंता की जब उस दुष्टआत्माओ से ग्रस्त्र व्यक्ति ने उन शैतान के समूह की बहुत चिंता की, उस विरोध के नीचे, ताकि छटपटाकर वे कब्र के नीचे के शैतान बाहर निकलकर और यीशु के पास आये और खुद को उसके सामने दंडवत करे। जब, वो शैतान का समूह! वे शैतान कभी भी वापस नहीं आते यदि उस शैतान के समूह ने वहां उससे मिलने के लिए अपना रास्ता को नहीं बनाया होता था। और जब उसने उस प्रयास को करने के लिए बहुत अधिक चिंता की, जो उसके विश्वास में खड़ा था, यीशु ने उससे शैतानों के इस समूह को बाहर उसमें से निकालने के लिए पर्याप्त चिंता की, और उसकी दुष्टआत्माओ से ग्रस्त्र परिस्थिति चली गई थी। उसने चिंता की जब आप चिंता करते हैं। जी हाँ, श्रीमान। जब आप चिंता करते हैं, तो वो चिंता करता है।

146 अब, जब अंधे मनुष्य ने यरीहो के फाटक पर चिल्लाया, "हे यीशु!" यहूदी होने के नाते, रूढ़िवादी, यहूदियों के सभास्थल में अच्छी खासी भीड़ थी। लेकिन जब उसने कहा, "इतना शोर क्या है? "

उन्होंने कहा, "नासरत का यीशु गुजर रहा है, एक भविष्यव्यक्ता।"

147 कहा, "यीशु, हे दाऊद का पुत्र!" ओह, उसके पास्टर और याजको के लिए क्या ही ताड़ना थी जो वहां पर खड़े थे। लेकिन उसने चिंता नहीं की कि क्या पास्टर, याजक, या किसी और के कहने की, वह रुचि रखता था! और उसने अपनी दृष्टि को पाने के लिए बहुत अधिक चिंता की थी, इसलिए वो पुकारने लगा! और जब वह अंधा मनुष्य बैठा था, और पुकारने के लिए उसने बहुत अधिक चिंता की थी, तो यीशु ने उसे चंगा करने की बहुत अधिक चिंता की। वो कल, आज और युगानुयग एक सा है! जब आप चिंता करते हैं तो वो चिंता करता है, लेकिन आपको पहले चिंता करना है। आपको यह साबित करना होगा कि आप चिंता करते है।

148 उसने इतनी अधिक चिंता की इतना तक कि जब एक स्त्री, जो छह पुरुषो के साथ रहती थी, उसके मसीहत के परखने के चिन्ह को पहचान गयी और उसने इतनी अधिक चिंता की इतना तक उसने हर एक पाप को क्षमा कर दिया और उसे पानी को दिया कि वो वहां उस पानी को खीचने के

लिए नहीं आई थी, इसलिए उसने पहचान लिया। उसने कहा, "श्रीमान, मैं मानती हूं कि तुम एक भविष्यद्वक्ता हो," जब उसने स्त्री को बताया कि उसके साथ क्या गलत था। और वे, वो उस दिन के आने के लिए रुकी हुई थीं, केवल वो सारे कलीसिया के समुदाय में रहते आयी थीं, उसे ऐसा करने का मौका नहीं मिला था। लेकिन जब उसने एक मनुष्य को देखा जो उसे बता सकता था कि उसके साथ क्या गलत था, उसने कहा, "श्रीमान, मैं मानती हूं कि तुम एक भविष्यद्वक्ता हो। मैं जानती हूं कि जब मसीहा आएगा, वह इन बातों को करेगा।"

उसने कहा, "मैं वो हूं।"

149 यही बहुत है! स्त्री ने चिंता की। उसने अपने पानी के घड़े को छोड़ दिया, और वो शहर की ओर चली गई, और उसने कहा, "आकर एक मनुष्य को देखो, जिसने मुझे उन बातों को बताया जो कुछ मैंने किया है। क्या ये वही मसीहा तो नहीं है?" वो कुछ राहाब की तरह ही थी, उसने चिंता की इतना तक उसने पूरे शहर को जागृत कर दिया। उसने चिंता की क्योंकि कुछ किया गया था, प्रमाणित वचन को पूरा किया गया था और वास्तविक पक्का बनाया, और उसने चिंता की! उसने परवाह नहीं की कि पुरुषो ने क्या कहा या किसी और ने क्या कहा; उसने इसे देखा था, जब ये घटित हुआ वो वहां पर थी। स्त्री ने चिंता की। और उसने अपने लोगों की चिंता की इतना तक कि उसने उनमें से हर एक को बताया, और इसने सारे शहर को यीशु मसीह पर विश्वास करने का कारण बना दिया। स्त्री ने चिंता की, और उसने चिंताकी। निश्चय ही, उसने की।

150 यीशु ने आज के संदेश के लिए इतनी अधिक चिंता की ताकि इन उन्ही बातों को पूरा करे, जैसा उसने कहा था, इतना तक कि वह मर गया और फिर से जी उठा ताकि उन लोगो को पवित्र आत्मा के द्वारा भेजे, वो सहायक, उसकी सेवकाई को दिखाने के लिए कि वह अब भी जीवित है। उसने बहुत अधिक चिंता की। क्या हम चिंता नहीं करेंगे? यही वो बात है, क्या हम चिंता नहीं करेंगे? वो इस सेवकाई के लिए मरा। वह इस के लिए मरा जिससे कि पवित्र आत्मा यहां इस दिन के लिए हो सके, ताकि इन बातों को दिखाए। उसने आपकी चिंता की उसने इसे यहां लाने के लिए चिंता की। उसने उस बयान को देने के लिए चिंता की। उसने चिंता की क्योंकि उसने आपसे प्रेम किया। उसने इसे करने के लिए बहुत अधिक

चिंता की, इसके लिए पवित्र आत्मा को भेजा, आज की इस सेवकाई को बनाता है।

151 इसी तरह से उसने साबित किया उस ने उस दिन की चिंता की, क्योंकि वो इसे प्रमाणित करने आया जो परमेश्वर ने कहा वो होगा। इसी कारण से स्त्री ने उसे पहचान लिया। उसने कहा, "मैं जानती हूं जब मसीहा आयेगा, वो एक भविष्यव्यक्ता है। जब मसीहा आयेगा, तो वो हमें इन बातों को बतायेगा।" देखो, उसने परमेश्वर के वचन के बारे में इतनी अधिक चिंता की ताकि वो इसे उस महिला को प्रमाणित करे। आमीन।

152 अब, उसने पवित्र आत्मा को भेजा, जिससे इस मानसिक विचारधारा के इस दिन में, जिससे वो उसी पवित्र आत्मा के द्वारा हमारे जरिये से साबित कर सके कि वो अब भी मसीहा है, इसे उसी तरह साबित करता है। वो कल, आज, और युगानुयग एक सा है। अब सवाल यह है कि, क्या आप चिंता करते है? आप इसके बारे में क्या सोचते है? ये यहाँ पर है। ये बार–बार और हर बार साबित होता आया है। क्या आप इतना अधिक चिंता करते है कि इस पर विश्वास करे? क्या आप इतनानी अधिक चिंता करते है कि अपने पापों को स्वीकार करे, कि आप गलत हैं? अपने अविश्वास को अंगीकार करें और इसे स्वीकार करें। क्या आप इतना अधिक चिंता करते है कि इसे स्वीकार करे? उसने मरने और फिर से जो उठने के लिए इतनी चिंता की, ताकि इसे आपके लिए लेकर आये। क्या आप इसे स्वीकार करने के लिए अधिक चिंता करते हैं। मैं सोचता हूं कि यह नूह के समय से होते हुए, पूरी तरह से साबित हुआ है, बहुत ही पहले वहां उत्पत्ति से होते हुए पूरी तरह से साबित हुआ है। हमारे पास इस सब को लेने का समय नहीं है। लेकिन आप देखते हैं कि वह चिंता करता है, और वह मरा जिससे कि आप चिंता कर सके, जिससे कि आपके पास एक जरिया हो सके। और उसने उस जरिये को लाया। उसने कहा कि वास्तव में वो जरिया क्या होगा, क्या करेंगा, और अब यहां आज वो दिखा रहा है ये ही वो सत्य है। अब, इस बुरे घडी में जिसमें हम रह रहे हैं, क्या आप इसके बारे में इतनी अधिक चिंता करते हैं, अपने पूरे ह्रदय से, इसे विश्वास करते है?

153 चाहे आप एक प्रार्थना पंक्ति में आये या जो कुछ भी है, ये वो नहीं है, क्या आप चिंता करते है? अपनी चिंताओ को उस पर डाल दो, वो आपकी चिंता करता है। इसके प्रति ईमानदार बने रहे। आपको ईमानदार

बनने के प्रति अधिक चिंता करना होगा, क्योंकि उसने अपने एक प्रमाणित वचन के द्वारा साबित किया है कि वो चिंता करता है। उसने इसे भेजने की प्रतिज्ञा की, वो इसे कर चूका है! उसने वचन में प्रतिज्ञा की है, यहाँ है ये! वो चिंता करता है, अब आपके बारे में क्या? वो है, उसके बाद आपको चिंता करना चाहिये।

154 उसने इतनी अधिक चिता की, उसने इतनी अधिक चिता की कि आपके लिए हर एक शत्रु को जीत लिया, आपको इतना ही करना है कि सच्चे बने रहे और इसे विश्वास करे। उसने मौत पर विजय प्राप्त की। जय पाने के लिए, मृत्यु कुछ भी नहीं है; इस पर पहले ही जय पा लिया गया है। जय पाने के लिए बीमारी कुछ भी नहीं है; ये मसीह के जीतने के लिए नहीं है; इसे पहले ही जीत लिया गया है। मुझे बस इसे विश्वास करने के लिए अधिक चिंता करना है। क्या आपको डर लगता है कि किसी और ने आपको जो बताया है? क्या आपको डॉक्टर के निरक्षण से डर लगता है? क्या आपको डर लगता है कि कलीसिया आपको क्या कहेंगी? क्या आप शैतान का आमना–सामना करने के लिए, खड़े रहने से डरते है? कहे, "मैंने अपने पापो को अंगीकार किया हैं, मैंने सारी चीजों को एक तरफ रख दिया है। मैंने हर वचन पर विश्वास किया है। मैं यहाँ हूँ, प्रभु। मुझ में एक चिंता को निमार्ण करे। मैं... आपने मेरी चिंता की, मैं आपकी चिंता करता हूं।"

155 मैं उस महिमामय पुराने गीत के बारे में सोचता हूं, "वह आपकी चिंता करता है। पूरी तरह से धूप या छाया में, वह आपकी चिंता करता है।"

आइए अब अपने सिर को झुकाये, हम बस और आगे नहीं जा सकते हैं।

वो तुम्हारी चिंता करता है,
वो तुम्हारी चिंता करता है;
धूप या छाया में से होते हुए
वो तुम्हारी चिंता करता है।

आइए हम इसे उसके लिए गाये, अपने सिर और हमारे हृदय को झुकाने के साथ।

वो चिंता करता है...

आइये देखे कि उसने क्या किया है।

वो तुम्हारी चिंता करता है;
धूप या छाया में से होते हुए,
वो तुम्हारी चिंता करता है,
वो चिंता...

अब, यदि आप चिंता करते हैं, तो इसे गाते समय अपना हाथ उठाये।

वो तुम्हारी चिंता करता है;
धूप या छाया में से होते हुए,
वो तुम्हारी चिंता करता है

156 स्वर्गीय पिता, इस समय पर इस दिन की घडी के चढने में, हम अपने ह्रदय की गहराई से अंगीकार को कर रहे है, जिसे हम अब वचन के द्वारा जानते हैं कि आप हमेशा ही आपके अपनों की चिंता करते है। लेकिन परेशानी यह है, क्या हम चिंता करते है? क्या हम केवल शिक्षा को पाना चाहते हैं, कहते हुए, "ठीक है, मेरे पास डॉक्टर की डिग्री है, या—या एल.एल.डी है"? यह *दवा के पर्चे* को जानना है, ये इसे लेना नहीं है।

157 परमेश्वर, आज मैं प्रार्थना करता हूं, कि हम में से हर एक मसीह के दुखों को हमारे अपने ह्रदय में लेकर जाये, उसकी सतावट को अपने ऊपर ले, यह समझते हुए कि हमें अवश्य उसके नाम की निंदा को सहन करना ही हैं, जिसे हमें सहन करना अवश्य है। और होने पाये हम वापस उस पुराने समय के चेलो के समान हो, हम आनंदित है कि हमें उनके नाम की निंदा को सहने का सौभाग्य मिला है। इसे प्रदान करे, पिता।

158 मैं बीमारों के लिए प्रार्थना करने जा रहा हूं, प्रभु, अपने हाथों को उन पर रखते हुए, उनमें से बहुतो ने, उन्होंने अपने हाथ को ऊपर उठाया है, और बहुतो के लिए प्रार्थना की जायेगी, और वे प्रार्थना कार्ड को पकडे हुए है। और कुछ लोग यहां पर हैं जो प्रार्थना कार्ड के समय पर नहीं आ पाये, लेकिन वे—वे—वे विश्वास करने जा रहे हैं, प्रभु। वे उनके हाथों को ऊपर उठा सकते है, मुझे ऐसा दिखाई देता है, सारी सभा के लोग। उनमें से बहुत से बीमार हैं। यहां पर ये रूमाल रखे हुए हैं, अभिषिक्त वचन के द्वारा आपकी दैविक उपस्थिति को महसूस करते हुए, उन्हें चंगा करे, प्रभु। प्रदान दें कि उनके विनंती का उत्तर दिया जाये।

159 और अब रूमाल से लेकर, सभा के लोगो की ओर, उन मनुष्यों की ओर, जो वहां पीड़ित बैठे हुए हैं। ओह, प्रभु की उपस्थिति, इसे आने

दीजिये, पिता, और उन सभी को चंगा करे। क्या आप, आज सुबह दैविक अनुग्रह की उपस्थिति में, जब हम अंगीकार करते है, प्रभु... ? मैं आपका सेवक, मैं एक अयोग्यता को अंगीकार करता हूं। मेरे पास एक भी चीज नहीं है, प्रभु, जिसे मैं आपको योग्यता के रूप में सामने रख सकता हूं। हम अयोग्य हैं। ना ही हम में से कोई भी ऐसा कर सकता है, प्रभु। हम उन चीजों के लिए योग्य नहीं हैं जिन्हें हम मांगने जा रहे हैं। लेकिन, प्रभु, हम यीशु को जानते हैं कि यीशु वहां दूर ऊपर उस महिमा में चला गया, और वहां एक स्थान को तैयार कर रहा है ताकि आकर और हमें अपने निमित अपने आप में ग्रहण करे। और उसने हमें बताया कि वो हमारे लिए एक सहायक को भेजेगा, जो कि पवित्र आत्मा होगा, और वो अपने काम को करेगा और वो हमेशा लिए हमारे साथ बना रहेगा।

160 हे पवित्र आत्मा, परमेश्वर का आत्मा, आज सुबह नये सिरे से हमारे ऊपर आओ, और अपनी उपस्थिति को उसी तरह से प्रमाणित करे, प्रभु, जो आपने किया जब आप यहां धरती पर चले, जिससे ये श्रोतागण जान सके कि आप इस अंतिम दिन में यहां पर हैं ताकि अपने वचन को साबित करे और ये साबित करने के लिए, "जैसा कि ये लूत के दिनों में था, वैसा ही मनुष्य के पुत्र के आने पर भी होगा।" प्रभु, ये आपके आदर और महिमा के लिए हम इसे मांगते हैं, जब हम अपने अंगीकार के साथ आपको खुद को सौपते हैं। अपने लहू के द्वारा हमें शुद्ध करे, प्रभु। हमें वचन के जल से धोये, और हमें लहू में शुद्ध करें। और प्रभु, हमें "उदाहरण" के रूप में प्रस्तुत करे, जैसा कि पतरस ने कहा जो आज सुबह वचन में पढ़ा, अविश्वासी संसार के लिए उदाहरण बने। क्योंकि हम इसे यीशु मसीह के नाम से मांगते हैं। आमीन।

161 मैं अब बहन से पूछूंगा... और पियानो, अब कुछ क्षण के लिए। आज रात हमें जरा देर होगी, लेकिन, ओह, मेरा भी ज्यादातर आना नहीं होता है। अब हमारे साथ थोडा सा धैर्य रखें, अब हर एक जन बस कुछ ही मिनटों के लिए बना रहेगा, हम सभी लोगो के लिए प्रार्थना करने जा रहे हैं। बिली, बिली पॉल, वो कहाँ पर है? तुमने कहां दिए है, तुमने प्रार्थना के कार्ड कहाँ दिए हैं? ये किस तरह था? बी, एक से लेकर सौ। आइए अब बी में से कुछ लें लेंगे और देखें कि क्या वो हमें परख को देगा। यह किस तरह से है? देखें कि वह हमारे साथ यहाँ है या नहीं। बस उससे मांगे, आपको विश्वास है कि वो इसे करेगा? मैंने प्रचार किया है और मैं—मैं

अभिषिक्त था, लेकिन अब इसी अभिषेक से मैंने यहाँ तक प्रचार किया है, आप देखते हैं।

162 और आइये लोगो को खडा करेंगे। तो, हम उन सब के लिए प्रार्थना करने जा रहे हैं, किसी भी तरह, अब एक नंबर से शुरू करेंगे। बी कौन है, नंबर एक? खड़े हो जाये, जिसके पास प्रार्थना कार्ड है। नहीं, मैं बस उन्हें सीधे यहाँ पर लाने जा रहा हूं, वे इस गलियारे से बाहर निकलकर और यहाँ आ जाये। बी आ जाये, नंबर एक, जिसके पास है, प्रार्थना कार्ड नंबर एक? आपका मतलब है कि ये इमारत में नहीं है? तो ठीक है, हम आरंभ करेंगे... ओह, मुझे क्षमा करे, महिला। तो ठीक है, अच्छी बात है। बी, नंबर दो, तो फिर यदि हम पहले से ही एक से आरंभ कर चुके हैं। तो बी, नंबर दो आ जाये। ये किसके पास है, क्या आप अपना हाथ उठायेगे ताकि हम इसे देख सकें? यहाँ आ जाये, महिला, ठीक यहाँ पर। तीन, किसके पास तीन है? आइए, हमारी पंक्ति को वहां दूर दीवार से होते हुए चालू करे, हम बढ़ते हुए, या कहीं से तो वापस आ जायेंगे। तो, ठीक है, प्रार्थना कार्ड नंबर तीन, कौन आयेगा? क्या यह महिला यहाँ आ रही है? बहन, मुझे क्षमा करे, मैंने आपके हाथ को नहीं देखा। नंबर चार, किसके पास प्रार्थना कार्ड नंबर चार है? क्या आप अपना हाथ उठायेंगे ताकि मैं देख सकूं कि आप कौन हैं? वो वहां पीछे वो व्यक्ति है, अश्वेत भाई, क्या आप यहां आयेंगे, श्रीमान, नंबर चार। नंबर पांच, किसके पास पांच नंबर हैं? वो वहां पीछे सज्जन व्यक्ति, क्या आप यहां आयेगे, क्या आप—आप आयेंगे? छः नंबर, किसके पास प्रार्थना कार्ड छः है, क्या आप अपना हाथ उठायेंगे? यहां पर है, तो ठीक है, छह, महोदय। सात. अब, इससे आप बस भीड़ होने से बच सकते है। सात, तो ठीक है, यहाँ पर आ जाये, सात। अब आठ नंबर, अब आप... क्या आप आयेंगे, श्रीमान? नंबर नौ। तो तो ठीक है, श्रीमान। नंबर दस। तो ठीक है, वो छोटा लड़का।

163 जब हम इसके बारे में सोच रहे हैं, वो सबसे प्यारी चीज; जब मैं अंदर आया, उस छोटे लड़के, जो बस मुझे इसके विषय में सोचने के लिए लगभग मोहित कर देता है। कुछ समय पहले एक छोटा लड़का खड़ा था, उसने कहा, "भाई ब्रन्हम, क्या आप मेरे लिए कुछ तो करेंगे? " बस जो लगभग छोटे से आकार का किशोर है।

मैंने कहा, "वो क्या है, पुत्र? "

164 उसने कहा, "मेरी मां के लिए प्रार्थना करे।" कहा, "वो ऐसे ही व्यर्थ में परमेश्वर का नाम लेती है, और उसका बहुत ही भद्दा जीवन है।"

मैंने कहा, "तुम कहाँ रहते हो? यहां इस शहर में? "

कहा, "हाँ, श्रीमान।"

165 वो चाहता था कि उसकी माँ एक भली महिला बनें। और, कोई आश्चर्य नहीं, यशायाह ने कहा, "एक बच्चा उनका नेतृत्व करेगा।"

166 नंबर दस नंबर, क्या नंबर दस नहीं है? ठीक है, नंबर ग्यारह। ठीक है, नंबर बारह, नंबर बारह। तो ठीक है, नंबर तेरह, चौदह। ठीक है, पंद्रह। पंद्रह, मैंने इसे नहीं देखा, नंबर पंद्रह। सोलह। तो ठीक है, इस तरफ से घूमकर आये, श्रीमान, अगर आप करेंगे, सोलह। सत्रह, अठारह। अठारह, मैंने इसे नहीं देखा। ठीक है, महिला, या बहन, अठारह। ठीक है, अब उस तरह जाओ, महिला, अगर आप करेंगे, तो इस तरह से बाहर जाओ। अब देखे, जब प्रार्थना पंक्ति लगाते है, तो उनके लिए एक समय में इतने ही लोग खड़े रहना काफी है।

167 जब प्रार्थना की पंक्ति कम होती जाती है, देखो, तब बिली पॉल या उनमें से कोई तो मंच से यहां आ जाये... भाई नेविल, भाई नेविल, उसके कुछ देर बाद भाई नेविल को आ जाये, जब आप उन्हें देखते हैं... अब, जब आप भाई नेविल को देखते है, देखते है कि वे प्रार्थना पंक्ति को तैयार कर रहे है... वह इस तरह से संकेत करेंगे, क्योंकि मैं पवित्र आत्मा के लिए प्रार्थना करने जा रहा हूं...

168 अब, ये व्यक्ति, जो व्हील चेयर में है, आपको प्रार्थना कार्ड मिला है, श्रीमान? उसके—उसके पास उसका प्रार्थना कार्ड था। तो ठीक है, अब आप उन्हें सीधे प्रार्थना पंक्ति में लेकर जा सकते हैं। अब, क्या कोई और है जो—जो—जो यहाँ पर है, कि आप उठ नहीं सकते? कोई तो उनकी सहायता करे, यदि वे... जब उनका—उनका समय आता है, तो उन्हें देखें। अब, आप बस सोचे, मैं वहां से आरंभ करूंगा जहाँ से मैंने छोड़ा था, मैंने वहां लगभग अठारह या बीस से छोडा था, वहीं कही आस–पास, उसके बाद आप वहां इक्कीस, बावीस से आरंभ करे, आप अपने स्थान को जानते हैं जैसे आप इसमें आते हैं।

169 अब क्या आप चिंता करते है? क्या आपको विश्वास है कि उसने हमेशा ही चिंता की है? क्या आपको विश्वास है कि वो अभी चिंता करता

है? यदि—यदि उसने एक बार चिंता की है, तो वह हमेशा चिंता करेगा। आप ये विश्वास करते हो? [सभा कहती है, "हाँ!"—सम्पा।] अब मैं चाहता हूं कि हर एक जन बस बहुत ही आदर के साथ, अपने स्थान पर रहकर और प्रार्थना करें। अब, आप सभा के लोग भी प्रार्थना करे। अब, उसने कैसे चिंता की? क्योंकि वह और अधिक चिंता नहीं कर सकता है, और ना ही कोई भी व्यक्ति या कोई भविष्यद्वक्ता, कोई भी परमेश्वर की प्रतिज्ञा किए हुए कार्य की सीमाओं से बाहर नहीं जा सकता है। क्या यह सही है? अब, मैं परवाह नहीं करता, हो सकता है कि आप प्रार्थना की पंक्ति में से सौ बार होकर निकले हो, लेकिन अब आप जो खड़े हुए हैं, और आप जो बैठे हुए हैं, यदि आपके जीवन में पाप है, अविश्वास है, इसे अभी अंगीकार करें। ऐसा किये बिना यहां आने की हिम्मत ना करे। यदि आप—आप यहां से होकर आ सकते हैं और इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वो एक मनुष्य कितना भी अभिषेक किया गया हो, और वो खड़े होंगे और आप पर हाथ रखें, आप निश्चित रूप से इससे सौ मील चूक जायेंगे, जब तक आप इसे विश्वास नहीं करते हैं। आपको विश्वास करना ही है। आपको इसे अंगीकार करना ही होगा। आपको इसे करना होगा। देखो, उसके बाद यदि आप यहां देखते हैं, किस तरह से वहां... मैं आशा करता हूं कि आपको तस्वीर मिल गयी होगी। समझे? परमेश्वर के लिए यह पूरी तरह असंभव है कि आपके लिए अपने वचन को न रखें, यदि आपने अपने वचन को परमेश्वर के लिए रखा है। समझे? यदि आप वास्तव में विश्वास करते हैं, तो कोई भी आपको इस पर संदेह नहीं करवा सकता है। समय, दुरी, और कुछ भी आपको इस पर संदेह नहीं करवा सकता है। आप इसे विश्वास करते है। क्या आप इसे विश्वास करते है? [सभा कहती है, "हाँ! आमीन!"—सम्पा।]

170 अब, अब मैं इस प्रार्थना पंक्ति को देखने जा रहा हूं। सो जहां तक मैं जानता हूं, यदि यह आदमी यहाँ है, मैं उसे जानता हूं; और मैं जानता हूं, मैं वहां जीन स्लॉटर को जानता हूं, मैं उसे जानता हूं; उस के बाहर... और मैं नहीं जानता कि वे वहां किसलिए खड़े हैं। मुझे अंदाजा नहीं है कि वे वहां किसलिए हैं। परमेश्वर जानता है। और अब यदि आप सभी जानते हैं कि मैं आपके बारे में कुछ नहीं जानता, तो अपने हाथ उठाये, आप जो वहां खड़े है। अब, इस श्रोतागण में कितने लोग जानते हैं कि मैं आपके बारे में कुछ भी नहीं जानता, अपने हाथ उठाये। अब कितने लोग जागरूक हैं कि यीशु

मसीह आपके बारे में जानता है?

171 और कितने यह कहने की इच्छा रखेंगे? मैं विश्वास करता हूं [सभा कहती है, "मैं विश्वास करता हूं।"—सम्पा।] मेरे पूरे हृदय से ["मेरे पूरे हृदय से"] कि यीशु ने ["यीशु ने"] मुझे चंगा किया ["मुझे चंगा किया"] जब उसे क्रूस पर चढ़ाया गया था ["जब उसे क्रूस पर चढ़ाया गया था"] कलवरी पर ["कलवरी पर"] ये सही है। देखा? अब, यदि वह पहले से ही कर चुका है, उसके बाद ये आपका विश्वास होता है कि इसे स्वीकार करे। अब, वो इसे करने के लिए बहुत ही चिंता करता है, क्या आप हर संदेह को दूर रखने के लिए उतना अधिक चिंता करते हैं, और इसे विश्वास करते हैं? उस पर अपनी चिंता को डाल दे, क्योंकि वह आपकी चिंता करता है।

172 अब, यदि आप बीमार हैं, यदि आप पीड़ित हैं, मैंने देखा है, तो, आप जानते हैं, कि पवित्र आत्मा ने हजारों बार, हजारों चीजों को कर चुका हैं। और आप जानते है; कमजोर और अपाहिज, यहां तक कि मृत होने पर भी।

173 एक व्यक्ति ठीक यहाँ मंच पर मर गया था, यहां हमारे सामने, लगभग तीन हफ्ते पहले की बात है। उसकी पत्नी यहां एक पंजीकृत नर्स है। और वो व्यक्ति ठीक तब मर गया था। वो यहीं कहीं पर बैठा है। यहां उसकी पत्नी अभी बैठी हुई है, और—और वो अभी यहां कहीं तो ऊपर है। हाँ, वह यहाँ खड़ा है। आंखें ऊपर की ओर चढ़ गईं थी, वो इस तरह से काला पड़ गया था, तो वहां... गिरा पड़ा था, और मैं नीचे चला गया। उसकी पत्नी ने उसकी जांच की, ना ही धड़कन, ना ही उसकी नाडी चल रही थी। मैंने अपने हाथ को उस पर रखा (वह चला गया था) और तब यीशु मसीह के नाम में उसकी आत्मा को पुकारा, और वो उठ खड़ा हुआ। देखा? देखा?

174 ये क्या है? वह पुनरुत्थान और जीवन है। ये मैं नहीं था। वह सहायक था जिसने उस कार्य को किया, पवित्र आत्मा हमारे लिए बिचवाई को कर रहा था। देखा? हमने उसे स्वीकार किया है, अब यह उस पर है कि बिचवाई को करे। तब मैं कितना अधिक कर सकता... क्या परमेश्वर आपको आपकी इच्छा के विरुद्ध बचा सकता है? निश्चय ही नहीं। वह

आपकी इच्छा के विरुद्ध आपको चंगा नहीं कर सकता है। आपको इसे विश्वास करना है।

175 अब, यह क्या होगा, यदि—यदि वह साबित कर सकता है, यदि परमेश्वर मुझे एक दैविक दान के द्वारा करने देता है आपको दिखाता है कि यीशु मसीह हमारे साथ है, कि यह सहायक यीशु मसीह है, वह बचन है। "आदि में वचन था।" क्या यह सही है? "वचन परमेश्वर था। और वचन देहधारी हुआ और हमारे बीच में रहा।" और बाइबल ने इब्रानियों 4 में कहा, "परमेश्वर का वचन दोधारी तलवार से भी तेज है, जो ह्रदय के विचारों का परखता है।" क्या यह सही है? और यही है वो जो यीशु ने किया यह साबित करने के लिए कि वह अभिषिक्त वचन, मसीहा था। ओह, प्रभु! क्या आप उसे नहीं देखते हो? मसीहा क्या है? वो एक जो अभिषिक्त है। अभिषिक्त क्या? अभिषिक्त वचन! "और वचन देहधारी हुआ था।" वो अभिषिक्त वचन था! क्या आप देखते हैं, भाई वैल? देखो, वह अभिषिक्त वचन है!

176 और अब जब आप अपने आपको उसे समर्पित करते हैं, तब वो आप जो कुछ जानते है वो उससे भी परे आपको उपयोग करता है, साबित करता है कि वह अभी भी अभिषिक्त वचन है, एक ह्रदय के विचारों का परखने वाला है। ओह, भला कैसे, किसी को संदेह हो सकता है? केवल विश्वास करें। संदेह ना करो। और अब आप वहां बैठे हुए हैं, मैंने—मैंने आज सुबह उस विषय को पहुंचा दिया है। जब एक छोटी महिला ने चिंता की कि शायद वह प्रार्थना पंक्ति में नहीं जा रही थी, लेकिन उसने उसके वस्त्र के किनारे को छुआ और वह पीछे की ओर मुड़ा। क्या आप इसे विश्वास करते है? क्या आप विश्वास करते है कि इसे आज फिर से किया जा सकता है? हाँ। अब, आप इसे कैसे छूयेंगे?

177 बाइबल ने कहा कि वह महायाजक है, ठीक अभी वो एक महायाजक है, जो परमेश्वर के तेज के दाहिने हाथ पर बैठा है, हमारे अंगीकार पर बिचवाई को करने के लिए। हम स्वीकार करते हैं कि हम उसे विश्वास करते हैं, और हम महायाजक को छूना चाहते हैं। और हम उसे छूते हैं, वो कैसे कार्य करेगा? वह पवित्र आत्मा के रूप में यहां पर है। तब वो उसमें से बात करेगा और आपको बिल्कुल सही–सही बताएगा। क्या यह सही है? अब आप विश्वास करे और बस बैठे रहें, शांत रहें, आदर रखें और देखते

रहे। अब, यदि वह कम से कम तीन बार ऐसा करेगा, तो उतना काफी होगा, क्या ऐसा नहीं है? तीन बार, यदि वो ऐसा करता है। एक, दो, तीन, यदि वह ऐसा करता है।

आप कैसे हैं?

178 अब, बस कुछ क्षण के लिए जब हम प्रार्थना करते हैं। देखो, ऐसा है, मैं नहीं करता... यह ऐसा कुछ तो है जो ठीक अभी कुछ अलग ही है; प्रचार करते आ रहा था, और फिर इस पर आ गया। अब, मैंने लंबे समय से प्रभु को इस बात के लिए नहीं पुकारा है, लेकिन परमेश्वर मेरे ह्रदय को जानता है, और होने पाये वो आपके विनंती को प्रदान करे। और मैं विश्वास कर रहा हूं, कि वह इसे करेगा।

179 अब, यहाँ एक महिला खड़ी है, हम एक दूसरे के लिए अजनबी हैं। जहां तक मैं जानता हूं, मैंने उसे अपने जीवन में कभी नहीं देखा है। वो शायद कहीं तो श्रोतागण में बैठी हुई है या मुझे कुछ साहित्य रचना के द्वारा जानती है, लेकिन स्वर्गीय पिता जानता है, जहां तक मैं जानता हूं, मैंने अपने जीवन में कभी भी उसकी ओर आँखें नहीं डाली है। वो एक अजनबी है।

180 अब, यदि वो एक सा है, तो यहां एक पुरुष और एक महिला मिलते है जैसे यीशु ने कुएं पर उस एक स्त्री से मुलाकात की, जिसके लिए मैंने कुछ समय पहले बताया था। उसने उस स्त्री की चिंता की। अब, यह महिला शायद उस तरह से दोषी नहीं है जैसे वो महिला थी, लेकिन कुछ तो गलत है। लेकिन वह बस उसके बारे में उतनी ही चिंता करता है जितना वह उस महिला के लिए करता है। देखो, वो चिंता करता है। अब, और जब उसने उसे देखा, तो उसने उसे पहचान लिया। अब हम दोनों यहां इस तरह से खड़े हैं। अब, मैंने उसे कभी नहीं देखा है।

181 अब, यदि वो महान पवित्र आत्मा, वो अदृश्य, अब यदि विश्वास की चेतनाये उसे मेरे बारे में बतायेगी। वह विश्वास की चेतनाओ को लाया है, और उसके वचन ने इसे अंतिम दिनों में इतना करीब लाया है, इतना तक वहां उसके पास इसकी तस्वीर है। वो इसे हमारे चेतनाओ के इतना करीब लाया है, अभिषिक्त, और वहां दूर जाकर और उसे देखा है और आग के स्तंभ के रूप में वहां मंडरा रहा है। क्या वो नहीं है? अब वो यहाँ पर है, मैं जानता हूं कि वह यहाँ पर है। मेरा विश्वास कहता है कि वह यहाँ पर है।

अब यदि वो इस महिला के जीवन को पकड़ने के लिए यहां खुद को पर्याप्त रूप से बस प्रकट कर सकता है, देखो, उसने प्रतिज्ञा की है कि वह करेगा। पवित्र आत्मा वही काम को करेगा जो उसने किया था।

182 अब मैं, प्रचार करते आ रहा हूं, मैं केवल देखने के लिए बस एक मिनट आपसे बात करना चाहता हूं।

183 जैसे उसने कुएं पर महिला से बात की, उसने कहा, "मेरे लिए जल लेकर आओ।" आप जानते है, वह बस... वह शायद वहां बैठा हुआ उनके बारे में सोच रहा था कि जाकर वे भोजन को लेकर आयेंगे, और फिर उसने उस स्त्री से कुछ मिनट बात की थी, आप जानते हैं। पिता ने उसे वहां भेजा था। उसको जाना था। वह येरीहो को जा रहा था; और वो ऊपर सामरिया चला गया, जो वहां पहाड़ पर है, उसे "वहां से होकर जाने की आवश्यकता" थी।

184 ठीक है, किसी भी तरह या किसी और, मुझे आवश्यकता है, पिता ने मुझे यहाँ एरिजोना से भेजा, और आप अंदर आये। इसलिए यह सब एक ही बात है। कुछ भी अचानक से नहीं होता है, यह सब किसी कारण से होता है। परमेश्वर का अनुग्रह, सही है।

185 अब, आपको नहीं जानते हुए, और आप वास्तव में बहुत ही स्वस्थ दिखती हैं, और ऐसा नहीं हो सकता कि आप यहां पर हैं। यह कुछ तो और हो सकता है। यह किसी प्रियजन के लिए हो सकता है, यह पारिवारिक, आर्थिक हो सकता है। मेरे पास जानने का कोई तरीका नहीं है, आप इसे जानते हैं। लेकिन यदि वो मुझे समझाएगा कि आप यहां किसलिए हैं, तो आप जान लेंगे कि यह सच है या नहीं। और क्या तब श्रोतागण एक ह्रदय के साथ विश्वास करेंगे? अब आप हमें सुन रहे हैं, और यह टेप किया गया है, और हम बस यहां मंच पर खड़े हैं।

186 वो महिला, मैं उसे देखता हूं वो अपने सिर को इस तरह से ऊपर पकडे हुए है। उसे है, उसे सिरदर्द हैं जो उसे परेशान कर रहा है, जैसे आधा सिर दर्द होता है। यह सिरदर्द लगातार हर समय होता आ रहा है। यह सच है। यदि यह सही है, तो अपना हाथ ऊपर उठाये। देखा? ये सही है। एक और बात, उसे थायरॉइड की परेशानी है, जो उसे बताया गया है किसी भी तरह, यह—यह आपको परेशान कर रहा है, और वो सही है, यह थायराइड है। और फिर आपके पास कुछ परेशानियां हैं, बस आपके साथ कई सारी चीजें

गलत हैं; घबराहट, परेशानी, निराश हो जाते हो, "कभी–कभी सोचता हूं कि मैं कहां खड़ा हूं, और क्या मैं अंदर हूं या बाहर हूं।" और यह सही बात है। यह सच है। अब, वह आपको जानता है, अब आप छुपा नहीं सकती यदि आप करती है तो। देखा? आप विश्वास करती हैं कि वह मुझे बता सकता है कि आप क्या हैं, आप कौन हैं? तो ठीक है, विओला, आप घर लौट जाये, यीशु मसीह आपको चंगा करता है।

क्या आप विश्वास करते हैं?

187 मैं नहीं जानता। यीशु मसीह सारी चीजों को जानता है। यह मेरे लिए एक और अजनबी है। परमेश्वर हम दोनों को जानता है। क्या आप मुझे उसका नबी करके मानते है, उसका दास होने का विश्वास करते हैं? क्या आप इन बातों पर विश्वास करते हैं जिन्हें मैंने इस वचन से प्रचार किया है वो सत्य है? आप करते है? यदि प्रभु यीशु मुझे बताएगा कि आप यहां किसलिए हैं, तो क्या आप मेरा विश्वास करेंगे कि मैं उसका सेवक हूं। और वह ऐसा कर रहा है क्योंकि वह आपकी चिंता करता है। वो, उसकी चिंता आपके लिए है, वह ऐसा कर रहा है क्योंकि वह आपकी चिंता करता है। वह इन अन्य लोगों की चिंता कर रहा है जो पंक्ति में आये हैं। वह उनकी चिंता करता है। आपको परेशानी थी, एक दुर्घटना, कार से दुर्घटना हुई है। आप सबको इस विषय ने हिलाकर रख दिया हैं। ये सही है। आपके शरीर में परेशानी है। यह सही है। यह ठीक होने जा रहा है, और घबराहट आपको छोड़ने जा रही है, तो बस घर जाये, प्रभु को धन्यवाद देते हुए, और कहे, "प्रभु की स्तुति हो!"

"यदि आप विश्वास कर सकते हैं, तो सब कुछ संभव है।" तो ठीक है।

188 क्या आप विश्वास करती हैं? मैं आपको नहीं जानता, आप मेरे लिए एक अजनबी है। लेकिन परमेश्वर आपको जानता है। क्या आप विश्वास करती है कि वह मुझे बता सकता है कि आपके यहां होने का क्या कारण हैं, या आपके बारे में कुछ तो और बता सकता है? क्या आप इस पर विश्वास करेंगी? [महिला कहती है, "जी हाँ"—सम्पा।] वहां एक और महिला है। आप नहीं थी, देखो। नहीं, यह नहीं है, ये आप नहीं है, आप यहाँ किसी और के लिए है। आप किसी के लिए है, यह आपकी माँ है। यह सही है। उसके भी शरीर के साथ कुछ तो गलत है। ये सही है। वो यहाँ पर नहीं है। वह एक स्थान के पास ही है, मुझे जैसे अंग्रेजी शब्द की तरह

दिखाई देता है, यहां कहीं तो नीचे की तरफ है। आप, यह सही है, क्या आप विश्वास करती हैं? तो ठीक है, आगे बढे। वह चंगी हो गई है। बस चले जाये।

189 वहां दो महिलाएं थीं। उनमें से एक ज्यादा बूढी थी, इसलिए मैंने सोचा कि वो कहां पर है। मैंने देखने लगा कि वो कहाँ—कहाँ पर थी। प्रभु परमेश्वर सब कुछ जानता है, क्या नहीं जानता? और वो सब कुछ कर सकता है। क्या आप यह विश्वास करते है? आमीन। क्या वो अद्भुत नहीं है? मैं उससे प्रेम करता हूं। वो, वो मेरा जीवन है। वह सब है जो मेरे पास है। वह सब कुछ है जो मैं चाहता हूं। बस आगे बढे, उसने आपको चंगा किया है, श्रीमान।

190 वो अभिषेक उस महिला का पीछा कर रहा था। वहाँ एक और महिला बैठी हुई है जो निराशा से परेशान है, और उसकी बांह के नीचे कुछ वृद्धि हुई है। क्या यह सही है? जब उस बहन ने आप पर हाथ रखा, तो आपको एक हास्य पद की अनुभूति हुई थी। क्या यह सही नहीं था? यही है तब, जब उसने आपको चंगा किया है। आप चंगी होने जा रही हैं। यीशु मसीह। देखो वह कहाँ है। वह महिला जो प्रार्थना कर रही थी, या यहां है, देखिए। क्या आपने ध्यान दिया जब वो प्रार्थना कर रही थी, मैं उसके लिए प्रार्थना कर रहा था, क्या हुआ? देखा? मैंने एक और महिला को देखा है, और मैंने उस तरह से देखा। वहां एक महान अनुभूति थी। उन्हें एक दूसरे को जानना चाहिये, कुछ, या वे एक दूसरे से परिचित होना हैं, क्योंकि उस महिला को यहां इस महिला के प्रति भावना अनुभूति हो रही थी। और फिर ये महिला वहां आगे जाती है और उसे छूती है, और, जब उसने ऐसा किया, मैंने देखा और मैंने कुछ तो उस ओर देखा, और वहां वह वहां पर खड़ी थी। मैंने उस महिला को अपने जीवन में कभी नहीं देखा। परमेश्वर जो स्वर्ग में है वो यह जानता है। ओह, प्रभु! आप संदेह क्यों करोगे?

191 यदि आप विश्वास कर सकते हैं, तो वह आपसे आदतें भी दूर कर सकता है। क्या आप यह विश्वास करते हैं? क्या आपको विश्वास है कि वह आपको चंगा करेगा? आगे बढ़ें, और आप इसे ठीक अभी बंद कर देंगे और कभी भी धूम्रपान नहीं करेंगे। जाये, और अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करे। परमेश्वर पर भरोसा रखे। संदेह ना करे।

192 क्या आप विश्वास कर रहे हैं? क्या हमारे पास अभी तक तीन ही हुए हैं? परमेश्वर पर भरोसा रखे। संदेह ना करे। केवल विश्वास करें। क्या आप विश्वास करते हैं कि उसका अभिषेक अब यहां पर है? [सभा कहती है, "जी हां। आमीन।"—सम्पा।] आमीन। संदेह ना करे। विश्वास करे!

193 मैं आप पर हाथ रखने जा रहा हूं, और विश्वास करता हूं। क्या आप मेरे साथ विश्वास करेंगे? [वो पुरुष कहता है, "जी हाँ, श्रीमान।"—सम्पा।] यीशु मसीह के नाम पर, ये भाई चंगा होने दो। आमीन। अब विश्वास करे, संदेह ना करे। जरा एक क्षण रुके।

194 वहां पीछे श्रोतागण में कुछ ऐसा हुआ और मैं इसे नहीं देख सका, यह ठीक यहाँ पीछे है। मैं सोचता है कि यह अभी मुझसे छिपा हुआ है। यही पर है। मैं इसे एक छाया में देखता हूं। ये एक आदमी है, और वो घबराहट से पीड़ित है। उसका एक लड़का है जिसे मिर्गी हुई है। अपने पूरे हृदय से विश्वास करे, श्रीमान। क्या आप करते है? ऐसा ही है। तो ठीक है, वहां उस लड़के पर अपना हाथ रखे और वो ठीक हो जायेगा। आमीन। प्रभु की स्तुती हो।

195 क्या आप विश्वास कर रहे हैं? उस शैतान ने सोचा कि वह उस से छिपा सकता है, लेकिन उसने इसे विफल कर दिया। क्या आप विश्वास करते हैं? वो ठीक अभी भी कहीं आगे बढ़ रही है। ओह, प्रभु, अनुग्रह और चिंता के लिए! कहीं तो और एक और मिर्गी यहाँ पर है। जी हाँ, यहाँ ये ठीक यहाँ पर है। क्या आप विश्वास करते है? भरोसा रखे। क्या आप विश्वास करते है कि परमेश्वर आपको जानता है? आप ओहियो वापस जा सकते हैं, चंगे बने रहें, श्रीमान नेल्सन टी. ग्रांट। यही आपका नाम है। यदि आप विश्वास करेंगे, तो वे चीजें आपको छोड़ देंगी और आपको और परेशान नहीं करेंगी। मैंने अपने जीवन में उस व्यक्ति को कभी नहीं देखा, उसके बारे में कुछ भी नहीं जानता।

अब आप इसे छुपा नहीं सकते, पवित्र आत्मा यहाँ पर है!

196 आइये अब हमारे सिरो को झुकायें और परमेश्वर को स्तुति दे। प्रभु यीशु, हम आपको धन्यवाद देते हैं। आप कल, आज और युगानुयग एक सा हैं। आपका अनुग्रह कभी विफल नहीं होता, प्रभु, यह हमेशा ही एक सा है। मैं प्रार्थना करता हूं कि आपकी महान दया और भलाई लोगों पर बनी रहेगी। आपने काफी चिंता की है प्रभु, कि आकर और खुद को प्रमाणित

करे। आप परमेश्वर हैं। आप बहुत ही एक पवित्र, महान पवित्र आत्मा हैं। अब होने पाये ये लोग विश्वास करे, प्रभु, जैसे वे यहां से गुज़रते हैं, और उनमें से हर एक जन चंगा हो जाये। जैसे आपका अभिषेक यहां पर है, मैं खुद के पास इन रूमालों को रखता हूं। मैं प्रार्थना करता हूँ, प्रभु, कि आप इन विनंतियो को प्रदान करेगे, पिता। श्रोताओं में, दोनों ओर, प्रभु, इसे प्रदान दें।

197 और होने पाये हर एक व्यक्ति जो दैविक उपस्थिति में है, अब पर्याप्त चिंता करे ताकि यह विश्वास करेहै कि आपने अपने लोगों के बीच अंतिम दिन में जी उठने और साबित करने के लिए पर्याप्त चिंता की थी! आप उन्हें चंगा नहीं कर सकते, प्रभु, जिसे आप कर चुके हैं वह नहीं कर सकते हैं। आप पहले ही उन्हें चंगा कर चुके हैं। और यह एकमात्र चीज है जिसे उन्हें विश्वास दिलाने के लिए किया जा सकता है। और आपने प्रयाप्त चिंता की हैं, हालांकि जितना अविश्वास करते हुए हम डगमगाते लगते हैं, आप तब भी पर्याप्त चिंता करते हैं जिससे खुद को दिखाए कि आप हमारे बीच जीवित है और मृतकों से उठे है। होने पाये हम हम अपनी चिंता को उस पर डाल दे, और दैविक उपस्थिति में हर व्यक्ति अपने प्राण और शरीर दोनों में चंगा हो जाये। यीशु मसीह के नाम के जरिये से। आमीन।

198 तो ठीक है, इस तरफ से आ जाये, लोगों को सीधे यहाँ इसके साथ ही आने दो। तो ठीक है, बिली उन्हें भाग, भाग करके बुलायेगा। नहीं, अब आइये और बात ना करे, वो अभिषेक मुझ पर है, देखें। मैं यहां पर हाथ को रखना चाहता हूं जबकि यह यहां पर है। देखा? मैं उस परखने पर नहीं रोक सकता हूं। यदि मैं करता हूं... यहां कितने लोगों के लिए प्रार्थना की जानी है, अपना हाथ ऊपर उठाये। लगभग सत्तर प्रतिशत। देखा? यह ठीक अभी एक बजने में दस मिनट बाकी है। इसके बाद बपतिस्मा की सभा होने जा रही है। मैं इसे नहीं कर सकता, लेकिन आप विश्वास कर सकते हैं। यदि वो पर्याप्त चिंता करता है कि खुद को दिखाये, तो आपको विश्वास करने के लिए पर्याप्त चिंता करनी चाहिये। क्या यह सही है? तो ठीक है, सारे श्रोतागण प्रार्थना करे। और बिली या भाई नेविल, इनमें से एक का उपयोग करेंगे, इस माइक्रोफोन का उपयोग करेंगे। आइए हम अपने सिर को नीचे की ओर रखें और प्रार्थना करे जब वे पंक्ति से होकर गुजरते है। अब, मैं आप में से प्रत्येक के लिए प्रार्थना करने जा रहा हूं, आप पर हाथ रखकर और मांगूंगा कि आप जिस किसी दुष्ट से ग्रस्त है, वो आपमें से निकल जायेंगे

जब आप ठीक अभी इस अभिषिक्त स्थान के नीचे से गुजरते है, यदि मैं इसे इस तरह से रखता हूं। वो अभिषेक पीछे भी उसी तरह से है जैसा से यहां है। लेकिन मैं ऐसा कहके इसे आपके विश्वास के लिए बनाता हूं। सभी लोग अब प्रार्थना करे।

199 यीशु मसीह के नाम में, होने पाये ये छोटा लड़का चंगा हो जाये। आमीन। परमेश्वर, यीशु मसीह के नाम में, हमारा भाई चंगा हो जाये। यीशु मसीह के नाम में। मैं आपके आदेश का पालन कर रहा हूँ, प्रभु। आपने कहा, "ये चिन्ह विश्वासियों के पीछे जायेंगे।" हम दोनों, विश्वासियों के। "यदि वे बीमारों पर अपने हाथ को रखते हैं, तो वे चंगे हो जाएंगे।" यीशु के नाम में, मैं इस कार्य को करता हूं। यीशु मसीह के नाम में, मैं इस भाई पर हाथ को रखता हूं। आमीन। यीशु मसीह के नाम में, मैं अपने भाई पर, उसके चंगाई के लिए हाथ को रखता हूं। आमीन।

200 वह आपकी चिंता करता है, बहन। मैं चिंता करता हूं कि अपने हाथ को रखूं। क्या आप विश्वास करने के लिए पर्याप्त चिंता करते हैं? आमीन। यीशु मसीह के नाम में, ऐसा होना जाये कि हमारी बहन चंगी हो जाये।

201 यीशु मसीह के नाम में, हमारा भाई चंगा हो जाये। यीशु मसीह के नाम में, हमारा भाई चंगा हो जाये। यीशु मसीह के नाम में, हमारी बहन को चंगी हो जाये। यीशु मसीह के नाम में, हमारा भाई चंगा हो जाये। यीशु मसीह के नाम में, हमारा भाई चंगा हो जाये। यीशु मसीह के नाम में, हमारी बहन चंगी हो जाये। यीशु मसीह के नाम में, हमारा भाई चंगा हो जाये। यीशु मसीह के नाम में, हमारा भाई चंगा हो जाये। यीशु मसीह के नाम पर, हमारा भाई चंगा हो जाये। यीशु मसीह के नाम में, हमारी बहन चंगी हो जाये। यीशु के नाम में, मेरी इस बहन को चंगा करे, प्रभु। यीशु के नाम में, मेरी इस बहन को चंगा करे। यीशु के नाम में, मेरे भाई को चंगा करे। यीशु मसीह के नाम में, मेरी इस बहन को चंगा करे। यीशु मसीह के नाम में, मेरी इस बहन को चंगा करे। यीशु मसीह के नाम पर, मेरी बहन को चंगा करे। प्रभु यीशु मसीह के नाम में, मेरी बहन को चंगा करे।

भाई, वो चिंता करता है। क्या आप करते है? यीशु के नाम में, चंगा हो जाये!

202 अब सभी लोग प्रार्थना में रहे, सभी प्रार्थना करे। यह यहाँ से आते हुए आपके लोग हैं।

203 यीशु के नाम में, मेरी बहन को चंगा करे। यीशु के नाम में, मेरे इस भाई को चंगा करे। आमीन। यीशु मसीह के नाम में, मेरे इस भाई को चंगा करे। यीशु मसीह के नाम में, मेरी बहन को चंगा करे। यीशु मसीह के नाम पर, मेरी बहन को चंगा करे। यीशु मसीह के नाम में, मेरी बहन को चंगा करे। यीशु के नाम में, मेरी छोटी सी बहन को चंगा करे। यीशु मसीह के नाम में, मेरी इस बहन को चंगा करे। यीशु मसीह के नाम में, मेरी इस बहन को चंगा करे, प्रभु। यीशु के नाम में, मेरी इस बहन को चंगा करे। यीशु मसीह के नाम में, मेरी इस बहन, मेरे भाई को चंगा करे। मेरी इस बहन को चंगा करे। मेरी इस बहन को चंगा करे, प्रभु। मेरी इस बहन को चंगा करे, मैं यीशु के नाम में प्रार्थना करता हूं। यीशु के नाम में मेरी बहन को चंगा करे, पिता। यीशु के नाम में मेरी बहन को चंगा करे।

204 बहन, वो चिंता करता है। क्या आप करती है? यीशु के नाम में, अपनी चंगाई को ग्रहण करें। यीशु के नाम में, अपनी चंगाई को ग्रहण करें, बहन। यीशु के नाम में, अपनी चंगाई को ग्रहण करें। यीशु मसीह के नाम में, अपनी चंगाई को ग्रहण करें। यीशु मसीह के नाम में इसे चंगा करे, मेरी बहन को। यीशु के नाम में इसे चंगा करे, मेरी बहन को, पिता। यीशु के नाम में इसे चंगा करे, मेरे भाई को। यीशु के नाम में इसे चंगा करे, मेरी बहन को। यीशु के नाम में हमारी बहन को चंगा करे। यीशु मसीह के नाम में मेरे भाई को चंगा करे, प्रभु। यीशु की नाम में मेरी बहन को चंगा करे, पिता। यीशु के नाम में इसे चंगा करे, मेरे भाई को। यीशु के नाम में मेरी बहन को चंगा करे। यीशु की नाम में मेरी बहन को चंगा करे। यीशु के नाम में छोटे लड़के को चंगा करे। यीशु के नाम में, भाई क्रीच को चंगा करे प्रभु। यीशु के नाम में हमारी इस बहन को चंगा करे। यीशु मसीह के नाम में हमारी इस बहन को चंगा करो। यीशु मसीह के नाम में, पिता, दोनों को चंगा करे। आमीन।

205 परमेश्वर आपको आशीष दे, भाई। क्या ये आपका बालक है? ये आपकी पत्नी है? अच्छा, मुझे यह नहीं पता था। परमेश्वर आपको आशीष दे, भाई। यीशु के नाम में इसे चंगा करे, मेरे भाई को। यीशु के नाम में इसे चंगा करे, मेरी बहन को, पिता। यीशु के नाम में इसे चंगा करे, मेरी बहन को। यीशु के नाम में इसे चंगा करे, मेरे भाई को। यीशु के नाम में इसे चंगा करे, मेरी बहन को। इसे चंगा करे, प्रभु, यीशु मसीह के नाम में। यीशु मसीह के नाम में इसे चंगा करे, मेरी बहन को। यीशु के नाम में इसे चंगा करे, मेरे भाई को। उन्हें चंगा करे, पिता, यीशु के नाम में।

206 मैं अपनी सच्चाई की प्रार्थना को अर्पण करता हूं, हर एक जन। अब आप चिंता करते है यीशु चिंता करता है। यीशु ने संदेश को भेजा। यीशु ने अपनी आत्मा को भेजा। यीशु ने अपना वचन भेजा। यीशु ने अपने दास को भेजा। हम सभी चिंता करते है। अब क्या आप करते है? यदि आप चिंता करते हैं, तो इसे विश्वास करें, इसे सच्चाई से स्वीकार करें, इसे किया जाएगा।

यीशु के नाम में, मेरे भाई को चंगा करे।

यीशु के नाम पर, इसे चंगाई दे, मेरी बहन को।

यीशु के नाम में, मेरी बहन को चंगा करे।

यीशु के नाम में, मेरे भाई को चंगा करे।

207 परमेश्वर, यीशु मसीह के नाम में, इसे चंगाई दे, मेरी बहन को। इसे प्रदान करे, पिता।

यीशु मसीह के नाम में, मेरी बहन को चंगा करे।

यीशु मसीह के नाम में, इसे चंगाई दे, मेरी बहन को।

यीशु मसीह के नाम में, मेरी बहन को चंगा करे।

प्रभु, यीशु के नाम में, इसे चंगाई दे, मेरे भाई को।

208 हे स्वर्ग के परमेश्वर, चंगाई के लिए दया करे; इसे प्रदान करे, प्रभु। होने पाये मांस और शक्ति यीशु मसीह के नाम पर आ जाये।

परमेश्वर, यीशु मसीह के नाम में, इसे चंगाई दे, मेरे भाई को।

परमेश्वर, हमारी बहन यहाँ कुर्सी पर है, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप उसे चंगा करे और ठीक करें, प्रभु, यीशु के नाम में।

209 परमेश्वर, यहां हमारी बहन, जो प्रेम दान के अच्छे कार्य में है, यीशु के नाम में इस महिला की सहायता करें।

परमेश्वर, यीशु मसीह के नाम पर, इसे चंगाई दे, मेरे बहन को।

परमेश्वर, मेरे भाई को चंगा करे, मैं प्रार्थना करता हूं, यीशु मसीह के नाम में।

परमेश्वर, यीशु मसीह के नाम में, इस बुजुर्ग महिला को चंगा करे।

यीशु मसीह के नाम में इस महिला को चंगा करे।

यीशु के नाम में चंगा करे... ? ...

यीशु मसीह के नाम में, इसे चंगाई दे, मेरी बहन को।

यीशु के नाम में, चंगा करे... ? ... प्रभु।

यीशु के नाम में, मेरे भाई को चंगा करे।

यीशु के नाम में, इस एक को चंगा करे, प्रभु।

यीशु मसीह के नाम में, मेरे भाई को चंगा करे।

यीशु मसीह के नाम पर, इसे चंगाई दे, मेरी बहन को।

यीशु मसीह के नाम में, चंगा करे... ? ...

यीशु मसीह के नाम में, मेरे भाई को चंगा करे।

भाई को चंगा करे... ? ... [टेप पर खाली स्थान।—सम्पा।]

210 पूरी ईमानदारी के साथ आये; कुछ भी संदेह नहीं है; केवल इसे विश्वास करें। हर एक जन अब प्रार्थना करते रहे। यहाँ से गुजरते हुए ये हमारे लोग है, परमेश्वर के बच्चे हैं। विश्वास करे।

यीशु के नाम में हमारी छोटी बहन, को चंगा करे, पिता।

211 मेरे बहुमूल्य मित्र को, चंगा करे, प्रभु। परमेश्वर, वो बहुत लंबे से रुका हुआ है; होने पाये ये वो घडी हो सकती है। आमीन।

यीशु के नाम में, इसे चंगाई दे, मेरी बहन को।

यीशु के नाम में... ? ...

यीशु के नाम में, उसे चंगा करे, पिता।

यीशु में... ? ...

यीशु मसीह के नाम पर, उसे ठीक करे, पिता।

यीशु के नाम में, इसे चंगाई दे, मेरे भाई को। ।

यीशु मसीह के नाम पर, मेरी बहन को चंगा करे।

पिता, यीशु की नाम में मेरी बहन को चंगा करे।

यीशु के नाम में, मेरे भाई को चंगा करे।

यीशु के नाम में, इसे ठीक करे, मेरे भाई को, प्रभु।

यीशु के नाम में, मेरी बहन को चंगा करे, पिता।

यीशु के नाम में... ? ...

परमेश्वर, यीशु की नाम में, हमारी बहन को ठीक करो।

परमेश्वर, यीशु मसीह के नाम पर, मेरी बहन को ठीक करो।

212 परमेश्वर, यीशु के नाम में मेरे भाई से लकवे को निकाल लीजीये, उसे चंगा करे, पिता।

परमेश्वर, यीशु के नाम में, इसे चंगा करे, मेरे भाई को।

यीशु के नाम में, इसे चंगा करे, जो मेरा बहनोई है, मैं प्रार्थना करता हूँ।

213 यीशु के नाम में, इसे चंगा करे, मेरी बहन को, प्रभु; परमेश्वर यीशु मसीह के नाम में उसे चंगाई दे।

हमारी बहन चंगा करे, पिता, यीशु मसीह के नाम में... ? ...

214 हे परमेश्वर, अब, यहां कुछ विनंतीयां हैं, इसे प्रदान करे ऐसा हो जाये, यीशु का नाम में।

215 अब, भाई इसे प्राप्त करने का यही तरीका है। अब, क्योंकि यह प्रभु ने इसे कर चूका है।

216 आप देखे कि वह बालक नहीं... ? ... अब, वह मुझे बताता है कि तुम्हारे साथ क्या गलत है। मैं बस इसे नहीं बताऊंगा... ? ... यीशु मसीह के नाम में...

217 हे परमेश्वर, यहाँ वो खडी है... ? ... वो यहाँ एडिथ के लिए खडी है। हम उस छोटी सी चीज के लिए सोचते हैं, प्रभु। जो अभी यहां संकट में रही थीं, उसकी बहन उसके स्थान में खड़ी है, प्रभु। प्रदान करे, हे परमेश्वर, इन विनंतीयों को उसके लिए प्रदान करे, यीशु के नाम में।

218 परमेश्वर, हमारे भाई पर दया करे और उसे यीशु के नाम में, पिता, उसे चंगा करे।

219 परमेश्वर, यीशु मसीह के नाम में, इसे छूएं, मेरे बहुमूल्य भाई को और उसे चंगा करे, पिता।

नाम यीशु मसीह में, हमारी बहन को चंगा करे।

यीशु मसीह के नाम में, प्रभु, हमारी बहन को चंगा करे।

हमारे भाई को चंगा करे, पिता, यीशु के नाम में।

यीशु मसीह में, इसे चंगा करे, हमारी बहन को।

हे परमेश्वर, यीशु मसीह के नाम में, इसे चंगा करें... ? ...

परमेश्वर, यीशु मसीह के नाम में, इस छोटे लड़के को चंगा करे।

यीशु मसीह के नाम में, हमारे भाई को चंगा करे, प्रभु।

यीशु के नाम में, चंगा करे हमारे... ? ...

हे परमेश्वर, यीशु मसीह नाम में, हमारी बहन को चंगा करे।

यीशु मसीह के नाम में, चंगा करे... ? ...

हमारी बहन को चंगा करे... ? ... यीशु के नाम में।

हे परमेश्वर, इसे चंगा करे, हमारी बहन को, मैं प्रार्थना करता हूं, यीशु की नाम में।

परमेश्वर, हमारी बहन को चंगा करे, क्योंकि मैं यीशु के नाम में प्रार्थना करता हूं।

परमेश्वर, उसे ठीक कर दे; इसे प्रदान करे, प्रभु, यीशु के नाम में।

220 परमेश्वर, हमारे भाई को छूएं; यह आपका वचन है; आपने इसकी प्रतिज्ञा की है, प्रभु, और हम आते हुए विश्वास कर रहे हैं, यीशु के नाम में।

221 यीशु मसीह के नाम में, हमारी बहन को चंगा करे, प्रभु; वो सच्चाई के साथ आयी है, अब विश्वास कर रही है; होने पाये वह जाकर और चंगी हो जाये।

यीशु मसीह के नाम में, होने पाये वह जाकर और चंगी हो जाये, प्रभु।

222 परमेश्वर, आपके चंगाई के हाथों को रखे... ? ... होने पाये वे अपने विनंती के साथ अपने घर की ओर लौटे। हे परमेश्वर, चंगाई को प्रदान करे।

हमारी बहन को चंगा करे, पिता, यीशु के नाम में।

मेरी बहन को चंगा करे यीशु के नाम में।

स्वर्ग के परमेश्वर, मेरे भाई को चंगा करे, यीशु मसीह के नाम में।

और मेरी बहन, प्रभु यीशु के नाम में।

इसे ठीक करे... ? ... यीशु के नाम में

इसे चंगा करे, मेरी बहन डॉल्टन को, यीशु की नाम में।

मेरी बहन को चंगा करे, पिता, यीशु के नाम में।

मेरे भाई को चंगा करे, प्रभु, यीशु के नाम में।

223 अब, वो चिंता करता है; क्या आप भी करते हो, भाई। जाकर उसे स्तुती और धन्यवाद दो, यीशु मसीह के नाम में... ... इसे प्रदान करे, प्रभु, बहुतो के उसका बोझ रहा हैं; अब उन्हें हल्का करे, पिता, यीशु मसीह के नाम में, हमारे भाई को चंगा करे।

224 होने पाये आप उस पर दया को भेजे... ? ...

225 परमेश्वर, यहां मेरी बहन के चंगाई को प्रदान करे। उसे दरवाजे पर खड़े हुए देखता हूं, प्रतीक्षा करते हुए, पवित्र आत्मा को उसके पास ही है। होने पाये वो जाकर और आप पर विश्वास करे। इसे प्रदान, पिता।

यीशु के नाम में, वो आजाद होकर जाये, पिता।

परमेश्वर, यीशु मसीह के नाम में... ? ...

यीशु के नाम में, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप मेरी बहन को चंगा करेंगे।

यीशु के नाम में, इसे चंगा करे, मेरी बहन को।

परमेश्वर, यीशु मसीह के नाम में, मेरे भाई को चंगा करे।

परमेश्वर, यीशु मसीह के नाम में... ? ...

परमेश्वर, यीशु मसीह के नाम में, मेरे भाई को पूरी तरह से ठीक करे।

परमेश्वर... ? ... उसके द्वारा... ? ... सामर्थ उसे पूरी तरह से ठीक करे।

226 हे परमेश्वर, चंगा करे... ? ... और उसे दिखाये... ? ... यहां एक स्थान है। इसे नीचे ले आये, प्रभु, और होने पाये वो परमेश्वर की सामर्थ को कर सके, यीशु के नाम में... ? ...

परमेश्वर, हमारे भाई को चंगा करे, प्रभु, और होने पाये वो ठीक हो जाये।

यीशु मसीह के नाम में, हमारी बहन को चंगा करे, परमेश्वर।

227 परमेश्वर, चंगा करे... ? ... उसने आपको बहुत को करते देखा है। अब प्रदान करे. वे सारे... ? ...

चंगा करे... ? ... परमेश्वर, मैं दया के लिए प्रार्थना करता हूँ, प्रिय प्रभु यीशु।

228 परमेश्वर, इसे चंगा करे... ? ... उसे पूरी तरह से ठीक करे... ? ... प्रभु, और उसके बहुत से दुख रहे होंगे और हम उन्हें बता रहे हैं। अब, हो सकता है वो... ? ...

यीशु के नाम में, इसे चंगा करे, मेरी बहन को, प्रभु।

मेरे भाई को चंगा करे, नाम में... ? ...

परमेश्वर, मेरे इस भाई को चंगा करे, और उसे पूरी तरह से ठीक करे... ? ...

हमारी बहन को चंगा करे, प्रभु, यीशु मसीह में... ? ...

मेरी बहन को चंगा करे, यीशु की नाम में।

मेरे छोटे भाई को चंगा करे, यीशु मसीह के नाम में।

परमेश्वर, इसे चंगा करे, मेरे भाई को, यीशु मसीह के नाम में।

परमेश्वर, यीशु मसीह के नाम में, इसे चंगा करे, मेरा भाई को।

परमेश्वर, मेरी बहन को चंगा करे। यीशु के नाम में, होने पाये वो चंगी हो जाये।

229 परमेश्वर, इसे चंगा करे, मेरे भाई को, होने पाये, वह यीशु मसीह के नाम पर हो सकता है... ? ...

हे परमेश्वर, मेरी बहन को चंगा करे, यीशु मसीह के नाम में।

230 यहां मेरी बहन को चंगा करे, प्रभु, यीशु मसीह के नाम में, होने पाये वो जाये... ? ...

231 परमेश्वर, उसकी विनंती को प्रदान करे, यीशु मसीह के नाम में, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप विनंती को प्रदान करे।

232 परमेश्वर, बहन सिमोन, परमेश्वर का अनुग्रह और दया हो, होने पाये जैसे वह इस घडी, समय के लिए रुकी हुई थी, जहां वह इसे निकल सके... ? ... और होने पाये वो पूरी तरह से ठीक हो जाये... ? ...

233 परमेश्वर, भाई अंग्रें... ? ... परमेशवर, उसके पास एक सुनहरी आवाज है, जो सुसमाचार को फूंकती है। उसे चंगा बनाये रखें, परमेश्वर; इसे प्रदान करे, यीशु के नाम में।

234 परमेश्वर, हमारी बहन किड उस नाम पर पुकार रही है... ? ... मैं प्रार्थना करता हूं कि आपकी सामर्थ अब उसे आजाद कर देगी... ? ... सच्चाई के साथ इस छोटे माँ... ? ... सात दिनों में वह अपनी मां के साथ होगी। इसे प्रदान करे, पिता, यीशु मसीह के नाम में।

235 परमेश्वर, उसके बच्चो के लिए, हे परमेश्वर, वे भटक रहे हैं, और उनमें से बहुत से बीमार हैं, और वो लड़की बीमार है, और... ? हे परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप इसे प्रदान करे, यीशु मसीह के नाम के जरिये से।

236 सो भाई टॉम के लिए आभारी है, प्रभु, प्रार्थना करते है कि आप उसे चंगा करेंगे और उसकी सहायता करेंगे। नाम धन्य नाम हो... ? ...

237 यहाँ एक व्यक्ति है... ? ... आप भी प्रार्थना करवाना चाहते हैं, भाई? प्रभु यीशु...

[टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]

वह तुम्हारी चिंता करता है,
वह तुम्हारी चिंता करता है;
धूप या छांव में से होते हुए,
वह तुम्हारी चिंता करता है।

वह तुम्हारी चिंता करता है,

केवल उस पर अपनी चिंता को डाल दे।

वह तुम्हारी चिंता करता है;
धूप या छांव में से होते हुए,
वह तुम्हारी चिंता करता है।

238 क्या आप उसकी चिंता करते हैं? क्या आप उसके वचन की चिंता करते हैं? आमीन। प्रभु आपको आशीष दे। आइए हम कुछ एक क्षण के लिए अपने सिर को झुकायें। मेरा विश्वास है कि मैंने इन विनंतियो का उत्तर दिया। मैंने विनंतियो का उत्तर दिया, मैंने नहीं किया, आप में से प्रत्येक था।

239 कुछ समय पहले मैंने सभा में कुछ गलती को किया, मुझे यकीन है कि किसी ने इसे देखा है। और कहीं तो परमेश्वर ने अभी मुझे बताया। मैंने किसी और के लिए कुछ कहा जब कि मैंने किसी और के लिए कहा था। मैं उस व्यक्ति को नहीं देख सकता था जहां पर वह था, लेकिन यह कोई तो था कि मैंने किसी और के लिए आशीष को दिया। और मैं... वे बहुत ही तेजी से आ रहा थे, और मैं ध्यान नहीं दे रहा था। और मैंने नहीं किया... हाँ, ऐसा था, मैं इसे अब देखता हूं। ये वो पुरुष और महिला है जो यहाँ अब बैठे हुए है। यदि मैं गलत नहीं हूं तो, तो मैंने कल रात एक होटल रूम में, या

कही तो और होटल यार्ड में, मैंने पिछली रात को उनसे हाथ मिलाया था, जेफरसन विले में। मैंने उस पुरुष से कुछ तो कहा था, इसे "बहन" कहकर बुलाया बजाये "भाई" कहने के, जब आप वहां से गुजर रहे थे, क्या आपने ध्यान दिया था? मेरा इसका मतलब आपकी पत्नी के लिए था। अब, वो कुछ समय से परेशान रही है, एक लंबे समय तक एक अंदरूनी परेशानी है। आप इलिनोइस से हैं। श्रीमती मोंगालैंड, यह सही है, यह आपका नाम है। अब, आप जानते हैं कि मैं आपको नहीं जानता था, लेकिन आप अभी संपर्क में हैं। आप अपने पूरे दिल से विश्वास करे, और यदि आप विश्वास करेंगे तो एक पूर्ण निष्कासं होगा, सामान्य रूप से जैसे से हमेशा से था। जिससे आप हर समय देख सके, अब मैं...

240 केवल एक चीज जो मैं जानता हूं, कल रात मुझे याद है, मैं उस व्यक्ति के लिए सोच रहा था, मैंने सोचा था कि उसके पास ऐसे सुंदर बाल थे, वो उसके बालों को बीच में मांग निकालता था, यह सफ़ेद बालों वाला व्यक्ति यहाँ पर बैठे हुए था। मैं बस ऐसे ही उसे देखा, और वहां पर प्रकाश ठीक उसके चारो ओर ठीक उन पर इस तरह से चमक रहा था। और यही वो था। और तब मेरे आगे दर्शन आ गया। मुझे नहीं पता कि वे कौन थे और न ही इसके बारे में कुछ भी जानता हूं। वो महिला कल रात बाहर थी, मैंने कहा, "क्या आप सभा में आ रही हैं? " उसने कहा, "जी हाँ।" लेकिन परमेश्वर के अनुग्रह ने इसे फिर से खींच लिया, और ये यही था। क्या आपने इसे प्रार्थना पंक्ति में देखा, भाई, कि कुछ कहा गया था जो कि अदल बदल हो गया? यह आपकी बजाये बहन के लिए था। यह, यह सही था, वहां बहन के पास चला गया।

241 अब आप इससे जान सकें कि, उस प्रार्थना पंक्ति के जरिये से, की प्रभु का दूत वहां पर था। यह बुला सकता है। लेकिन जैसा कि आप बुलाते हैं, यह कमजोर, कमजोर, कमजोर पड़ता है। देखा? तो वह आपकी चिंता करता है, और मैं आपकी चिंता करता हूं। मैं तब चार या पांच से अधिक जा सकता था, और तब, पहली चीज जो आप जानते हैं, बिली मुझे पुलपीट से बाहर ले जाता है। लेकिन मैंने सोचा यदि, निश्चय ही, मैं आप सब के साथ इन सारे वर्षों से रहा हूं, और हर कहीं यहाँ–वहां सारे राष्ट्र में। आप—आप जानते हैं कि मैं आपसे प्रेम करता हूँ। ओह, मैं आपसे प्रेम करता हूँ। जैसे आप मेरे अपने बच्चे थे, और आप सुसमाचार में मेरे बच्चे है।, मैंने आपको मसीह के लिए उत्पन्न किया है, सुसमाचार के जरिये से

और अब मैं यहाँ सोचता हूं, यह विनंती और यहां है इत्यादि, मैंने इसका उत्तर दिया है।

242 अब, मैं आपसे प्रेम करता हूँ। और मैंने सोचा, यदि मैं जाकर और आप पर हाथ रखा, और आपने देखा कि पवित्र आत्मा ऐसा कर रहा था, और फिर उस पंक्ति में एक प्रकार की कुछ शंका आरंभ हुई। मैं इससे चुक गया, प्रार्थना की पंक्ति बहुत ही तेजी से बढ़ती जा रही थी, और एक की आशीष को दुसरे को सुनाया, और फिर पवित्र आत्मा सभा के खत्म होने के ठीक बाद ठीक पीछे को घूमता है और इसे फिर से पीछे की ओर दिखाता है। देखा? क्या आप नहीं देखते, वह चिंता करता है! अब क्या आप चिंता करते है? क्या आप यह कहने के लिए पर्याप्त चिंता करते हैं, "इस समय से लेकर, मेरे ह्रदय में कुछ ऐसा कहता है कि मेरी परेशानी खत्म हो गई है। मैं—मैं ठीक हूँ, मैं ठीक होने जा रहा हूं"? क्या आप इसे विश्वास करते हो? अपने हाथ उठाये, "मैं विश्वास करता हूं!" परमेश्वर आपको आशीष दे।

धूप या छांव में से होते हुए,
वह तुम्हारी चिंता करता है।

243 यह तो बस एक बडे महान प्रेम का भोज है। आइये इसे गाये और एक दूसरे के साथ हाथ को मिलाये।

वह तुम्हारी चिंता करता है,
वह तुम्हारी चिंता करता है;
धूप या छांव में से होते हुए,
वह तुम्हारी चिंता करता है।

244 मैंने आज सुबह आप को बहुत देर तक रोके रखा है तब... मेरा पास्टर तब तक प्रचार नहीं करता जब तक मैं करता हूं। वह आज रात आपके लिए संदेश को लाने का प्रयास करेंगे, और हम आपको इस बारे में बताएंगे कि अगले रविवार को सेवा होगी या नहीं... उस नेतृत्व के नीचे। यदि मैं नहीं करता, तो केवल वैसे ही सभा होंगी। तो आप सभी को, प्रभु आपको आशीष दे, हर एक को। मुझे लगता है कि ठीक अभी एक बपतिस्मा की सभा होने जा रही है।

245 तो यदि आप समाप्त करने के लिए बस कुछ क्षण के लिए खड़े रहेंगे। आइये फिर से गाये। "अपनी चिन्ताओ को उस पर डाल दो, क्योंकि वह

आपकी चिंता करता है।" और अब यदि आप उसकी चिंता करते हैं, आइये कहे, "प्रभु, मैं... " जब आप ऐसा करते हैं, तो आप इस बयान को दे रहे होते हैं, "प्रभु, मैं जानता हूं, आप मेरी चिंता करते है। और मैं अपने हाथ को उठा रहा हूं, मैं आपकी चिंता करता हूं।" और आइये अब हमारे हाथों को ऊपर उठाये रखे, इस प्रेम के भोज में, जैसा कि हम गाते हैं।

वह तुम्हारी चिंता करता है,
वह तुम्हारी चिंता करता है;
धूप या छांव में से होते हुए,
वह तुम्हारी चिंता करता है।

246 अब जब हम अपने सिर झुकाते हैं, तो कहे... [भाई ब्रन्हम गुनगुनाते है *वह आपकी चिंता करता है*—सम्पा।] ओह, मेरे प्रभु की मधुरता! क्या आप महसूस नही करते है कि उसका प्रेम बस आपको उसके करीब खींच रहा है? कहे, "और, प्रभु, मैं आपसे प्रेम करता हूँ। मैं आपसे प्रेम करता हूँ। आप मेरी चिंता करते है, प्रभु। आपने मेरी इतनी अधिक चिंता की इतना तक कि जब मैं पापी था आप मेरे लिए मरे। आप मेरे अपराधों के लिए घायल हो गए थे, आपके कोड़े खाने से मैं चंगा हो गया था।" ये विनंती और इत्यादि यहाँ है, मैंने इसका उत्तर दिया है।

वह तुम्हारी चिंता करता है,
वह तुम्हारी चिंता करता है;
धूप या छांव में से होते हुए,
वह अब भी तुम्हारी चिंता करता है।

247 बस इसे याद रखें जैसे आप अपने सिर को झुकाते हैं। मैं भाई एडवर्ड्स से यहां कहुंगा कि क्या वो यहाँ प्रार्थना के कुछ शब्द में समाप्त करेंगे। लेकिन, सबसे पहले, आइये हम इसे फिर से गाते हैं। [भाई ब्रन्हम गुनगुनाना आरंभ करते है *वह आपकी चिंता करता है*—सम्पा।] याद रखें, धूप या छांव हो, वह फिर भी चिंता करता है। उसने चिंता कि क्या आप चिंता करते है? कहे, "हाँ, प्रभु, मैं वादा करता हूं कि मैं करूंगा। मैं ठीक अभी आगे जा बढ़ूँगा। आज के बाद से, मैं चिंता करूंगा। मैं अपनी गवाही की चिंता करता हूं।" [भाई ब्रन्हम निरंतर गुनगुनाते रहते है *वह आपकी चिंता करता है*।] "वह आपकी चिंता करता है।" भाई एडवर्ड्स।

वो चिंता करता है। क्या आप चिंता करते है? HIN63-0721

(He Cares. Do You Care?)

यह सन्देश भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में रविवार सुबह, 21 जुलाई, 1963 को ब्रन्हम टेबरनेकल, जेफरसनविले, इंडियाना, यु.एस.ए में प्रचारित किया गया। इसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है, और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोईस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बाँटा गया है।

HINDI

©2019 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org